हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 141, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 21 नवम्बर, 2023 दिन मंगलवार गाजीपुर/वाराणसी

एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक गलियारे बनाएगी योगी सरकार

सात हजार करोड़ होंगे खर्च, भूमि क्रय के लिए दरों का निर्धारण प्रक्रियाधीन

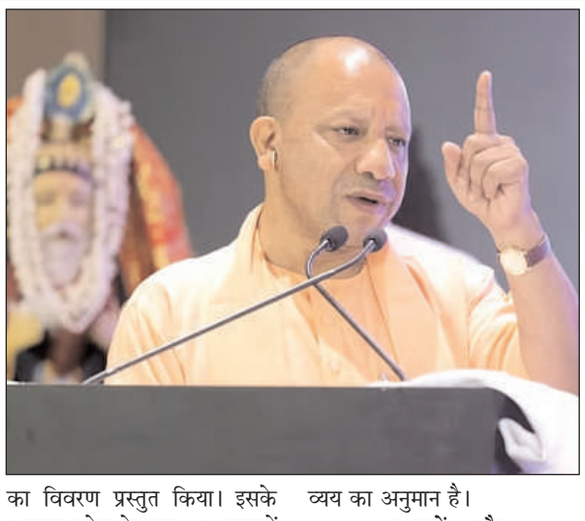

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में नए-नए एक्सप्रेसवे बनाकर न सिर्फ प्रदेश की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया जा रहा है, बल्कि इन एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक केंद्रों की स्थापना करके इसे औद्योगिक गलियारे के रूप में विकसित करने पर भी काम किया जा रहा है। इस संबंध में सीएम योगी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) ने औद्योगिक केंद्रों के लिए स्थलों को चिह्नित कर लिया है। योजना के अनुसार यूपीडा प्रदेश में 5 एक्सप्रेसवेज के किनारे औद्योगिक केंद्रों की स्थापना करेगा। इनमें आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे एवं गंगा एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इस पर योगी सरकार अनुमानित 7 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि खर्च करेगी।

सीएम के समक्ष प्रस्तुत किया चिह्नित स्थलों का विवरण- शनिवार को ही यूपीडा ने एक उच्चस्तरीय बैठक में सीएम योगी के समक्ष इन पांचों एक्सप्रेसवेज के किनारे चिह्नित औद्योगिक गलियारों का विवरण प्रस्तुत किया। इसके अनुसार प्रदेश के कुल 12 जनपदों को जोड़ने वाले गंगा एक्सप्रेसवे पर 11 स्थलों को औद्योगिक गलियारे के लिए चुना गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 1522 हेक्टेयर है। इस पर करीब 2300 करोड़ के अनुमानित व्यय का अनुमान है। इसी तरह, 7 जनपदों को जोड़ने वाले बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे 6 स्थलों को चिह्नित किया गया है। इसका प्रस्तावित क्षेत्रफल 1884 हेक्टेयर है, जिस पर 1500 करोड़ से ज्यादा व्यय का अनुमान है।

30 स्थलों और 5800 हेक्टेयर से ज्यादा भूमि की चिह्नित- इसी तरह, आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे से जुड़े 10 जनपदों में 5 स्थलों का चयन किया गया है। इसका कुल क्षेत्रफल 532 हेक्टेयर है, जिसके विकास पर करीब 650 करोड़ का व्यय अनुमानित है। वहीं 9 जनपदों को जोड़ने वाले पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर औद्योगिक गलियारे के लिए 5 स्थानों को चिह्नित किया गया है जिसका प्रस्तावित क्षेत्रफल 1586 हेक्टेयर है और अनुमानित व्यय 2300 करोड़ होने की संभावना है। पांचवां और अंतिम एक्सप्रेसवे गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे है। इसके 4 जनपदों में 2 स्थानों को औद्योगिक केंद्रों के लिए चुना गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 345 हेक्टेयर होगा और अनुमानित व्यय 320 करोड़ होने की संभावना है। कुल मिलाकर इन पांचों एक्सप्रेसवेज पर 30 स्थलों को चिह्नित किया गया है, जिसका कुल क्षेत्रफल 5800 हेक्टेयर से ज्यादा है।

यूपीडा की ओर से चिह्नित सभी 30 स्थलों से जुड़े 108 ग्रामों को प्रदेश सरकार की ओर से अधिसूचित किया जा चुका है। वहीं भूमि क्रय के लिए संबंधित 6 जिलाधिकारियों को 200 करोड़ रुपए भी जारी किए जा चुके हैं। साथ ही भूमि क्रय के लिए बुंदेलखंड औद्योगिक प्राधिकरण की तर्ज पर 1500 करोड़ रुपए अवमुक्त किए जाने का आदेश भी निर्गत किया जा चुका है। जनपद स्तर पर भूमि क्रय के लिए दरों का निर्धारण फिलहाल प्रक्रिया में है।

विशाखापत्तनम बंदरगाह पर भीषण आग, मछली पकड़ने वाली 40 नावें जलकर राख

विशाखापत्तनम। विशाखापत्तनम में एक बंदरगाह पर बीती रात भीषण आग लगने की जानकारी सामने आई है। इस घटना में लगभग 40 मछली पकड़ने वाली नावें जलकर राख हो गईं। मछुआरों को संदेह है कि कुछ अपराधियों ने नावों में आग लगाने का काम किया है। उन्होंने यह भी संदेह जताया कि आग एक नाव में किसी पार्टी द्वारा लगाई गई थी, जिसमें 30 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। विशाखापत्तनम के मछली पकड़ने के बंदरगाह में भीषण आग लगने से पहली नाव से शुरू हुई आग आखिरकार 40 नावों तक फैल गई। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मामले पर अधिक जानकारी देते हुए डीसीपी आनंद रेड्डी ने बताया कि शुरूआत में मछली पकड़ने के बंदरगाह पर खड़ी एक नाव में आग लग गई थी और फिर आधी रात को अन्य फाइबर नावों में फैल गई। पुलिस और अग्निशमन दल ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आगे बताया कि आग पर अब काबू पा लिया गया। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

पाठ्यक्रम में वेदों को शामिल करने के लिए खर्च होंगे 100 करोड़, शिक्षा मंत्री बोले- केंद्र ने अलग रखी राशि

नई दिल्ली। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि केंद्र ने पाठ्यक्रम में वेदों और भारतीय भाषाओं को शामिल करने के उद्देश्य से 100 करोड़ रुपये अलग रखे हैं, जो छात्र वैदिक बोर्ड द्वारा दी जाने वाली दसवीं (वेद भूषण) और बारहवीं (वेद विभूषण) की परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं, वे अब चिकित्सा और इंजीनियरिंग सहित उच्च शिक्षा के लिए किसी भी कॉलेज में शामिल होने के पात्र होंगे। यह निर्णय सरकार द्वारा नामित निकाय, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज द्वारा हाल ही में वैदिक शिक्षा को फिर से शुरू करने पर सहमति के बाद आया है। इस निर्णय से भारतीय शिक्षा बोर्ड, महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड और महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान जैसे वैदिक बोर्डों के छात्रों को लाभ होगा। उन्हें राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा परीक्षा द्वारा आयोजित किसी अन्य परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे पहले अन्य बोर्डों के छात्रों को आगे की शिक्षा के लिए कॉलेजों में प्रवेश के लिए आवेदन करने के लिए एनओएसई परीक्षा उत्तीर्ण करनी पड़ती थी। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में शनिवार को लक्ष्मी पुराण के संस्कृत अनुवाद का विमोचन करते हुए प्रधान ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे वेदों के ज्ञान, मूल्यों और संदेश को आत्मसात करके हम सामाजिक न्याय, महिला सशक्तिकरण और महिला नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ सकते हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि विश्वविद्यालय नई पीढ़ियों को संस्कृत सहित भारतीय भाषाओं, साहित्य और विरासत से जोड़ने का काम करेगा। लक्ष्मी पुराण एक भक्तिपूर्ण काव्य है, जिसकी रचना महान संत कवि बलराम दास ने 15वीं शताब्दी में पुरी (ओडिशा) में की थी। बलराम दास को उड़िया भाषा में उनकी महान कृति रामायण के कारण ओडिशा के बाल्मीकि के रूप में जाना जाता है। वह उड़िया साहित्य के पंचसखा युग से संबंधित हैं, जो भक्ति और ब्रह्म ज्ञान के प्रचार के लिए जाना जाता है।

इंफाल एयरपोर्ट पर आकाश में 'रहस्यमयी चीज' दिखने से मचा हड़कंप, उड़ान सेवाएं प्रभावित

इंफाल। मणिपुर के इंफाल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार दोपहर को एक अज्ञात उड़ने वाली वस्तु देखे जाने से हड़कंप मच गया। इससे सामान्य उड़ान सेवाएं प्रभावित हुईं। अधिकारियों ने बताया कि दो फ्लाइट्स को डायवर्ट किया गया, जबकि तीन अन्य में देरी हुई। उन्होंने बताया कि करीब तीन घंटे बाद सेवाएं सामान्य हो सकीं। एयरपोर्ट के निदेश चिपेम्मी कीशिंग द्वारा जारी एक बयान में कहा कि इंफाल नियंत्रित हवाई क्षेत्र के भीतर यूएफओ देखे जाने के कारण दो उड़ानों को डायवर्ट किया गया, जबकि तीन में देरी हुई। हालांकि, सक्षम प्राधिकारी से मंजूरी मिलने बाद उड़ानों का संचालन फिर से शुरू किया गया।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर 36 घंटे के व्रत का हुआ पारण, छठी मइया की जयकार से गूंजा

लखनऊ। आस्था और विश्वास के साथ सोमवार को व्रती महिलाओं ने उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर छठ मइया की पूजा-अर्चना की। टोकरी में प्रसाद के संग भोर से ही वाराणसी के घाटों पर श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। सूर्योदय के समय तक घाटों पर छठ मइया के प्रतीक (सुशोभिता) पर व्रती महिलाओं का जमावड़ा देखते ही बन रहा था। कुछ सालों पहले तक यह महापर्व बिहार या फिर बिहार प्रवासियों तक ही सीमित था लेकिन बीतते समय के साथ इसकी परिधि बढ़ती चली गई। आज यह पर्व किसी प्रांत या स्थान विशेष तक सीमित नहीं है, जहां तक सूर्य की किरणें जाती हैं, वहां तक छठी मैया का आशीवार्द पाने के लिए लोग सूर्य को अर्घ्य देते हुए दिखाई देते हैं। वाराणसी में भी कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला। सुमन श्रीवास्तव पत्नी कवींद्र श्रीवास्तव, निवासी शिवपुर (वाराणसी) ने बताया कि उनके परिवार में छठ पूजा का रिवाज नहीं था लेकिन आस-पास के परिवारों में इसका आयोजन धूमधाम से किया जाता था। पूजा-पाठ में विशेष रुचि होने के चलते मैंने इस व्रत की शुरूआत की। पिछले करीब 10 सालों से हम इस पर्व को पूरे परिवार के साथ मनाते हैं। गोरखपुर निवासी अंकिता सिंह माता छठी का आशीर्वाद पाकर अभीभूत हैं। उनका कहना है कि इस महापर्व का पूरे वर्ष इंतजार रहता है। परिवार के साथ इसे मनाने का आनंद ही अलग है। नागपुर में रहने वाले दिलीप और पारवी श्रीवास्तव, इस महापर्व का पूरे वर्ष इंतजार करते हैं। वह कहते हैं कि इस पर्व की छठा को शब्दों में पिरोना आसान नहीं है, यह एक भाव है जिसे वह अपनी अगली पीढ़ियों तक पहुंचाना चाहते हैं, लिहाजा अपने बच्चों को पर्व से संबंधित जानकारियों और महत्व को जरूर बताते हैं। ताकि वह इसकी महत्ता को कभी न भूलें। छठ मइया के पारंपरिक गीतों का गुलदस्ता पेशकर व्रती महिलाओं के समूह ने माहौल को भक्ति से सराबोर कर दिया। पति व पुत्र के सिर पर रखी टोकरी के पीछे सूप में जलता दीपक छठ मइया के प्रति आस्था और विश्वास का उजाला चारों तरफ फैला रहा था।

बृजेश सिंह को 36 साल पुराने सिकरौरा कांड में हाईकोर्ट से बड़ी राहत, चार को उम्रकैद

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी के बलुआ थाने में 36 साल पहले हुए सिकरौरा कांड में सत्र अदालत द्वारा बरी सभी 13 अभियुक्तों में से चार पंचम सिंह, वकील सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह और राकेश सिंह को उम्रकैद और 75 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई है। साथ ही बृजेश सिंह व पांच अन्य अभियुक्तों को सत्र न्यायालय द्वारा बरी किए गए फैसले को सही करार दिया है। कोर्ट ने कहा है कि सत्र न्यायालय के फैसले में कोई कमी नहीं है। निर्दोष करार दिए जाने वालों में रामदास उर्फ दीना सिंह, कन्हैया सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय सिंह, मुसाफिर सिंह का नाम शामिल है। कोर्ट ने कहा कि गवाहों के बयान में विरोधाभास है, इसलिए इन्हें बरी किया जाता है, जबकि चार के खिलाफ अपराध में लिप्त होने का पर्याप्त साक्ष्य है, इसलिए उनको बरी करने का सत्र न्यायालय का आदेश विधि संगत नहीं है। यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति अजय भनोट की खंडपीठ ने शिकायतकर्ता हीरावती, व अभियुक्त व राज्य सरकार की अपील में से कुछ को आंशिक रूप से स्वीकार कर दिया है। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि सजा पाने वाले चार अभियुक्तों को टॉर्च की रोशनी में पहचान लिया गया था। शेष अभियुक्तों को अंधेरे की वजह से पहचाना नहीं जा सका। इसके अलावा सजा पाने वालों की पहचान परेड के दौरान भी हुई थी।

लोकसभा चुनाव को लेकर बैठक : भाजपा ने कई जिलों के प्रभारी बदले, बूथ कमेटियों का होगा गठन

लखनऊ। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा अब 2024 के चुनाव के लिए तैयारी कर रही है। सोमवार को लखनऊ में पार्टी मुख्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों की बैठक हुई जिसमें कई मुद्दों पर चर्चा की गई और कई जिलों के पदाधिकारी बदले गए हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने बताया कि अवध क्षेत्र में प्रदेश महामंत्री संजय राय, काशी क्षेत्र में अमरपाल मौर्य, गोरखपुर क्षेत्र में गोविंद नारायण शुक्ल, कानपुर क्षेत्र में अनूप गुप्ता, पश्चिम क्षेत्र में सुभाष यदुवंश और ब्रज क्षेत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह को प्रभारी नियुक्त किया है। उन्होंने बताया कि सभी 98 संगठनात्मक जिलों में भी प्रभारी बदले गए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर प्रदेश कार्यालय में हुई जिलाध्यक्षों और प्रदेश पदाधिकारी की बैठक में लोकसभा और विधानसभा चुनाव संचालन समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए बूथ कमेटी का गठन किया जाएगा।

भाजपा के जिला प्रभारी: आगरा महानगर धर्मेंद्र सिंह, आगरा जिला अमित बाल्मिकी, मथुरा महानगर/जिला अशोक कटारिया, फिरोजाबाद महानगर/जिला ब्रजबहादुर एटा, हर्षवर्धन शर्मा अलीगढ़, जिला मानवेंद्र सिंह लोधी अलीगढ़ महानगर, श्रीचंद्र शर्मा एमएलसी, हाथरस डी पी भारती, मैनपुरी अनिल चौधरी कासगंज, पूनम बजाज बरेली, महानगर मोहित बेनीवाल, बरेली जिला देवेंद्र चौधरी, आवला दोदराम कुशवाहा, शाहजहांपुर महानगर जिला सुरेश राणा, पीलीभीत गुलशन आनंद और बदायूं जिला प्रभार दिनेश कुमार शर्मा को नियुक्त किया गया है।

कन्नौज इंद्रपाल पटेल, औरैया आनद सिंह, कानपुर देहात अशोक राजपूत, कानपुर ग्रामीण राधेश्याम पांडेय, कानपुर दक्षिण /उत्तर पंकज सिंह, फतेहपुर श्रीमती रंजना उपाध्याय, जालौन अशोक जाखरी, झांसी ग्रामीण सतविलास शिवहरे, ललितपुर सुरेश अवस्थी, हमीरपुर देवेश कोरी, फरुर्खाबाद शिव महेश दुबे, महोबा संजीव, बांदा रामकिशोर साहू, चित्रकूट अनिल यादव और इटावा श्रीमती कमलावती सिंह।

राममंदिर में पूजा-अर्चना के लिए तैयार हो रही आचार संहिता, नए मंदिर में 5 बार होगी आरती

अयोध्या। राममंदिर में पूजा-अर्चना के लिए श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट नियमावली यानी आचार संहिता तैयार करा रहा है। इसके लिए गठित की गई धार्मिक समिति की दो दिवसीय बैठक हो चुकी है। बैठक में सदस्यों ने नियमावली पर घंटों मंथन किया। तय हुआ है कि नए राममंदिर में भी रामलला की आरती पांच बार की जाएगी। बैठक में पूजन-अर्चन के विधान को लेकर चर्चा की गई। नए मंदिर में रामलला का पूजन विधान रामानंदीय परंपरा के अनुकूल होगा। समिति ने बैठक में पूजन विधान से लेकर रामलला के श्रृंगार व भोग, त्योहार, पर्व व अन्य विशेष अवसरों पर श्रृंगार व भोग आदि पर चर्चा की। हर माह की एकादशी को रामलला को किस प्रकार का भोग अर्पित किया जाए, इस पर भी विचार हुआ। मकर संक्रांति, होली, रामनवमी, झूलनोत्सव, कार्तिक परिक्रमा, रामविवाह आदि उत्सव रामलला के दरबार में किस तरह और किस स्वरूप में मनाए जाएं इन सबकी आचार संहिता बनाई जा रही है। बैठक में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, जगद्गुरु विश्वेशप्रपन्न तीर्थ, महंत मिथिलेश नंदिनी शरण, महंत डॉ. रामानंद दास मौजूद रहे। राममंदिर में पूजा-अर्चना के लिए प्रशिक्षित पुजारी रखे जाने हैं। इसके लिए ट्रस्ट ने आवेदन मांगा था। 84 कोसी सीमा क्षेत्र के ही आवेदन स्वीकार किए गए हैं। 31 अक्तूबर तक दो हजार वैदिक आचार्य व बटुकों ने आवेदन किया है। इनका साक्षात्कार भी रविवार से शुरू कर दिया गया है। अब तक 115 वैदिक आचार्यों का साक्षात्कार हो चुका है। दिल्ली से आए वैदिक आचार्य चंद्रभानु शर्मा ने बताया कि साक्षात्कार में करीब 50 वैदिक बटुकों का चयन होगा। फिर इन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा, इसके बाद एक परीक्षा होगी परीक्षा में जो उत्तीर्ण होगा उसे पुजारी के लिए चयनित किया जाएगा।

'अखिलेश के इशारे पर स्वामी कर रहे अनर्गल बयानबाजी', कल्कि महोत्सव में शामिल हुए ओपी राजभर का सपा पर वार

संभल। कल्कि महोत्सव के पहले दिन सुहेल देव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर भी कार्यक्रम में पहुंचे। वहां उन्होंने कहा कि आचार्य प्रमोद कृष्णम से उनकी दिल्ली से मुलाकात हुई थी। जहां उन्होंने उन्हें कल्कि महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया था। राजभर ने कहा कि जब वह कल्कि महोत्सव में आये तो महसूस हुआ कि जब जब धरती पर अत्याचार बढ़ा है तब तक भगवान विष्णु ने अवतार लिया है जो आने वाले दिनों में भी जारी रहेगा। यहां आकर मैं अपने आप को धन्य समझ रहा हूं क्योंकि राजनीतिक मुलाकात होती रहती थी, लेकिन यहां आने के बाद मुझे गर्व महसूस हुआ कि मुझे पहले आना चाहिए था, लेकिन देर आये दुरुस्त आये। आचार्य प्रमोद कृष्णम के भाजपा में आने की बात के बारे में जब उनसे पूछा गया तो हंस कर आचार्य से ही इस बारे में पूछने के लिए कहा। मैं यहां पर राजनतिक रूप से नहीं महोत्सव में शामिल होने के लिए आया हूं। सरकार में उनके कब तक मंत्री बनने का सवाल पूछा गया तो बताया कि अगर मंत्रिमंडल का विस्तार होगा तो राजभर जरूर मंत्री बनेगा। स्वामी प्रसाद मौर्य द्वारा समर्थन व रामचरित मानस पर टिप्पणी किये जाने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि स्वामी प्रसाद मार्य अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। वह संविधान को नहीं मानते हैं।

उन्होंने कहा कि वह भाजपा में पांच साल मंत्री रहे तो उन्हें यह सब चीजें याद नहीं आयी। बसपा सरकार में भी मंत्री रहे, लेकिन तब उन्हें याद बातें याद नहीं आयी थी। अब सत्ता से बेदखल होने के बाद वह अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं, जिसकी वजह से ऐसी अनर्गल बयानबाजी कर रह हैं। यह सब सपा नेता अखिलेश यादव के इशारे पर हो रहा है। पहले भी राम लोटन निषाद ने इस प्रकार की टिप्पणी की थी तो अखिलेश यादव ने उन्हे निष्कासित कर दिया था, लेकिन आज स्वयं उसी प्रकार की बयानबाजी करने वाले व्यक्ति को अपने बगल में बैठाकर चाय पिला रहे हैं तो देखकर लग रहा है कि कही न कही उनका संरक्षण है।

2024 में अखिलेश आईएनडीआईए के साथ मिलकर कुछ कर पाएगे या नहीं इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहाकि विनाश काले विपरीत बुद्धि। अब समाजवादी पार्टी पतन की ओर है। इस कारण है कि जो उन्होंने नारा दिया था सामाजिक न्याय का, तो उसे देखकर देश प्रदेश में रहने वाले लोगों के साथ अन्याय किया। एक जाति के साथ ही उनका सामाजिक न्याय दिखा। वर्ष 2013 में न्यायालय ने कहा कि पिछड़ों को मिले 27 प्रतिशत आरक्षण को प्रदेश सरकार कुछ जातियों को दें, लेकिन अखिलेश यादव ने ऐसा नहीं किया। वह हक लूटते रहे और उनके लोग उनके इशारे पर गरीब कमजोरों का सताते रुहे। अब मुसलमान भी समझ गया है कि सपा ने नफरत के अलावा कुछ नहीं दिया।

सीएम योगी के निर्देश के बाद यूपी में छापेमारी शुरू, हलाल सर्टिफाइड प्रोडक्ट्स मिले तो...

लखनऊ। यूपी में हलाल प्रमाणन (सर्टिफाइड) उत्पादों की बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक के सीएम योगी के निर्देश के बाद सोमवार से पूरे प्रदेश में छापामार कार्रवाई शुरू हो गई है। लखनऊ से लेकर लखीमपुर और बरेली से लेकर बांदा तक छापेमारी जारी है। हलाल प्रमाणित वस्तुओं के निर्यात और बिक्री पर प्रतिबंध के बाद सोमवार से छापामार कार्रवाई शुरू हुई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को दिए गए हैं निर्देश कि अपने क्षेत्र में वस्तुओं को बाहर भेजने वाली एजेंसियों और फुटकर विक्रेताओं के यहां पर निरीक्षण कर हलाल प्रमाणित जो भी वस्तुएं मिले, इनमें कॉस्मेटिक पर सबसे ज्यादा ध्यान रहेगा, इसके अलावा औषधि, मसाले व खानपान की सामग्री और दैनिक उपयोग की अन्य सामग्रियों की जांच के लिए भी कहा गया है। हलाल प्रमाणित ऐसी कोई भी वस्तुएं मिलती है तो खाद्य सुरक्षा अधिकारी उनकी रोकथाम के लिए निर्देश देंगे और वस्तुओं को जब्त करेंगे। बरेली में फीनिक्स मॉल, रिलायंस रिटेल शॉप, मेगा मार्ट के दो शॉपिंग मॉल में छापेमारी की जा चुकी है। दोपहर दो बजे तक जिले में कहीं भी हलाल प्रमाणित उत्पाद बिक्री होते नहीं मिले। टीम की छापेमारी अभी जारी है। बांदा में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने प्रतिबंधित हलाल प्रमाणित उत्पादों पर नजर रखने के लिए चार टीमें गठित की हैं। अभिहीत अधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि शासन के निर्देश पर यहां कार्रवाई की तैयारियां चल रही हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों को इनकी बिक्री पर नजर रखने के लिए सतर्क रहने को कहा गया है। साथ ही व्यापारियों को भी चेतावनी दी गई है कि यदि ऐसा उत्पाद उनके पास हो तो तुरंत सरेंडर कर दें। आमजन से अपील की जा रही है कि यदि हलाल प्रमाणित उत्पादों पर निगाह पड़े तो तुरंत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों को जानकारी दें।

संपादकीय

मणिपुर में राहत में सुस्ती और सरकार की कार्यक्षमता पर सवाल

मणिपुर में हिंसा की शुरूआत के करीब छह महीने बाद भी अगर राज्य सरकार वहां शांति कायम नहीं कर सकी है तो यह उसकी कार्यक्षमता पर ही सवाल है। मगर ज्यादा अफसोस की बात यह है कि हिंसा के शिकार लोगों को राहत मुहैया कराने के मामले में भी समय पर जरूरी कदम नहीं उठाए गए और इसके लिए देश की दूसरी संस्थाओं को याद दिलाना पड़ रहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मणिपुर सरकार से राज्य में मई महीने में शुरू हुए जातीय संघर्षों में मारे गए सभी लोगों के परिजनों को दस-दस लाख रुपए मुआवजा देने को कहा है। आयोग ने यह आदेश भी दिया कि हिंसा में क्षतिग्रस्त घरों का मूल्यांकन किया जाए और छह सप्ताह के भीतर प्रत्येक पीड़ित को दस लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। यानी जो काम सरकार को अपनी ओर से करना चाहिए था, उसे लेकर भी वह सजग नहीं है। क्या सरकार के इसी उदासीन रवैये की वजह से राज्य में आज भी बिगड़े हालात पर काबू पाना मुश्किल नहीं बना हुआ है? सरकार के काम करने की शैली का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां दो समुदायों के बीच शुरू हुए टकराव को एक लंबा वक्त गुजर जाने के बावजूद हालात पर काबू पाने के लिए कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आ सका है। अब भी वहां हिंसा और आगजनी की घटनाएं हो रही हैं। इस पहलू पर मानवाधिकार आयोग ने मणिपुर के कुछ हिस्सों में हिंसा जारी रहने पर चिंता जाहिर करते हुए राज्य सरकार से हालात सामान्य करने के लिए रूपरेखा तैयार करने को कहा है। यह सरकार के लिए शर्मिंदगी का विषय होना चाहिए कि वह राज्य में हिंसा की वजहें पहचान कर उसका हल निकालने के लिए जरूरी कदम उठाने में नाकाम रही, फिर बाद में जब कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा ने व्यापक शक्ल ले ली, तब भी उसे रोकने को लेकर कोई ऐसी पहल नहीं दिखी, जिसे दूरदर्शी कहा जा सके। नतीजा यह हुआ कि राज्य में पुलिस से लेकर सेना तक की तैनाती के बावजूद वहां हिंसा और अराजकता बनी हुई है। हालांकि मैतेई समुदाय को जनजाति श्रेणी में शामिल करने के मसले पर वहां विरोध का जो ज्वार उठा, उसमें यह साफ दिख रहा था कि यह कैसा रूप ले सकता है। मगर इतने संवेदनशील मुद्दे को भी सरकार ने शायद तात्कालिक प्रतिक्रिया मान लिया था। इसी उदासीनता का नतीजा था कि समूचे राज्य में अराजकता का माहौल बन गया और उसके बाद स्थिति पर नियंत्रण करना सरकार के लिए मुश्किल हो गया। केंद्रीय गृह मंत्रालय और सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी शांति और निगरानी समितियां बना कर हल निकालने की कोशिश की गई, मगर उसका कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। जबकि इस मसले का अकेला समाधान कुकी और मैतेई समुदायों के बीच संवाद और उभरे सवालों पर सहमति कायम करना है। मगर हिंसा से प्रभावित इलाकों में न केवल कार्रवाई को लेकर शिथिलता बरती गई, बल्कि सरकार और पुलिस पर पक्षपात करने के भी आरोप लगे। मानवाधिकार आयोग को एक निश्चित तारीख तक एक सौ अस्सी लोगों के मारे जाने की सूचना दी गई थी, लेकिन ऐसे सिर्फ तिरानबे लोगों के परिजनों को ही दस लाख रुपए मुआवजा दिया गया। इससे सरकार की कार्यशैली और उसकी मंशा पर सवाल उठते हैं कि क्या वह राज्य में हिंसा को पूरी तरह रोकने और पीड़ितों को राहत मुहैया कराने को लेकर गंभीर है?

रोजगार की सरहद और आरक्षण पर सरकार की सियासी सोच

अपने सियासी स्वार्थ साधने की कोशिश में अक्सर पार्टियां और सरकारें संवैधानिक मयार्दाओं के परे जाकर भी वादे और फैसले कर जाती हैं। यही किया हरियाणा सरकार ने। तीन साल पहले उसने कानून बना कर तय कर दिया कि उन सभी निजी कंपनियों, संस्थानों और संस्थाओं को अपने यहां नौकरियों में हरियाणा के युवाओं को पचहत्तर फीसद आरक्षण देना होगा, जिनमें दस से अधिक कर्मचारी काम करते हैं और उनका वेतन तीस हजार रुपए से कम है। जिस तरह राजनीतिक दल पूरे देश में जातीय और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दे पर अपना जनाधार बनाने की कोशिश करते देखे जाते हैं, उसमें हरियाणा सरकार का यह कदम नया नहीं कहा जा सकता। अच्छी बात है कि पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने उस कानून को रद्द कर दिया। दरअसल, इस आरक्षण का वादा विधानसभा चुनाव के वक्त जननायक जनता पार्टी ने किया था। फिर जब सत्ता गठबंधन में शामिल हुई तो उसने यह कानून भी बना दिया। हर कल्याणकारी सरकार का कर्तव्य है कि वह अपने नागरिकों को रोजी-रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए। मगर इसके लिए संविधान में दिए गए समानता और जीवन जीने के अधिकार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। दूसरों के अधिकारों का हनन नहीं किया जा सकता। ऐसी कोई सरहद नहीं बनाई जा सकती, जिसमें दूसरे इलाकों के लोगों का प्रवेश वर्जित हो। भारत में संघीय व्यवस्था है और इसमें हर नागरिक को संवैधानिक अधिकार प्राप्त है कि वह देश के किसी भी हिस्से में जाकर बस और रोजी-रोजगार के अवसर तलाश सकता है। कोई भी राज्य सरकार इस पर पाबंदी नहीं लगा सकती। मगर राजनीतिक दल अपने स्वार्थ के लिए क्षेत्रीय अस्मिता का हवाला देते हुए कई बार बाहरी लोगों के खिलाफ स्थानीय लोगों को भड़काने का प्रयास करते देखे जा चुके हैं। असम और महाराष्ट्र इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। असम में बिहारी मजदूरों पर यह कह कर हमला किया गया और उन्हें वहां से भगाने का प्रयास हुआ था कि उनकी वजह से असम के युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाता। इसी तर्क पर महाराष्ट्र में भी दूसरे प्रदेशों से जाकर बसे या किसी रोजी-रोजगार में लगे लोगों पर हमले किए गए थे। इस संकीर्ण सोच को रोपने का अवसर उन सभी इलाकों में उपलब्ध होता है, जहां उद्योग-धंधे और रोजी-रोजगार के अवसर अधिक हैं। हालांकि बहुत सारी जगहों पर ऐसी विभेदकारी कोशिशें सफल नहीं हो पातीं। हरियाणा में भी उद्योग-धंधे बहुत हैं, जहां दूसरे राज्यों से बड़ी संख्या में आकर लोग काम करते हैं। इस तरह जजपा के लिए हरियाणा के लोगों में यह भाव भरना आसान हो गया कि स्थानीय लोगों का हक बाहरी लोग छीन रहे हैं। निजी कंपनियां और संस्था-संस्थान अपनी जरूरत के हिसाब से कौशल आदि का आकलन करते हुए कर्मचारी नियुक्त करते हैं। उसमें पचहत्तर फीसद स्थानीय लोगों को भरने की अनिवार्यता लागू करने से उन्हें कुशल कर्मचारियों के चुनाव में अड़चन आना स्वाभाविक है। इसलिए कंपनियों ने इस कानून के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया और तर्क दिया था कि इससे उनकी उत्पादकता और कार्य-कुशलता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इससे संविधान के मूल उद्देश्य का हनन तो हो ही रहा था। अगर सभी राज्य सरकारें इसी संकुचित सोच के साथ काम करने लगें, तो देश का संघीय ढांचा ही टूट जाएगा। हमारी मिश्र और समावेशी संस्कृति भी खत्म हो जाएगी। रोजगार के लिए योग्यता और कुशलता के बजाय क्षेत्रीयता कोई पैमाना नहीं होना चाहिए।

स्वदेशी के मंत्र ने भारत के आर्थिक विकास को नये पंख लगा दिये हैं

ललित गर्ग

भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने इंडो-पैसिफिक क्षेत्रीय वार्ता को संबोधित करते हुए सतत विकास के प्रति देश की प्रतिबद्धता पर बल दिया। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करते हुए उन्होंने भविष्यवाणी की कि 2027 तक भारत जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वॉकल फोर लॉकल का आह्वान आर्थिक विकास आधार बन रहा है। स्व-भाव एवं स्वदेशी के मंत्र ने आर्थिक विकास को पंख लगाये हैं जिससे अर्थ की गाड़ी तेज रफ्तार से दौड़ने लगी है। भारत की आर्थिक तरक्की दुनिया को स्तंभित करने लगी है, क्योंकि भारत का घरेलू बाजार ही इतना विशाल है कि भारत को विदेशी व्यापार पर बहुत अधिक निर्भरता नहीं करनी पड़ रही है। भारत के बाजार से कई देशों का आर्थिक विकास होता रहा है, अब स्वदेश जागरण से देश का अर्थ देश में ही रहने लगा है।

चीन की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से दौड़ी थी और चीन के आर्थिक विकास में विदेशी व्यापार का सर्वाधिक योगदान था परंतु आज भारत की आर्थिक प्रगति में घरेलू कारकों एवं मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों का प्रमुख योगदान है। वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, भारत की आर्थिक वृद्धि केवल 7 प्रतिशत से कम होने का अनुमान है, जो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। सकल घरेलू उत्पाद 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर को पार कर जाएगा। भारत की ह्यनीली अर्थव्यवस्थाह्व का सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 4 प्रतिशत का योगदान है, जो अवसरों के सागर का प्रतिनिधित्व करता है। तट के किनारे नौ राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों, 12 प्रमुख और 200 से अधिक गैर-प्रमुख बंदरगाहों और नौगम्य जलमार्गों के व्यापक नेटवर्क के साथ, भारत महासागर आधारित व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में खड़ा है। भारत के आर्थिक विकास में प्रधानमंत्री की नित-नयी आर्थिक योजनाओं, अपनी जड़ों एवं माटी से जुड़ने, स्वदेशी अपनाने की प्रेरणा एवं विदेश यात्राओं का भी योगदान है। भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कनेक्टिविटी कॉरिडोर (आईएमईसी) सबसे आशाजनक कनेक्टिविटी परियोजनाओं में से एक है। 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन में हस्ताक्षरित, आईएमईसी एक मल्टीमॉडल आर्थिक गलियारा है जिसमें शिपिंग, रेलवे, रोडवेज, बिजली केबल, हाई-स्पीड डेटा केबल और एक हाइड्रोजन पाइपलाइन शामिल है। गलियारे का उद्देश्य परिवहन दक्षता को बढ़ाना, रसद लागत को कम करना, आर्थिक एकता को बढ़ावा देना, रोजगार उत्पन्न करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करके एक स्वच्छ, सुरक्षित दुनिया में योगदान देना है। भारत चीन से भी आगे निकलकर विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन चुका है, बड़ी आबादी को आर्थिक विकास का माध्यम बनाने में सरकार की सूझबूझ एवं योजनाएं कारगर साबित हो रही है। बड़ी आबादी के अनेक तरह के नुकसान हैं तो इसी से भारत में उत्पादों का उपभोग तेजी से बढ़ रहा है। इस तरह भारत न केवल उत्पादों के उपभोग का प्रमुख केंद्र बन बन रहा है बल्कि विश्व के लिए एक विनिर्माण केंद्र के रूप में भी उभर रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत पूर्व में ही वैश्विक स्तर पर सबसे बड़े केंद्र के रूप

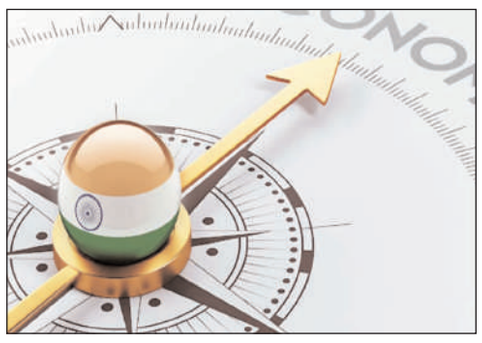

में विकसित हो चुका है। भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान स्तर 3.50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2031 तक 7.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा और इस प्रकार भारतीय अर्थव्यवस्था अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। आगे आने वाले 10 वर्षों के दौरान आर्थिक क्षेत्र में भारत पूरी दुनिया का नेतृत्व करने जा रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था के वैश्विक स्तर पर सुपर पावर बनने के पीछे भारत के विशाल आंतरिक बाजार, स्व-भाव एवं स्वदेशी का दर्शन मुख्य कारण है। आम जनता में स्व का भाव जगा कर, उनमें राष्ट्र प्रेम एवं स्व-संस्कृति की भावना विकसित करना भी आवश्यक है। इससे आर्थिक गतिविधियों को देशहित में करने की इच्छा शक्ति नागरिकों में जागृत होती है और देश के आर्थिक विकास में प्रबल तेजी दृष्टिगोचर होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी वर्ष 1925 में, अपनी स्थापना के बाद से, भारतीय नागरिकों में स्व का भाव जगाने का लगातार प्रयास कर रहा है।

निश्चित ही भारत की आर्थिक प्रगति एक सुखद संकेत है, शीघ्र ही भारत विकासशील देशों के वर्ग से निकलकर विकसित देश हो जायेगा। एक दशक में भारत दसवें नंबर की अर्थव्यवस्था से तरक्की करके दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बन गया। अनुमान है कि दो साल के अंदर हम तीसरी आर्थिक शक्ति बन जाएंगे। निस्संदेह इस वक्त भारत की आर्थिक विकास दर का सूचकांक दुनिया में सर्वाधिक है। जो भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने का संकेत दे रहा है। भारत के आर्थिक महाशक्ति बनने को सकारात्मक रूप देने की अपेक्षा है, जिसमें गरीबी एवं भूखमरी का कलंक मिटना जरूरी है। आजादी के अमृत महोत्सव तक की आर्थिक यात्रा का लक्ष्य अब प्रजातांत्रिक समाजवाद एवं समतावादी समाज संरचना को हासिल करने का हो, देश में मानवीय मूल्यों, शांति एवं अहिंसक सिद्धांतों और आर्थिक समानता पर ध्यान देना होगा। भारत ने इस संदर्भ में पूरे विश्व को राह दिखाई है। इसी से गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे नागरिकों को कल का मध्यम वर्ग बनाएगी, इससे देश में विभिन्न उत्पादों का उपभोग बढ़ेगा तथा देश की आर्थिक उन्नति की गति भी तेज होगी। यह भारतीय सनातन संस्कारों के चलते ही सम्भव हो पाया है। भारत में विशेष रूप से कोरोना महामारी के दौरान एवं इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा भारतीय सनातन संस्कारों का पालन करते हुए गरीब वर्ग के लाभार्थ चलाए गए विभिन्न कार्यक्रमों के परिणाम अब सामने आने लगे हैं। विशेष रूप से प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के अंतर्गत देश के 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज की जो सुविधा प्रदान की गई है एवं इसे कोरोना महामारी के बाद भी जारी रखा गया है, इसके परिणामस्वरूप देश में गरीब वर्ग को बहुत लाभ हुआ है और गरीब देश होने से दंश से तेजी से उबरने लगे हैं। वर्ष 2022 में विश्व बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन के अनुसार, वर्ष 2011 में भारत में 22.5 प्रतिशत नागरिक गरीबी की रेखा के नीचे जीवनयापन करने को मजबूर थे परंतु वर्ष 2019 में यह प्रतिशत घटकर 10.2 रह गया है। पिछले दो दशकों के दौरान भारत में 40 करोड़ से अधिक नागरिक गरीबी रेखा से ऊपर आ गए हैं। दरअसल पिछले लगभग 9 वर्षों के दौरान भारत के सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक परिवेश में कई बड़े बदलाव देखने को मिले हैं। जिसके चलते भारत में गरीबी तेजी से कम हुई है और भारत को गरीबी उन्मूलन के मामले में बहुत बड़ी सफलता प्राप्त हुई है।

आओ हल्दी की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें

वैश्विक स्तर पर पूरी दुनियां को विश्वास हो चुका है कि भारत के हर क्षेत्र में चौमुखी विकास हो रहा है। 40-50 सालों से लटके कामों को सफलतापूर्वक नए जोश के साथ आगे बढ़कर मंजिल तक पहुंचा जा रहा है। वहीं आज भारत ने हर क्षेत्र को विकसित करने के लिए उनकी जड़ों तक पहुंचकर समस्याओं का हल ढूंढने में भिड़ गया है जिसके लिए उस उत्पाद या क्षेत्रों का राष्ट्रीय बोर्ड गठन कर उसका विकास किया गया है, जिसका उदाहरण चाय बोर्ड सहित आने अनेक बोर्डों का गठन किया गया है और अब राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को केंद्रीय मंत्रिमंडल में मंजूरी प्रदान कर अधिसूचित हुआ है। बता दें इसके लिए अनेक वर्षों से किसानों की मांग जारी थीऔर 15-20 सालों से आंदोलन कर रहे थे, जिसमें इस राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को लेकर प्रण लिया था कि जब तक बोर्ड का गठन नहीं होगा तब तक वह चप्पल नहीं पहनेंगें, अब इस बोर्ड के गठन का प्रस्ताव केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पारित कर अधिसूचित किया गया है। बोर्ड के गठन से अब अनेक स्थानों, हल्दी उत्पादन के दूरदराज दुर्लभ स्थान या अनजान स्थान का संज्ञान लेकर वहीं हल्दी उत्पादन में तकनीक की सहायता कर उत्पादन बढ़ाया जाएगा। अब समय आ गया है कि जिस क्षेत्र में हल्दी उगने का एटमॉस्फेयर है और हल्दी की फसल अच्छी निकालने की आमना है, वहां किसानों को हल्दी की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए, क्योंकि हल्दी सभी खाद्य औषधि सहित अन्य सभी प्रयोग में आने वाली एक वस्तु है जिसमें किसानों को अच्छी कमाई करने की उम्मीद है, साथ ही बोर्ड की पूरी मदद मिलने की रणनीति तैयार की गई है। बोर्ड इसका संज्ञान लेकर इसका विकास करेगा तो नए ऊंचे आयामों की प्राप्ति किसानों को होगी। चूंकि हल्दी किसानों के लिए एक कमाई वाली फसल हैऔर अब राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को भी अधिसूचित किया गया है, इसलिए आज हम मीडिया में और पीआईबी में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,आओ हल्दी की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें। अंतरराष्ट्रीय स्तरपर हल्दी के नए बाजार विकसित करने में राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम हल्दी के महत्व और किसानों के लिए कमाई वाली फसल होने को, जानने की करें तो, बताते चलें कि हल्दी की खेती को कमाई वाली फसल कहा जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ये बहुत से कार्यों में इस्तेमाल होने वाली फसल है। जिसकी मांग हमेशा बनी रहती है। हल्दी का इस्तेमाल मसाले, औषधि, ब्यूटी प्रोडक्ट्स व अन्य कई उत्पादों में होता है। इसके साथ ही हल्दी की खेती के दौरान अधिक पानी या फिर सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती है, ये एक ऐसी फसल है जो कम लागत में उग सकती है और इससे अच्छी आमदनी की जा सकती है। देश के लगभग हर घर में हल्दी का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी खेती कर किसान भाई अच्छा पैसा कमा सकते हैं। यदि हम एक हेक्टेयर जगह में हल्दी की खेती करने की सोच रहे हैं तो करीब-करीब दस हजार रुपये के बीज, दस हजार रुपये की खाद व मजदूरी शुल्क जो उस समय लागू हो वह हमको देना होगा। हल्दी की खेती से होने वाली आय मुख्य रूप से उत्पादन पर निर्भर होती है। एक हेक्टेयर में हल्दी का औसत उत्पादन 20-25 क्विंटल तक का होता है। यदि हल्दी का भाव दो सव रुपये किलो है, तो एक हेक्टेयर में हल्दी की खेती से करीब 5 लाख तक की कमाई की जा सकती है। बाजार में हल्दी की काफी डिमांड है। भारत ही नहीं बल्कि विदेश में भी हल्दी की काफी मांग है। हम हल्दी को ऑनलाइन प्लेटफार्म के जरिए भी अच्छे दामों में बेच सकते हैं। हल्दी की खेती करने के लिए अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी को चुनें। इसके खेती करने के लिए जैविक खाद का इस्तेमाल करें। हल्दी की खेती के दौरान कीटों और बीमारियों से बचाव के लिए उचित उपाय करें। फसल को सही समय पर खेत से निकाल लें।

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को अधिसूचित करने की करें तो, भारत सरकार ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को अधिसूचित कर दिया है। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड देश में हल्दी और हल्दी उत्पादों के विकास और वृद्धि पर फोकस करेगा। बोर्ड हल्दी से संबंधित मामलों में नेतृत्व प्रदान करेगा, प्रयासों को मजबूत बनाएगा तथा हल्दी क्षेत्र के विकास और वृद्धि में मसाला बोर्ड और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ अधिक समन्वय की सुविधा प्रदान करेगा। सरकार ने कैबिनेट की बैठक में नेशनल टर्मरिक बोर्ड (राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड) के गठन को मंजूरी दे दी है। इसके बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री का कहना है कि इस बोर्ड का लक्ष्य है कि भारत 2030 तक प्रतिवर्ष एक बिलियन डॉलर हल्दी का निर्यात विदेश में किया करेगा। नेशनल टर्मरिक बोर्ड केकामकाज के बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीयमंत्री ने बताया कि कोरोना महामारी के बाद दुनियां ने हल्दी के महत्व को समझ लिया है। भारत सरकार भी इसके उत्पादन उपभोग और निर्यात को बढ़ावा देना चाहती है, यह बोर्ड इसमें मदद करेगा। इसके साथ ही बोर्ड देश में हल्दी और हल्दी उत्पादों के विकास और ग्रोथ पर ध्यान केंद्रित करेगा। बोर्ड हल्दी से जुड़े मामलों पर नेतृत्व प्रदान करेगा, प्रयासों को बढ़ाएगा, हल्दी क्षेत्र के विकास और टर्मरिक बोर्ड की ग्रोथ और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ अधिक समन्वय की सुविधा प्रदान करेगा। इसके साथ ही दुनिया भर में हल्दी की खपत बढ़ने की बहुत संभावनाएं है और बोर्ड की मदद से हल्दी की प्रति जागरूकता और खपत बढ़ाने, निर्यात बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार विकसित करने, नए उत्पादों में रिसर्च करने और विकास को बढ़ावा देने का काम करेगा। बोर्ड विशेष रूप से मूल्य संवर्धन से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए हल्दी उत्पादकों की क्षमता निर्माण और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा. बोर्ड गुणवत्ता, खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन को भी बढ़ावा देगा। इतना ही नहीं बोर्ड हल्दी को सुरक्षा प्रदान करेगा और उपयोगी दोहन के लिए भी कदमउठाएगा बोर्ड के गठन को मंजूरी मिलने के बाद केंद्रीय मंत्री ने पीएम को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे हमेशा किसानों के हित में काम करते हैं। हल्दी बोर्ड का गठन भी इसी दिशा में किया गया एक प्रयास है। उनका कहना है कि इससे कई किसानों की लंबी मांग पूरी हो गई जो लगभग 15 से 20 साल से इसको लेकर के आंदोलन कर रहे थे और अपने मांग के समर्थन में उन किसानों ने चप्पल न पहनने का फैसला लिया था।

साथियों बात अगर हम हल्दी के प्रति जागरूकता बढ़ाने बोर्ड के कार्यों की करें तो, हल्दी के स्वास्थ्य और कल्याण लाभों पर विश्व भर में महत्वपूर्ण संभावनाएं और रुचि है, जिसका लाभ बोर्ड जागरूकता और खपत बढ़ाने, निर्यात बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार विकसित करने, नए उत्पादों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने तथा मूल्यवर्धित हल्दी उत्पादों के लिए हमारे पारंपरिक ज्ञान के विकास का काम करेगा।

एपीईसी शिखर सम्मेलन में अमेरिका-चीन की वैश्विक मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता से दुनियां हैरान

वैश्विक स्तर पर आज दुनियां में ताकतवर देश के बीच तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है जो तीसरे विश्व युद्ध का रास्ता तैयार कर रहा है, क्योंकि वैश्विक परिस्थितियों में स्थिति ऐसी बन रही है कि गुटबाजियों को बल मिल रहा है और विकसित ताकतवर देश अपना वर्चस्व स्थापित करने सामने या फिर पर्दे के पीछे अपना डंका का जरूर बजाने की कोशिश करते हैं, जो उकसाने की कार्यवाही के रूप में परिभाषित हो जाती है, यही से लड़ाई का पहिया पड़ जाता है जो विश्वयुद्ध की लड़ाई में तब्दील हो जाता है। पृथ्वी पर दो महा विश्वयुद्ध हो चुके हैं और अब रूस यूक्रेन इसराइल हमास युद्ध अमेरिका - रूस - चीन की लुका छिपी, भारत पाकिस्तान चीन की जद्दोजहद अनेक देशों की सेना द्वारा सत्ता पलट कर काबिज सहित अनेक उदाहरण हम देख सकते हैं जिससे विश्व शांति कोठेस पहुंचती है, इसे समाप्त करने के लिए ताकतवर देश पड़ोसी देशों सहित आपसी मतभेदों वाले देशों को आपस में मिल बैठ मतभेदों के मुद्दों पर चर्चा करके वैश्विकस्तर पर शांति स्थापित करना वर्तमान समय की मांग है, जिसकी शुरूआत हो गई है क्योंकि दिनांक 11 - 17 नवंबर 2023 को अमेरिका के सेंट फ्रांसिस्को में हुए एशिया प्रशांत आर्थिक सहयोग शिखर सम्मेलन में धुर विरोधी अमेरिका चीन ने वैश्विक मुद्दों पर विपक्षीय वार्ता कर दुनियां को चौंका दिया है और संदेश भी दिया है कि आपसी वार्ता कितनी महत्वपूर्ण है, चूंकि एपीईसी में यह शुरूआत हो चुकी है जिससे मौजूदा तनावपूर्ण माहौल पर पानी के छींटें मारने का काम किया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, वैश्विक तनाव कम कर शांति स्थापित करने बड़े देशों की द्विपक्षीय सकारात्मक वार्ता होना वर्तमान समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम 15 नवंबर 2023 को एपीईसी के 30 वें शिखर सम्मेलन में अमेरिका और चीन के समकक्ष राष्ट्रपतियों द्वारा द्विपक्षीय वार्ता की करें तोअमेरिकी राष्ट्रपति और चीनी राष्ट्रपति की बुधवार को हुई मुलाकात कई वजहों से अहम रही। अव्वल तो इसने दुनिया के मौजूदा तनावपूर्ण माहौल पर पानी के छींटे मारने का काम किया है। दूसरी बात यह कि दुनिया के दो सबसे ताकतवर देशों के प्रमुखों की इस मुलाकात के दौरान कूटनीतिक संतुलन साधने की कुशलता अपने बेहतरीन रूप में नजर आई। दोनों नेता ऐसे समय में मिल रहे थे, जब दुनिया रूस-यूक्रेन और इस्राइल-हमास युद्ध की दोहरी चुनौतियों से जूझ रही है और दोनों ही मामलों में चीन और अमेरिका की सहानुभूति परस्पर विरोधी खेमों के साथ जुड़ी है। जहां अमेरिका खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहा है, वहीं चीन रूस का साथ छोड़ने को तैयार नहीं है। दूसरी ओर, अमेरिका इस्राइल के आत्मरक्षा के अधिकार का मुखर प्रवक्ता बना हुआ है तो चीन गाजा में नागरिक आबादी पर हमले की निंदा करने में आगे है। इन तात्कालिक मुद्दों के अलावा भी पिछले कुछ वर्षों में दोनों देशों के बीच आर्थिक मुद्दों पर दूरी इतनी बढ़ गई कि उसे दुनिया की दो सबसे बड़ी इकॉनमी के बीच ट्रेड वॉर कहा गया। साउथ चाइना सी और ताइवान जैसे मसलों पर चीनी आक्रामकता और उस पर रोक लगाने की कोशिशें तो अपनी जगह थीं ही। इन सबके कारण दोनों पक्ष आपसी दूरी को कम करना जरूरी समझ रहे थे। जैसा कि मुलाकात के बाद जारी बयान में संकेत दिया गया कि ताइवान, टेक्नॉलजी, साउथ चाइना सी या रूस को चीनी सहायता जैसे मसलों पर तनाव को बढ़ने देने से उसके संघर्ष का रूप लेने का खतरा है। इसी खतरे को टालने की दिशा में एक ठोस प्रगति यह हुई कि बैठक में सर्वोच्च स्तरपर बातचीत का चैनल हमेशा खुला रखने का फैसला किया गया। तय हुआ कि जब भी जरूरत होगी दोनों राष्ट्रपति फोन पर एक-दूसरे से बात कर लिया करेंगे। ऐसे संकेत मिले कि खास तौर पर आर्थिक मसले पर दोनों देशों के बीच पिछले कुछ वर्षों में उभरे मतभेद आने वाले समय में कुछ कम होते दिखेंगे। मगर इस बीच अंतरराष्ट्रीय सामरिक समीकरण जो रूप ले चुके हैं उसे देखते हुए न तो ये दोनों देश एक-दूसरे के ज्यादा करीब आ सकते हैं और न ही ऐसा परसेप्शन बनने दे सकते हैं। इस बात को लेकर सतर्कता भी चार घंटे चली इस मुलाकात के दौरान साफ नजर आई। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन अच्छे मेजबान की भूमिका में रहे और यह बताया कि कैसे शी चिनफिंग के साथ उनके बरसों पुराने रिश्ते हैं, लेकिन उन्हें पुराना दोस्त बताने की रवायत से सचेत रूप में बचे रहे। यही नहीं, इस मुलाकात के कुछ घंटे के अंदर ही मीडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए शी चिनफिंग को तानाशाह बताने वाला अपना पुराना बयान भी दोहरा दिया। साफ है कि दोनों महाशक्तियों के रिश्तों के समीकरणों में तत्काल कोई नाटकीय बदलाव नहीं आने वाला।

साथियों बात अगर हम दोनों ताकतवर देशों की वार्ता से संबंधों में खटास कम होने की करें तो, अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से संबंधों में खटास बनी हुई है. दोनों देशों के बीच कुछ तनाव और दूरियों को कम करने के मकसद से इस साल पहली बार चीनी राष्ट्रपति और अमेरिकी राष्ट्रपति की सैन फ्रांसिस्को में मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों राष्ट्रध्यक्षों ने जहां आपसी सौहार्द को बढ़ाने से लेकर इजरायल हमास युद्ध, रूस-यूक्रेन युद्ध और ताइवान के तनाव आदि जैसे खास मुद्दों पर बातचीत की लेकिन इस मुलाकात को ताइवान के लिए अच्छा नहीं माना जा रहा है। इस मुलाकात के दौरान यूएस प्रेजिडेंट ने अपने चीनी समकक्ष के साथ कई वैश्विक मुद्दों पर द्विपक्षीय वार्ता की,इन नेताओं की द्विपक्षीय रणनीतिक वार्ता पर भारत समेत पूरी दुनिया की निगाहें टिकी थीं। दुनियां के अलग-अलग देशों इस रणनीतिक वार्ता के अलग-अलग मायने भी निकाले हैं. वैश्विक तनावों और क्षेत्रीय सुरक्षा व शांति की स्थिरता के मद्देनजर इस वार्ता को खास माना गया है। इन ताकतवर नेताओं के बीच हुई वार्ता को ताइवान के मुद्दे को लेकर अलग नजरिये से देखा जा रहा है। ताइवान के मुद्दे कोचीन ने भी अमेरिका-चीन संबंधों के लिए महत्वपूर्ण बताया है. चीन ने अमेरिका से ताइवान की स्वतंत्रता के संबंध में प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने का आग्रह किया। चीन ने ताइवान के साथ शांतिपूर्ण पुनर्मिलन का समर्थन तो किया लेकिन ताइवान पर बल प्रयोग से इंकार नहीं किया। दूसरी तरफ यूएस राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय शांति के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता पर बल दिया कि पिछले 50 सालों या उससे अधिक समय में चीन अमेरिका संबंध कभी भी सुचारू नहीं रहे हैं। दोनों को हमेशा किसी न किसी प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता रहा है। बावजूद इसके उतार-चढ़ाव के बीच आगे बढ़ता रहे। दुनिया के दो बड़े देशों का एक-दूसरे से मुंह मोड़ना कोई विकल्प नहीं है।

कांग्रेस ने उत्तर काशी में फंसे मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए की प्रार्थना सभा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में आज सोमवार दिनांक 20 नवंबर को दिन में जिलाध्यक्ष सुनील राम की अध्यक्षता में उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निमार्णाधीन टनल में फंसे गरीब 41 मजदूरों के 9 दिन से फंसे होने के बाद उनके सकुशल सुरक्षित टनल से बाहर निकालने के लिए एक प्रार्थना सभा का आयोजन कांग्रेस पार्टी के सकलेनाबाद स्थित कैंप कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सुनील राम और शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा ने संयुक्त रूप से बयान जारी करते हुए जिला प्रशासन और सहकारी समितियां को डी ए पी खाद की किल्लत के लिए चेताया है, और कहा है कि इस वक्त बुवाई का सीजन चल रहा है, और किसान भाइयों तक डीएपी खाद नहीं पहुंच पा रही है, जिसकी किल्लत से हमारे जनपद के किसान भाई परेशान है, इसलिए जल्द से जल्द सहकारी समितियों पर "डीएपी खाद" पहुंचाने की व्यवस्था की जाए, अन्यथा कांग्रेस पार्टी पूरे जिले में डीएपी खाद की किल्लत के विरुद्ध जोरदार अनशन और प्रदर्शन करेगी। इस अवसर पर एआईसीसी रविकांत राय ने भी प्रार्थना सभा के बाद कहा कि उत्तरकाशी में आज 9 दिन से कामगार मजदूर फंसे हैं और सरकार अभी तक ४ल्ल मजदूरों को निकाल नहीं सकी है, ये भाजपा सरकार का फेल्योर है, हम लोग सरकार से अपील करते हैं कि जल्द से जल्द मजदूरों के प्रति गंभीरता से शीघ्रातिशीघ्र बचाव कार्य किया जाए क्योंकि 41 मजदूर फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा कि बुवाई का सीजन है और समितियों पर डीएपी की किल्लत चल रही है। उसकी पूर्ति जल्द कराई जाए अन्यथा कांग्रेस पार्टी अनशन करने पर विवश हो जाएगी। प्रार्थना सभा में प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव डॉक्टर जनक कुशवाहा, पीसीसी सदस्य अजय कुमार श्रीवास्तव, आशुतोष गुप्ता, सुमन चौबे, चंद्रिका सिंह, सतीश उपाध्याय, संगीता राजभर, आलोक यादव, अखिलेश यादव, आशुतोष श्रीवास्तव, विद्याधर पांडे, संजय गुप्ता, जेपी चौरसिया, कमलेश्वर प्रसाद शर्मा, कमलेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया डाला छठ पूजा का महापर्व

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर/बहादुरगंज। डाला छठ पूजा का महापर्व सोमवार को बहादुरगंज में महावीर घाट, विजय राघव संगत कूटी घाट, पुरानीगंजघाट, नदी उस पार सिउरा घाट पर काफी हर्षोल्लास उसके साथ मनाया गया। पति और पुत्रो की दिर्ग आयु और परिवार की खुशहाली की कामना के साथ महिलाओं ने छठ पूजा विधि विधान के साथ छठ मैया की पूजा अर्चना की सूर्य उपासना किया और लोग आस्था के महा पर्व छठ पूजा पर आज उदियमान भगवान भास्कर को तमसा नदी के तट पर अर्ध दिया। सोमवार की सुबह महिलाओं ने उगते हुए सूर्य देव को अर्ध देने के उपरांत उपवास खोला। घाटों पर सजावट की व्यवस्था विभिन्न दुर्गा पूजा समितियों के द्वारा की गई थी, जो काफी सुंदर दिख रही थी। राम लीला समिति द्वारा टेंट लगाकर चाय और नाश्ता की व्यवस्था श्रद्धालुओं के के लिए की गई थी जो की बहुत सराहनीय है। इस दौरान सभी घाटों पर सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस कर्मी तैनात रहे। इस दौरान कासिमाबाद क्षेत्राधिकारी बलराम, थाना प्रभारी निरक्षक धर्मेंद्र कुमार पांडेय, पुलिस चौकी इंचार्ज आशुतोष शुक्ला, पुलिस पार्टी के संग छठ घाटों पर सुरक्षा की दृष्टि से चक्रमण करते रहे।

बेचूबीर बाबा का तीन दिवसीय मेला आज से व्यवस्थाओं का पता नहीं

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। मंगलवार से शुरू होने वाले बेचू बीर के अंतर प्रांतीय मेले की तैयारी जोर शोर से शुरू हो गई है मेले में दुकानदार एवं स्थानीय लोग पहुंचने लगे हैं। वहीं मेले का पचास प्रतिशत क्षेत्र इस बार भी अंधेरे में रहेगा जहां दूर दूर से आए श्रद्धालु अपना डेरा जमाते हैं। वही भक्सी नदी एवं पडपड नदी जहां श्रद्धालु स्नान कर बेचू बीर बाबा का दर्शन करते हैं वहां पर भी सुरक्षा एवं प्रकाश की व्यवस्था की जा रही है। स्थानीय थाना क्षेत्र के जंगलमहल ग्राम पंचायत में स्थित बरही गांव में लगने वाला बेचू बीर का यह अंतर प्रांतीय मेला शुरू हो गया है बता दें कि इस मेले में भूत प्रेत से छुटकारा पाने एवं पुत्र प्राप्ति की इच्छा को लेकर हजारों की संख्या में महिलाएं एवं पुरुष प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आते हैं। और बेचू बीर बाबा का दर्शन पूजन कर अपनी सुनी गोद भरने की मन्नत मांगते हैं। जिसको भूत प्रेत से परेशानी है वह भी बाबा के धाम में दर्शन पूजन कर अपने कष्टों से छुटकारा पाने की कोशिश करता है। अहरौरा से लगभग 14 किलोमीटर पश्चिम तरफ स्थित बरही गांव में लगने वाले इस मेले में दूर-दूर से दुकानदार एवं अन्य लोग भी आते हैं। मेले की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन कई दिनों पूर्व से ही सतर्क है थाना प्रभारी अमित मिस्रा अपनी टीम के साथ मेले का चक्रमण कर संबंधित लोगों को पहले ही आवश्यक दिशा निर्देश दे चुके हैं। वही प्रशासनिक तैयारी भी पूर्ण कर ली गई है।

डॉ. एमएस खान की बहू का निधन

प्रखर खेतासराय जौनपुर। हबीब हॉस्पिटल के प्रबंध निदेशक डॉ एमएस खान के भाई डॉ शकील अहमद की बहु तहसीन खातून 38 वर्ष का लंबी बीमारी के बाद सोमवार की सुबह निधन हो गया। वारणसी स्तिथ अस्पताल में उन्होंने करीब आठ बजे अंतिम सांस ली। सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक व्याप्त हो गया। पैतृक गांव जमदहा में चिकित्सक, समाजसेवी और अन्य लोगों ने आवास पहुँचकर गहरा शोक जताया। पुश्तैनी कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द-ए खाक किया गया। नमाज- ए जनाजा गुरैनी मदरसे के नाजिम मौलाना अब्दुर्रहीम ने अदा की।

राजू वाल्मीकि सदस्य दिशा राज्यस्तरीय समिति उ0प्र0 ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार ने विभागीय अधिकारियों संग समीक्षा बैठक कर दिया आवश्यक दिशा निर्देश

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। राजू वाल्मीकि सदस्य दिशा राज्यस्तरीय समिति उ0प्र0 ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार ने आज जनपद गाजीपुर के लोक निर्माण विभाग के सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों संग समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। समीक्षा के दौरान उन्होने विभागीय अधिकारियों से जनपद के समस्त 1238 ग्रामों में जन-जागरूकता फैलाते हुए सरकार की जनकल्याणकारी एवं विकास परक योजनाओं से संतृप्त कराने का निर्देश दिया। उन्होने इसकी शुरूआत सैदपुर तहसील अन्तर्गत बहेरी ग्राम सभा से करने को कहा। उन्होने कहां अभी तक यह ग्राम सभा बहुत सी लाभ परक योजनाओं पर ग्राम सभा वंचित है। उन्होने बहेरी ग्राम सभा के एक प्राथमिक उपचार केन्द की स्थापना, जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हर घर नल योजना का लाभ एवं पानी टंकी की उपलब्धता प्रत्येक पात्रों को

राशन कार्ड, अन्त्योदय योजना में पात्रों को आयुष्मान कार्ड, अमृत सरोवर एवं अन्य लाभ परक योजनाओं से संतृप्त कराने का निर्देश दिया। उन्होने बहेरी ग्राम सभा एक आर्दश ग्राम सभा के रूप में चुन कर कार्य कराने को कहा। उन्होने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में जनपद प्रत्येक रेहड़ी, ठेला खुम्चा वालों को चयनित कर इसका लाभ देने का निर्देश दिया। उन्होने कहा कि ग्रामों में लगाये गये सफाई कर्मचारी प्रतिदिन ग्रामो उपस्थित होकर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दे। इसके लिए अधिकारी इसकी प्रत्येक दिन निगरानी करे। ग्रामो मे साफ-सफाई मे किसी प्रकार की लापरवाही न हो। बैठक में परियोजना निदेशक राजेश यादव, डिप्टी कलेक्टर/पीओ डूडा चन्द्रशेखर यादव, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 देश दीपक पाल, जिला विकास अधिकारी सुभाष चन्द्र सरोज, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी हेमन्त राव, एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

क्षेत्रीय भ्रमण में निकले डीएम तो मिली साफ सफाई में खामियां, गंदगी देख भड़के डीएम एक सप्ताह के अन्दर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए आख्या उपलब्ध कराने के दिये निर्देश

प्रखर संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर द्वारा जनपद को साफ सुथरा एवं स्वच्छ बनाये रखने दृष्टिगत किये जा रहे क्षेत्रीय भ्रमण के दौरान बखिरा कस्बा में अमरडोहा पावरहाउस के पास, कुबेरनाथ शिवमन्दिर के पोखरे के चारो तरफ, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेहदावल के बगल में तथा तीनों तहसीलों में भ्रमण के दौरान कई स्थानों पर कूड़ा एकत्रित पाया गया एवं कई स्थानों पर नालियों में गन्दगी पायी गयी। जनपद के शहर/कस्बों एवं ग्रामीण इलाको में नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित रखने के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा समस्त खण्ड विकास अधिकारियों तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत को क्षेत्रीय कर्मचारियों/सफाई कर्मियों के सहयोग से अपने अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से साफ-सफाई सुनिश्चित कराये जाने की निर्देश दिये गये है। जिलाधिकारी के भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर गंदगी पाये जाने से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि नगर निकाय एवं विकास खण्डों में कार्यरत अधिकारियों द्वारा अपने पदीय दायित्वों का ठीक तरीके से निर्वहन नहीं किया जा रहा है जो अत्यन्त ही आपत्तिजनक है। जनपद के समस्त खण्ड विकास अधिकारियों एवं अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत को निर्देशित किया गया है कि एक सप्ताह के अन्दर अभियान चलाकर अपने अपने क्षेत्रान्तर्गत एकत्रित कूड़ा को तत्काल हटवाकर पर्याप्त साफ सफाई एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराकर कृत कार्यवाही से अवगत करायें। इस संबंध में जिलाधिकारी ने तीनों तहसीलों के उप जिला मजिस्ट्रेट एवं तहसीलदार को भी निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्रों में साफ-सफाई व्यवस्था पर निगरानी/निरीक्षण करते हुए आगामी 01 सप्ताह में आख्या उपलब्ध कराये। एक सप्ताह के बाद भ्रमण के दौरान यदि कहीं पर कूड़ा एकत्रित पाया जायेगा तो सम्बंधित अधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए सख्त कार्यवाही की जाएगी।

पिंडरा ब्लॉक को प्रथम स्थान मिलने पर बीईओ हुए सम्मानित

प्रखर पिंडरा वाराणसी। जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में जनपद स्तर पर प्रथम स्थान पाने पर शिक्षकों द्वारा खण्ड शिक्षा अधिकारी का सम्मान सोमवार को पिंडरा बीआरसी पर किया गया। विदित हो जनपदीय खेलकूद में 186 अंक के साथ पिंडरा ब्लॉक को प्रथम स्थान मिलने के साथ चैंपियनशिप मिला था। जिसका श्रेय शिक्षको ने खण्ड शिक्षा अधिकारी देवीप्रसाद दुबे के अथक प्रयास और उनके खेल के प्रति समर्पण की भावना को दिया। जिसके चलते उक्त उपलब्धि हासिल होने का श्रेय दिया। सोमवार को बीआरसी पर आयोजित एक समारोह को दौरान बीईओ को सम्मानित किया। इस दौरान ब्लॉक व्यायाम शिक्षक कैलाश यादव, चंद्रशेखर सरोज, जितेंद्र सिंह, रामाश्रय यादव, विपिन पांडेय, विशाल सेठ, सुशील कुमार व विनय सिंह समेत अनेक शिक्षक व शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

उगते सूर्य को अर्ध के साथ संपन्न हुआ 36 घंटे का निर्जला व्रत का पर्व छठ

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में शुरू हुए छट महापर्व का आज अंतिम दिन लोक आस्था के इस महापर्व को लेकर पूरे छेत्र में उत्साह रहा। सोमवार की सुबह छठ व्रती और श्रद्धालुओं ने उदयीमान भगवान भास्कर को अर्ध दिया। हवन के साथ चलने वाला 4 दिनों तक सूयोर्पासना का पर्व संपन्न हो गया। पहले सुबह से ही नगर के सहुवाईं पोखरा,पियरवा पोखरा, राम सागर तालाब के घाटों पर भारी भीड़ जुटने शुरू हो गई थी वहीं कई घाटों पर रात में भी लोग रुके रहे। छठ घाट पर रंग-बिरंगे बल्बों से आकर्षक सजावट के साथ रोशनी की गई थी। शनिवार की रात खरना प्रसाद खाने के बाद से ही प्रति निर्जला उपवास पर थी। इसके बाद व्रतियों ने अपने घरों पर पारण व्रत किया छठ को लेकर लोगों में काफी उत्साह रहा। वही बालिका प्रशासन की तरफ से छठ पूजा के विभिन्न स्थानों पर बिजली पानी एवं वस्त्र बदलने की व्यवस्था की गई थी। नगर के विभिन्न राजनीतिक दलों के लोगों के द्वारा भी अपनी-अपनी पार्टियों के झंडे बैनर के साथ अपना स्टॉल लगाया गया था उस स्टाल पर लोगों को सुविधा अनुसार जलपान एवं चाय की व्यवस्था भी की गई थी।

केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय रविंद्र जायसवाल के परिजनों से मिलकर शोक व्यक्त किया

प्रखर मिजार्पुर। अपना दल (एस) की माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने नगर विधानसभा स्थित मोहल्ला लाल डिग्गी जनपद मीरजापुर के निवासी डॉक्टर जितेंद्र कुमार जायसवाल जी के पूज्य पिताजी एवं वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय रविंद्र जायसवाल जी के दुःखद निधन पर परिवारजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की एवं ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शान्ति की प्रार्थना की। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय रविंद्र जयसवाल जी का निधन पत्रकारिता जगत को अपूर्णीय क्षति है। साथ में दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री रेखा वर्मा, जिला प्रभारी दर्जा प्राप्त मंत्री राम लखन पटेल, राष्ट्रीय सचिव युवा मंच अजीत पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा रामकुमार विश्वकर्मा, जिला अध्यक्ष युवा मंच उदय पटेल, विधानसभा महासचिव श्रीमती नमिता केसरवानी, ड्रोन अध्यक्ष रतन जायसवाल आदि पदाधिकारी उपस्थित रहें।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार छात्र की मौत, दूसरा गंभीर

प्रखर जौनपुर। शाहगंज से पचहटिया की तरफ जा रही तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौके पर ही घटना स्थल पर मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के ग्राम बाधमिया कुत्तुपुर गांव निवासी युवक यश उर्फ लालू यादव पुत्र फेरई यादव उम्र 16 वर्ष बाइक से अपने दोस्त के साथ स्कूल जा रहा था। उसी समय शाहगंज से पचहटिया की तरफ जा रही तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचलते हुए ट्रक समेत फरार हो गया। जिससे बाइक सवार युवक यश की मौके पर ही मौत हो गई। दूसरी तरफ बाइक पर सवार दूसरा युवक अंश गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना से गुस्साए ग्रामिणों ने शाहगंज जौनपुर मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामिणों को समझा बुझाकर लगभग दो घंटे चले चक्का जाम को समाप्त कराया। पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया व दूसरे घायल युवक अंश को जिला अस्पताल भेजा गया जहां युवक की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने उसे बेहतर उपचार के लिए बीएचयू वाराणसी रेफर कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही गुस्साए परिजनों ने ट्रक चालक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा को पत्र देकर उक्त ट्रक चालक के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है।

गंगा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर गंगा में लगाई डुबकी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। छठ पर्व के मद्देनजर गाजीपुर के नगरपालिका परिषद के 31 गंगा घाटों पर लाखों श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर गंगा में डुबकी लगाई। दरअसल नवापुरा गंगा घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देने के लिए पहुंचे थे। जैसे भगवान भास्कर उदित हुए वैसे ही व्रती महिलाए भगवान सूर्य को अर्घ्य देकर गंगा में डुबकी लगाई। साथ ब्रती महिलाओं के साथ आए श्रद्धालुओं ने भी डुबकी लगाई। वही ब्रती महिला रूबी उपाध्याय ने बताया कि तीन दिन का ये पर्व काफी कठिन होता है। छठ मईया का ये व्रत पति और पुत्र की दीघार्यु के लिए किया जाता है। इसमें दो दिन तक निराजल व्रत रहा जाता है। वहीं महिला श्रद्धालु रमा उपाध्याय ने बताया कि इस पर्व पर लंबा सिंदूर लगाने का मतलब होता है कि पति और पुत्र दीघार्यु हो। छठ मईया का व्रत पुत्र और धन धान्य के लिए किया जाता है। छठ मईया से जो भी मन्नते मांगी जाती है वो छठी मईया जरूर पूरा करती है। बता दें कि छठ पर्व के मद्देनजर डीएम आर्यका अखौरी और एसपी ओमवीर के साथ सदर एसडीएम और नगरपालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल व प्रतिनिधि पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष विनोद अग्रवाल भी नाव के माध्यम से श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर सुबह से गंगा घाटों की निगरानी में लगे रहे। ताकि कोई अनहोनी न हो सके। वही एनडीआरएफ, पुलिस बल व गोताखोर भी घाटों पर मुश्तैद दिखे। गंगा के घाटों पर नगरपालिका परिषद के सहयोग से जिला प्रशासन श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधा मुहैया कराई थी। सुरक्षा की दृष्टि से व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त रही। सुरक्षा के मद्देनजर सभी गंगा घाटों पर जल स्तर को देखते हुए रस्सा लगाकर बैरिकेटिंग की गई थी। साथ ही घाटों पर नाव में सवार आपदा मित्र, गोताखोर और पुलिसकर्मियों के सहयोग से निगरानी की जा रही थी। साथ ही माइक के माध्यम से लोगों को रस्से से आगे न जाने की अपील की जा रही थी। जिसकी वजह से ये पर्व सफलता पूर्वक संपन्न हो सका।

एसडीएम के निरीक्षण में विद्यालय पर उपस्थित मिले सुपर वाइजर व बीएलओ

प्रखर केराकत जौनपुर। एसडीएम केराकत नेहा मिश्रा ने ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बेलहरी पर जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची के कार्य कर रहे बीएलओ व सुपर वाइजर को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। सोमवार को एसडीएम केराकत नेहा मिश्रा ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बेलहरी पर मतदाता सूची के हो रहे कार्यो का निरीक्षण करने पहुच गयी। इस दौरान एसडीएम ने सुपर वाइजर अजय प्रजापति व दसो बीएलओ के द्वारा किये जा रहे कार्य का रजिस्टर के साथ चेक किया। तथा उन्होंने सुपरवाइजर व बीएलओ को निर्देश देते हुए कहा कि जितने भी 18 वर्ष के ऊपर के बच्चे, नव विवाहिता है उनका नाम हर हाल में मतदाता सूची में ऐड करें। ताकि वह अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। एसडीएम ने कहा कि किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए। प्रत्येक बीएलओ अपने-अपने द्वारा ज्यादा से ज्यादा नए मतदाता का नाम बढ़ाये।

भारत के कम्युनिस्ट पार्टी सीपीएम की जिला कमेटी की बैठक हुई संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 20 नवंबर को भारत के कम्युनिस्ट पार्टी सी पी एम की जिला कमेटी की बैठक अष्टभुजी कॉलोनी में राव बीरेंद्र की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिला कमेटी सदस्यों को संबोधित करते हुए पार्टी के जिला सचिव विजय बहादुर सिंह ने पार्टी योजन संगठनों के मजबूर करने और जनता के सवालों पर आंदोलन करने की बातों पर बल देते हुए कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, अपराध अपने चरम सीमा पर पहुंच गया है, जिसके चलते जनता में आक्रोश बढ़ रहा है। तो वहीं सचिन ने कहा कि किसानों का आमदनी को दोगुना करने, मजदूर की हर समस्या को हल करने, दो करोड़ प्रतिवर्ष रोजगार देने, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, सबका साथ सबका विकास, 15 लख रुपए प्रति परिवार के खाते में देने, काला धन खत्म करने की बातें जुमला साबित हुई। तो वही किसानों के कर्ज माफ नहीं किया गया। 14 लाख करोड़ कॉपोरेट पूंजीपतियों के कर्ज माफ किया गया। तीन काले कानून किसानों को खत्म कर अन्य सवाल पर बातचीत से हल करने के बातो को वर्षों बीतने के बाद वार्ता नहीं हुई। इसलिए किसानों की समस्या को लेकर 26, 27, 28 नवंबर को लखनऊ धरना को पार्टी ने समर्थन किया। तो वही दिल्ली में 4 दिसंबर को खेत मजदूर रोक के आंदोलन को समर्थन करते हुए बड़ी संख्या में भाग लेकर आंदोलन को सफल बनाने की बात की गई। पार्टी सचिव ने कहा कि फिलिपिंस में गाजा पट्टी पर हो रहे हमलो पर रोक लगाने की मांग की गई और 9 दिसंबर को प्रथम पूर्ण तिथि का जफर अवधि का मनाने का निर्णय किया गया। इसी बीच कई सदस्यों ने मुसहर वनवासियों को जनजाति का दर्जा तो वही 18 अति पिछड़ी जातियों को अलग से अनुसूचित जाति का दर्जा देने, मनरेगा में 200 दिन काम ?600 मजदूरी देने, गरीब निर्बलो को मनरेगा कार्ड सहित बीपीएल आयुष्मान कार्ड देने, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य निशुल्क देने व गरीबों को गरीबों जमीन कृषि के लिए दो एकड़ आवास के लिए 5 बिस्सा देने की बात कही गई। इस बैठक में कामरेड आर्यन राय, वीरेंद्र कुमार गौतम, जोगेंद्र यादव, एसके राय, मारकंडे प्रसाद, अफजल, माया श्रीवास्तव, डॉक्टर सीताराम यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम की तैयारियों के सम्बंध में बैठक कर अधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा निर्देश

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। योजनाओं की संतृप्तीकरण के लिए आउटरीच गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रभारी समन्वय एवं कार्यावन्यन के लिए भारत सरकार द्वारा जनपद गाजीपुर के लिए नामित नोडल अधिकारी आलोक प्रेम नागर संयुक्त सचिव पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार के द्वारा जिलाधिकारी की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम की तैयारियों के सम्बंध में बैठक कर अधिकारियों का आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने निर्देश दिया कि जनपद स्तर पर विभिन्न विभागो द्वारा किये जा रहे कार्यक्रमों के समन्वय के लिए एक कन्ट्रोल रुम स्थापित किया जाये। ग्रामीण संवाद यात्रा निकाली जाये। ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों के लिए जिलाधिकारी के पर्यवेक्षण में जिला स्तरीय व ग्रामीण स्तरीय कमेटी गठित कर विस्तृत रूट चार्ट बनाए जाने के निर्देश दिये। उन्होंने शासनादेश का अनुपालन करते हुए पॉच प्रकार के स्टॉल-पेंशन योजनाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, कृषि स्टॉल, स्वयं सहायता समूह स्टॉल, बैकिंग क्षेत्र के स्टॉल को सम्बन्धित जिलास्तरीय अधिकारियों को सुनिश्चित किये जाने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि केन्द्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी बुनियादी सुविधायें प्रदान करने के लिए इस विकसित भारत संकल्प यात्रा के द्वारा जनपदवासियों को संतृप्त करते हुए आवश्यक सेवाओं को सुलभ बनाना है। समाज के अन्तिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने तथा पात्र लाभार्थियों से योजनाओं का संतृप्तिकरण इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। उन्होने बताया कि इस अभियान के अन्तर्गत प्रमुख योजनाओं का लाभ, लक्षित लाभार्थियों, खास तौर से वंचित व असंतृप्त लोगों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे तथा जनसामान्य को जागरूक करते हुए वंचितों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना, नागरिकों से सीखना-लाभार्थियों के व्यक्तिगत कहानियों, अनुभव साझा करने के माध्यम से सरकारी योजनाओं के माध्यम से जानकारी एकत्रित करना। स्वच्छता सुविधाएं, आवश्यक वित्त पोषण सुविधाएं, एलपीजी कनेक्शन, गरीबों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा, उचित पोषण, विश्वसनीय स्वास्थ्य सुविधाएं, स्वच्छ पेयजल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा आदि बुनियादी सुविधाएं जैसे प्रमुख योजनाओं का संतृप्तिकरण किया जाना है। जिलाधिकारी ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के सफल आयोजन हेतु विभिन्न कार्यो/गतिविधियों के लिए जिला स्तर/ग्रामीण स्तर समिति का गठन कर अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। इसी क्रम में विकास खण्डों में समस्त कार्यक्रमों के आयोजन हेतु प्रभारी समस्त सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी एवं नगरीय क्षेत्रों में सम्बन्धित क्षेत्रों में अधिशासी अधिकारी नामित किये गये है। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा संयुक्त सचिव को अवगत कराया गया कि पूरे जनपद में विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान आईसीसी वैन द्वारा होने वाले विभिन्न कार्यक्रम मे पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी में शान्तिपूर्ण व नियंत्रित ढ़ंग से सम्पन्न कराया जायेगा। साथ ही पुलिस स्कार्ट व मोबाइल पुलिस द्वारा वैन व आयोजन स्थल को कवर किया जायेगा। मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने पी पी टी के माध्यम से जनपद में विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम जनपद गाजीपुर में 25 नवम्बर, से समस्त 16 विकास खण्ड के अन्तर्गत कुल 1238 ग्राम पंचायतों व आठ नगरीय निकायों में सूचना, शिक्षा और संचार विषयक विशेष वैन द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार की ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में आयोजित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं पर व्यापक प्रचार-प्रसार ऑडियो, विजुअल एड, ब्रोशर, पैम्फलेट, बुकलेट आदि के माध्यम से किया जायेगा। उन्होंने बताया कि 25 नवम्बर से आगामी 26 जनवरी 2024 तक केन्द्र सरकार से प्राप्त 10 विशेष वैन के माध्यम से प्रत्येक विकास खण्ड में एक दिन में 02 ग्राम पंचायतों में दो शिफ्टों में प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक, दोपहर 02 बजे से 4.30 बजे तक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। पूर्व निर्धारित तिथि व समय जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधान, सचिव, ग्रामीण समिति के सदस्यों, ग्रामवासियों की उपस्थिति में विशेष एलईडी वैन द्वारा मा0 प्रधानमंत्री जी का रिकार्ड किया गया संदेश विकसित भारत के लिए संकल्प वीडियो, प्रारंभिक फिल्म प्रसारण, मेरी कहानी मेरी जुबानी, योजनाओं के सफल लाभार्थी अपने अनुभव साझा करेंगे।

पाकिस्तान में सैन्य कार्रवाई में चार आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना ने शनिवार रात देश के उत्तर पश्चिम कबायली जिले उत्तरी वजीरिस्तान में एक सैन्य अभियान में चार आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने यह जानकारी दी है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को एक खुफिया-आधारित अभियान चलाया। अभियान के दौरान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में उत्तरी वजीरिस्तान के खैसूर इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच गोलीबारी हुई। सेना ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों में इब्राहिम उर्फ मूसा नाम का एक हाई-वैल्यू टारगेट शामिल है।

हूती विद्रोहियों ने तुर्की के जहाज का किया अपहरण

नई दिल्ली। इजराइल और हमास के युद्ध के बीच अब यमन के हूती विद्रोही खुल कर सामने आ रहे हैं। सऊदी अरब की मीडियो के मुताबिक यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार को लाल सागर में 22 क्रू मेंबर वाले एक जहाज पर कंट्रोल कर लिया। यह जहाज इजराइल का है। जबकि इजरायल का कहना है कि जिस जहाज पर हूती विद्रोहियों ने कब्जा किया है वह उनका नहीं बल्कि तुर्की का है। इजराइली डिफेंस फोर्स ने एक ट्वीट में कहा कि दक्षिण लाल सागर में यमन के पास हूतियों की ओर से कार्गो शिप का अपहरण वैश्विक स्तर पर एक बेहद गंभीर घटना है। जहाज में अन्य देशों के 50 लोग मौजूद है।

पूर्वी जावा में ट्रेन-मिनी बस की टक्कर, 11 की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत के लुमाजांग रीजेंसी में रविवार शाम एक ट्रेन ने एक मिनीबस को टक्कर मार दी, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। प्रांतीय खोज और बचाव कार्यालय के प्रमुख मुहम्मद हरियादी ने कहा कि दुर्घटना तब हुई जब स्थानीय समयानुसार 19:53 बजे एक मिनीबस रानूपाकिस गांव में एक रेलवे क्रॉसिंग से गुजरी, जहां कोई ट्रेन-क्रॉसिंग बाधा नहीं थी, लेकिन अचानक एक ट्रेन आई और मिनीबस से टकरा गई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में 11 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। बचाव कार्यालय ने पीड़ितों को निकालने के काम में हिस्सा लिया है।

मंदिर जलाने के मामले का आरोपी फायरिंग में घायल

करीमगंज। असम के रतबारी इलाके में रविवार को एक आरोपी ने पुलिस से भागने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस की फायरिंग में आरोपी गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। असम के करीमगंज में 19वीं सदी के एक मंदिर को कथित तौर पर जलाने वाले अनवर अली नाम के आरोपी को पुलिस ने शनिवार को रतबारी इलाके से गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद, अली रतबारी पुलिस स्टेशन के रास्ते में एक पुलिस वैन में था। हालांकि, आरोपी ने पुलिसकर्मियों से पेशाब करने का अनुरोध किया। इस बीच, आरोपी ने एक पुलिसकर्मी से बंदूक छीनकर वहां से भागने का प्रयास किया।

त्रिपुरा के अस्पतालों में ड्रेस कोड अनिवार्य

अगरतला, (एजेंसी)। त्रिपुरा सरकार ने अस्पतालों में डॉक्टरों, नर्सों, प्रयोगशाला तकनीशियनों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के लिए ड्यूटी घंटों के दौरान ड्रेस कोड अनिवार्य कर दिया है और आदेश का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।राज्य सरकार ने हाल ही में एक परिपत्र में कहा-एक अधिकारी और अस्पताल में नामित जिम्मेदार व्यक्ति होने के नाते, अस्पताल के कर्मचारियों को उनके लिए देश भर में संहिताबद्ध उचित पोशाक पहननी होगी। साथ ही, उन्हें एक नेम-प्लेट लगानी चाहिए और एक पहचान पत्र पहनना चाहिए जो आसान पहचान के लिए अनिवार्य है।

आज का इतिहास

- **1815:** यूरोप में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए रूस, प्रशिया, आस्ट्रिया और इंग्लैंड ने गठबंधन किया।
- **1829:** रूस के निकोलायेव और सेवेस्तोपोल क्षेत्र से यहूदियों को निकाला गया।
- **1866:** अमेरिका के वांशिगटन में हावर्ड विश्वविद्यालय की स्थापना।
- **1917:** कलकत्ता (अब कोलकाता) में बोस अनुसंधान संस्थान की स्थापना।
- **1929:** मिल्खा सिंह का जन्म। भारत के ऐसे प्रसिद्ध धावक जिन्हें लोग 'फ्लाइंग सिक्ख' के नाम से जानते हैं।
- **1942:** ब्रिटिश सेना ने लीबिया की राजधानी बेनगाजी पर दोबारा कब्जा किया।
- **1945:** जापान का अमेरिका के समक्ष पूर्ण आत्मसमर्पण एवं द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति।
- **1949:** इजरायल में यहूदियों की संख्या दस लाख हुई।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि

कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी, पुत्र राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को नई दिल्ली में शक्ति स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को उनकी 106 वीं जयंती पर रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पूर्व प्रधानमंत्री को दिये श्रद्धांजलि संदेश में कहा भारत की पूर्व पीएम इंदिरा गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि। भारत की पहली और अब तक की एकमात्र महिला प्रधानमंत्री श्रीमती गांधी का जन्म 19 नवंबर 1917 को हुआ था।

गोवा में मंत्री कैब्राल का इस्तीफा सिकेरा मंत्रिमंडल में हुए शामिल

पणजी। गोवा में एक मंत्री ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है। बीजेपी विधायक एलेक्सो सिकेरा को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। इसके बाद राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री नीलेश कैब्राल ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है। एलेक्सो सिकेरा उन आठ विधायकों में से हैं, जो पिछले साल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे।

मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने रविवार को समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा कि नीलेश कैब्राल ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है और उनका इस्तीफा स्वीकृति के लिए राज्यपाल पीएस श्रीधरन पिल्लई को भेज दिया गया है। प्रमोद सावंत ने कहा कि नीलेश कैब्राल को पद छोड़ने के लिए कहना पार्टी का निर्णय था ताकि मंत्रिमंडल में एक और विधायक को शामिल किया जाने की जगह बन सके। रत के तटीय राज्य गोवा ने सियासी गवाएं फिर चलने लगी हैं। पिछले साल कई कांग्रेस विधायकों के साथ पार्टी छो?कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए पूर्व ऊर्जा मंत्री एलेक्सो सेक्केरा ने रविवार को भाजपा नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की शपथ ले ली। हालांकि सरकार में मंत्री पद की जगह नहीं थी। इसी वजह से गोवा सरकार के मंत्री निलेश कबराल ने कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था और अब एलेक्सो सेक्केरा को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है।

कैब्राल को पद छोड़ने के लिए कहना पार्टी का निर्णय था

अब श्रमिकों को निकालने के लिए रोबोट का लेंगे सहारा, गडकरी ने बताए छह विकल्प

सुरंग में फंसे पीड़ितों को भोजन, दवा, ऑक्सीजन उपलब्ध कराना प्राथमिकता

उत्तर काशी ■

दिवाली के दिन उत्तरकाशी की निर्माणाधीन सुरंग में हुए हादसे में फंसे 41 श्रमिकों को अभी तक बाहर नहीं निकाला जा सका है। रेस्क्यू का रविवार को आठवां दिन है। और अब फंसे श्रमिकों का धैर्य भी जवाब देने लगा है। आपदा सचिव डॉ रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन में अब रोबोट की मदद ली जाएगी। सुरंग में मशीनों के इस्तेमाल से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मलबा लगातार गिरने से रेस्क्यू में बाधा आ रही है। मंत्री नितिन गडकरी का कहना है, पिछले 7-8 दिनों से हम पीड़ितों को बचाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। उन्हें जल्द से जल्द बाहर निकालना उत्तराखंड सरकार और भारत सरकार की प्राथमिकता है। बताया कि उन्होंने यहां काम करने वाले संबंधित अधिकारियों के साथ घंटे भर बैठक की है। हम छह वैकल्पिक विकल्पों पर काम कर रहे हैं और भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियां यहां काम कर रही हैं। पीएमओ से भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सुरंग विशेषज्ञों और बीआरओ अधिकारियों को भी बुलाया गया है। हमारे पहली प्राथमिकता फंसे हुए पीडितरें को भोजन, दवा और ऑक्सीजन उपलब्ध कराना है।

मुख्यमंत्री ने डॉक्टर खेरवाल को बनाया नोडल अधिकारी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए चल रहे ऑपरेशन सिलक्यारा के लिए वरिष्ठ आईएएस अधिकार डॉ. नीरज खेरवाल को नोडल अफसर बनाया है। अमेरिकी मशीन के भी ड्रिलिंग के दौरान बंद होने से अब ऑपरेशन में जुटे विशेषज्ञ अन्य विकल्पों पर मंथन कर रहे हैं। इस बीच इंदौर से मंगाई गई एक और मशीन ग्राउंड जीरो पर पहुंच चुकी है। इधर, मुख्यमंत्री ने बचाव अभियान की समीक्षा के बाद आईएएस अधिकारी डॉ. नीरज खेरवाल को नोडल अधिकारी का जिम्मा सौंपा है। खेरवाल को प्रदेश में काम कर रही कई केंद्रीय संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही वह संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों का अनुश्रवण भी करेंगे। वह आवश्यकतानुसार राज्य की ओर से सहयोग एवं सुझाव भी केंद्रीय संस्थाओं को देंगे। सिलक्यारा पहुंचे केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी राहत एवं बचाव कार्य से जुड़े अधिकारियों की बैठक ले रहे हैं। इस समीक्षा बैठक के बाद वह सुरंग में हुए भूस्खलन व सुरंग के ऊपर ड्रिलिंग के लिए की जा रही कार्यवाही का जायजा लिया।

तकनीक के साथ आस्था का सहारा

सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बचाने के लिए तकनीक के साथ आस्था का भी सहारा लिया जा रहा है। क्षेत्र के ग्रामीणों के दबाव पर अब कंपनी प्रबंधन ने सुरंग के बाहर बौखनाग देवता का मंदिर स्थापित किया है। पहले इस मंदिर को हटाकर सुरंग के अंदर कोने में स्थापित किया गया था। शनिवार को यहां पुजारी को बुलाकर विशेष पूजा-पाठ भी करवाया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग और बुनियादी ढांचा विकास निगम लि. के निदेशक अंशु मनीष खलखो ने बताया कि ऊपर से ड्रिलिंग के लिए हुए वैज्ञानिक सर्वे के तहत करीब 103 मीटर चौड़ाई वाले क्षेत्र में ड्रिलिंग की जाएगी। वहीं, निगम के अधिशासी निदेशक संदीप सुगेरा ने बताया कि सुरंग के ऊपर से वर्टिकल ड्रिलिंग के साथ साइड से भी ड्रिलिंग की योजना है। इसमें ऊपर 103 मीटर की चौड़ाई और साइड से ड्रिलिंग के लिए 177 मीटर की दूरी मिली है। ऊपर से ड्रिल कर मजदूरों तक खाना व पानी पहुंचाया जाएगा। जबकि साइड से उन्हें बाहर निकाल लिया जाएगा।

विदेशी विशेषज्ञों की मदद से जुटेंगी छह टीमें

सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए अब पहाड़ के ऊपर और साइड से ड्रिलिंग होगी। वर्टिकल ड्रिलिंग के लिए चार स्थानों की पहचान की गई है, वहां तक पहुंचने के लिए ट्रैक बनाने का काम सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को सौंपा गया है। विदेशी विशेषज्ञों की मदद से पांच विकल्पों पर केंद्र और राज्य की छह टीमें रविवार से काम शुरू करेंगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी सीएम पुष्कर सिंह धामी के साथ सिलक्यारा पहुंचेंगे।

संसाधनों की कमी नहीं सभी विकल्प तलाश रहे

पीएमओ के पूर्व सलाहकार भास्कर खुल्बे ने बताया कि मजदूरों को बचाने हम सभी विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। हमारे पास संसाधनों, विकल्पों और तौरतरीके की कमी नहीं है। वर्टिकल ड्रिलिंग का विकल्प भी खुला है। हम विदेशी सलाहकारों की मदद ले रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश है इस अभियान को जितना जल्दी हो सके पूरा करना है। वहीं केंद्रीय सड़क मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन ने बताया कि 41 मजदूरों के पास दवाई खाद्य सामग्री भिजवाई जा रही है। आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत सिन्हा ने कहा, कि हम ऑगर मशीन की मदद से 900 मिमी डायमीटर का पाइप डाल रहे हैं। हम 22 मीटर तक पहुंच गए हैं और हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। भोजन अन्य आवश्यक सामान भेजने के लिए एक लाइफ लाइन पाइप है।

इजराइल-हमास जंग पर 5 दिन की रोक लगाने की समझौते के करीब

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका, इजरायल और हमास बंधकों की रिहाई के बदले गाजा पट्टी में लड़ाई को पांच दिनों के लिए रोकने पर एक समझौते के करीब हैं। वाशिंगटन पोस्ट ने सूत्रों के हवाले से रविवार को यह जानकारी दी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि छह पन्नों के समझौते में संघर्ष के पक्षों द्वारा कम से कम पांच दिनों के लिए सभी युद्ध अभियानों को रोकने और 50 या अधिक बंधकों की रिहाई का प्रावधान है, साथ ही कहा गया है कि आने वाले दिनों में बंधकों की रिहाई शुरू हो सकती है। लड़ाई के ठहराव की हवाई निगरानी की जाएगी।

अखबार ने रिपोर्ट में अरब और अन्य राजनयिकों का हवाला देते हुए कहा है कि इजरायल, अमेरिका और हमास के बीच दोहा में कई हफ्तों की बातचीत के दौरान समझौते की रूपरेखा तैयार की गई। समझौते का प्रतिनिधित्व अप्रत्यक्ष रूप से कतर के मध्यस्थों ने किया था। हालाँकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि क्या इजरायल गाजा पट्टी में अस्थायी रूप से लड़ाई को निलंबित करने के लिए सहमत होगा, बशर्ते स्थितियाँ सही हों।

अमेरिका के प्रयास, छह पन्नों के समझौते में 50 बंधकों की होगी रिहाई

शिफा अस्पताल से मरीजों को दक्षिणी गाजा ले जाया जाएगा-डब्ल्यूएचओ

गाजा। उत्तरी गाजा के शिफा अस्पताल से मरीजों को अगले 24-72 घंटों के भीतर एन्क्लेव के दक्षिणी हिस्से में स्थित अस्पतालों में पहुंचाया जाएगा। डब्ल्यूएचओ ने रविवार को यह जानकारी दी। इजराइल रक्षा बलों ने शनिवार को कहा कि उसने कई लोगों को सुरक्षित मार्ग के माध्यम से शिफा अस्पताल से बाहर निकलने की अनुमति दी है, साथ ही चिकित्सा कर्मी उन मरीजों की सहायता के लिए उपलब्ध रहेंगे जो अस्पताल से बाहर निकलने में असमर्थ हैं। गाजा के अल-शिफा अस्पताल से समय से पहले जन्मे 31 बच्चों को निकाला गया डब्ल्यूएचओ एक्स पर कहा कि अगले 24-72 घंटों में, संघर्ष के पक्षों द्वारा सुरक्षित मार्ग की लंबित गारंटी के लिए, मरीजों को अल-शिफा से गाजा के दक्षिण में नासिर मेडिकल कॉम्प्लेक्स और यूरोपीय गाजा अस्पताल तक तत्काल पहुंचाने के लिए अतिरिक्त मिशन की व्यवस्था की जा रही है। संगठन ने कहा कि इन अस्पतालों में पहले से ही मरीजों की संख्या ज्यादा है और अब नए मरीज पहुंचने पर यह संख्या और अधिक हो जाएगी। वहीं दूसरी और इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने रविवार को कहा कि उसे गाजा में अल-शिफा अस्पताल के नीचे एक मजबूत सुरंग मिली है।

अयोध्या

चौदह कोसी परिक्रमा को लेकर प्रशासन की तैयारियां पूरी

अयोध्या। अयोध्या की प्रसिद्ध चौबीस घंटे चलने वाली चौदह कोसी परिक्रमा सोमवार से रात्रि दो बजकर नौ मिनट से शुरू हो जाएगी और इसके लिए तैयारियां प्रशासन ने पूरी कर ली है।

मण्डलायुक्त गौरव दयाल की अध्यक्षता में चौदह कोसी परिक्रमा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये आयुक्त सभागार में एक बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें मण्डलायुक्त ने कहा कि परिक्रमा मार्ग में सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त मात्रा में बैरीकेडिंग की जाय। उन्होंने कहा भीड़ नियंत्रण हेतु होर्डिंग एरिया भी हो जिससे कि परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाये। प्रशासन व पुलिस विभाग के संयुक्त भ्रमण में जो कमियां पायी गयी हैं उन्हें तत्काल दूर करने का भी निर्देश दिया गया। साफ-सफाई आदि व्यवस्था बेहतर ढंग से करायी जाय और सुरक्षा मानकों का ध्यान रखा जाय। इस बार विगत वर्षों की अपेक्षा अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है जिसके लिये प्रशासन पूरी तरह तैयार है। बैठक में महानिरीक्षक प्रवीण कुमार ने पुलिस व्यवस्था की जानकारी देते हुए कहा कि निर्माणाधीन फ्लाई ओवर के पास की नालियां व मार्गों को तत्काल ठीक करा लिया जाय। निर्मली कुण्ड के आसपास भी सफाई व्यवस्था हो तथा रेलवे क्रासिंग के पास भी पर्याप्त मात्रा में बैरीकेडिंग कराया जाय।

लंदन से डबलिन तक छठ की छटा, बिहार से आई पूजा सामग्री, 300 से अधिक परिवार शामिल

नई दिल्ली। वैसे तो पूरे बिहार में छठ महापर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। लेकिन लोक आस्था के पर्व छठ की छठा अब विदेशों में बिखेरी जा रही है। विदेशों में रहने वाले भारतीय प्रकृति के महापर्व को सात समंदर पार भी पवित्रता और आस्था के साथ मना रहे।

गूंजे महापर्व के गीत

इस वर्ष भी डबलिन (आयरलैंड), लंदन (इंग्लैंड), ओमान समेत अन्य देशों में रहने वाले भारतीय छठ महापर्व मना रहे। विदेशों में रहने वाले भारतीयों ने समूह भी बनाया है। इस समूह ने विदेशों में भी सामूहिक रूप से छठ मनाने की शुरुआत की है। पटना के विजय ने बताया कि उनकी पत्नी दीप्ति सात साल से डबलिन में छठ करती आ रही हैं। इस वर्ष भी उन्होंने छठ व्रत किया है। वहीं लीड्स (इंग्लैंड) में रह रहे बिहार के ऋषिकांत ने बताया कि लीड्स में 'बिहारीज बियॉन्ड बाउंड्रीज' नाम से एक समूह बना है। इसमें बिहार, झारखंड और पूर्वांचल के 400 से अधिक लोग जुड़े हैं। इस बार इस समूह के पांच लोग लीड्स हिन्दू मंदिर में छठ कर रहे। पिछले वर्ष से सामूहिक रूप से छठ मनाने की शुरुआत हुई है। इस बार छठ में 300 से अधिक भारतीय परिवार शामिल होंगे।

वाल्मिकी बोया जाति को एससी सूची में शामिल किया जाएगा: केसीआर

जोगुलाम्बा गडवाल। तेलंगाना के मुख्यमंत्री व बीआरएस प्रमुख के.चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने रविवार को आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार वाल्मिकी बोया जाति को अनुसूचित जाति (एसटी) सूची में जोड़ने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। इस जिले के आलमपुर में आयोजित चुनावी बैठक में बोलते हुए, श्री केसीआर ने लोगों से वोट बुद्धिमानी से उपयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने पालमुरु में प्रवासन पैटर्न में बदलाव पर विचार करते हुए कहा कि एक समय इस क्षेत्र से महत्वपूर्ण प्रवासन हुआ करता था, अब अन्य राज्यों के लोग तेलंगाना की ओर पलायन कर रहे हैं।

Filmiतड़का

साइको थ्रिलर फिल्म में नजर आएंगी कंगना रनौत

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत साइको थ्रिलर फिल्म में काम करती नजर आयेगी।

कंगना रनौत ने अपनी आने वाली फिल्म का एलान कर दिया है। कंगना ने चेन्नई में इस फिल्म शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह फिल्म साइकोलॉजिकल थ्रिलर जॉनर की होगी। कंगना ने एक्स (ट्विटर) पर पूजा की तस्वीर शेयर की है। फोटो में देखा जा सकता है कि फिल्म स्लेट में प्रोडक्शन नंबर 18 लिखा हुआ है। साथ ही प्रोड्यूसर और डायरेक्टर का नाम लिखा है। इस फिल्म का निर्देशन विजय कर रहे हैं, जबकि प्रोड्यूसर आर. रविंद्रन हैं।

कंगना रनौत ने फिल्म के सेट से फोटो शेयर करते हुए लिखा, चेन्नई में हमने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। अन्य डिटेल्स जल्द ही बताऊंगी। फिलहाल इस बेहद असामान्य और रोमांचक स्क्रिप्ट के लिए हमें आपके सपोर्ट और दुआओं की जरूरत है।

48 वर्ष की हुई सुष्मिता सेन

मुंबई। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री और पूर्व यूनिवर्स सुष्मिता सेन रविवार को 48 वर्ष की हो गई। सुष्मिता सेन का जन्म आंध्रप्रदेश के हैदराबाद में 19 नवंबर 1975 को हुआ था। सुष्मिता सेन के पिता सुबीर सेन एयर फोर्स में विंग कमांडर थे, जबकि मां शुभरा सेन ज्वैलरी व्यवसाय से ताल्लुक रखती थीं। सुष्मिता सेन ने वर्ष1994 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसमें वह प्रथम चुनी गयी। इसके बाद वर्ष 1994 में सुष्मिता सेन मिस यूनिवर्स चुनी गई। सुष्मिता सेन ने अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1996 में प्रदर्शित फिल्म दस्तक से की, लेकिन यह फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी इसके बाद सुष्मिता सेन को वर्ष 1997 में सन्नी देओल के अपोजिट जोर में काम करने का अवसर मिला।

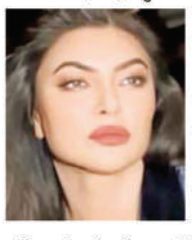

जीनत अमान 72 की...

मुंबई। बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री जीनत अमान रविवार को 72 वर्ष की हो गई हैं। जीनत अमान का जन्म 19 नवंबर 1951 को जर्मनी में हुआ। उनके पिता अमानउल्लाह ने मुगलेआजम और पाकीजा जैसी सुपरहिट फिल्मों में बतौर लेखक काम किया था। महज 13 वर्ष की उम्र में जीनत के सिर से पिता का साया उठ गया। तब उनकी मां उन्हें जर्मनी लेकर चली गईं। लगभग पांच वर्ष तक जर्मनी में रहने के बाद महज 18 साल की जीनत मुंबई आ गई। मुंबई आने के बाद जीनत ने सैंट जेवियर कालेज से स्नातक की शिक्षा पूरी की।

तिरुवल्लुर में दो महिलाओं समेत तीन की ट्रेन से कटकर मौत

तिरुवल्लुर। तमिलनाडु के तिरुवल्लुर के पास एक दुखद घटना में, वेपम्पातु रेलवे रिजर्व लाइन पर ट्रेन की टक्कर में दो महिलाओं सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पीड़ित, पटरी पार करने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान चेन्नई से अराक्कोनम के रास्ते में एक एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। इस घटना के बाद इलाके के लोगों में सरकार और प्रशासन को लेकर काफी आक्रोश है।

जानकारी के अनुसार तिरुमझिसाई, पूनतमल्ली और पुदुछत्तरम के बीच स्थित वेपमपातु क्षेत्र, प्रतिदिन चेन्नई आने वाले हजारों वाहनों के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग के रूप में कार्य करता है। रेलवे रिजर्व लाइन को पार करने के लिए 1 से 2 घंटे तक के लंबे इंतजार के कारण रेलवे फ्लाईओवर की मांग ने जोर पकड़ लिया। जवाब में, रेलवे फ्लाईओवर का निर्माण 2010 में शुरू हुआ, लगभग 30 करोड़ की लागत से परियोजना का लगभग 41 प्रतिशत काम ही पूरा हुआ है। अफसोस की बात है कि वेपम्पातु रिजर्व लाइन को पार करने का प्रयास करने वालों के लिए दुर्घटना होने का डर बना रहता है और अब तक कई मौतें भी हो चुकी हैं। रविवार को हुई टक्कर में दो महिलाओं और एक पुरुष की जान चली गई। इस दुर्घटना के बाद पीड़ित स्थानीय लोग इकट्ठा हुए और चेन्नई-तिरुवल्लूर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन के कारण तीन किलोमीटर तक लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

बाजार में बढ़त बरकरार रहने के आसार

शेयर समीक्षाः कच्चे तेल में गिरावट और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में नरमी का रहेगा असर

मुंबई (एजेंसी)। बीते सप्ताह शेयर बाजार में तेजी रहने के बाद आने वाले सप्ताह में भी बढ़त बरकरार रहने के आसार हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक घरेलू शेयर बाजार में अगले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में नरमी से तेजी रह सकती है। आने वाले सप्ताह की बात करें तो ग्लोबल फैक्टर्स सकारात्मक बने हुए हैं। कच्चे तेलों की कीमतों में गिरावट आ रही है और यूएस बॉन्ड यील्ड मॉडरेट हो रहा है। इससे घरेलू बाजार को समर्थन मिलने की उम्मीद है। घरेलू मोर्चे पर बाजार को प्रभावित करने वाले बड़े फैक्टर्स कम हैं। अगले सप्ताह के दौरान छह बड़े आईपीओ लॉन्च हो रहे हैं, जिनमें टाटा समूह का करीब 2 दशक का पहला आईपीओ भी शामिल है। इससे बाजार में उत्साह दिख सकता है। विश्लेषकों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति भी घरेलू शेयर बाजारों की चाल को प्रभावित करेगी। उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म होने तक बाजार की स्थिरता प्रभावित हो सकती है और उस समय तक बाजार का एक स्पष्ट रुझान सामने आ सकता है। अगस्त से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक एफपीआई बड़े पैमाने पर भारतीय बाजारों से पूंजी की निकासी कर रहे हैं। अगस्त से लेकर 15 नवंबर तक एफपीआई ने कुल मिलाकर 83422 करोड़ रुपए के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की है। हालांकि इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों डीआईआई ने 77995 करोड़ रुपए के शेयरों की खरीदारी की। डीआईआई के साथ व्यक्तिगत निवेशकों की खरीदारी ने एफपीआई की बिक्री को पूरी तरह से बेअसर कर दिया। बीते सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 890.05 अंक अर्थात 1.4 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 65794.73 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 306.45 अंक यानी 1.6 प्रतिशत उछलकर 19731.80 अंक पर रहा।

नवंबर में एफीआई का रुख बदला, शेयरों में लगाए 1433 करोड़

पिछले ढाई महीनों में लगातार बिकवाली के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों एफपीआई ने नवंबर में अब तक 1433 करोड़ रुपए की भारतीय इक्विटी खरीदी है। इसका मुख्य कारण अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी है। एफपीआई 15 नवंबर तक शुद्ध विक्रेता की स्थिति में थे लेकिन डिपॉजिटरी आंकड़ों के अनुसार उन्होंने 16-17 नवंबर को भारतीय इक्विटी बाजार में निवेश कर बिकवाली की प्रवृत्ति को पलट दिया। भारत में जारी त्योहारी मौसम को भारतीय बाजार में एऊपीआई की नए सिरे से रुचि के लिए एक कारक के रूप में देखा जा रहा है। इसके साथ अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल गिरने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने भी कुछ दबावों को कम किया है जिससे बाजार में तेजी आई है।

टॉप-7 कंपनियों की बाजार पूंजी 1.5 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

देश की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से सात का सम्मिलित रूप से बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह 150679.28 करोड़ रुपए बढ़ गया। बाजार में समग्र आशावादी रुझान रहने का सबसे ज्यादा लाभ सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टीसीएस और इन्फोसिस को हुआ।

बीते सप्ताह सात कंपनियों की बाजार पूंजी बढ़ी

कंपनियां	पूंजी में बढ़त	कुल पूंजी
टीसीएस	62148.99	1281637.63
इन्फोसिस	28616.98	596681.75
रिलायंस इंडस्ट्रीज	28111.41	1593893.03
एचडीएफसी बैंक	11136.61	1142215.81
हिंदुस्तान यूनिलीवर	10032.75	594317.36
भारती एयरटेल	6828.74	532585.63
आईटीसी	3803.8	547808.43

कंपनियों की बाजार पूंजी करोड़ रुपए में

बीते सप्ताह तीन कंपनियों की पूंजी घटी

कंपनिया	पूंजी में कमी	कुल पूंजी
भारतीय स्टेट बैंक	14502.5	502589.52
आईसीआईसीआई बैंक	11308.97	646254.41
बजाज फाइनेंस	4973.68	446169.40

कंपनियों की बाजार पूंजी करोड़ रुपए में

वित्त मंत्रालय ने दी सलाह

सरकारी बैंकों को साइबर सुरक्षा मजबूत करने का सुझाव

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने यूको बैंक में हाल ही में हुई घटना को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से अपने डिजिटल संचालन से संबंधित प्रणालियों और प्रक्रियाओं की समीक्षा करने को कहा है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्रालय ने बैंकों को सलाह दी है कि वे अपनी साइबर सुरक्षा की मजबूती की जांच करें और उसे मजबूत करने के उपाय करें। सूत्रों ने कहा कि बैंकों को कड़ी निगरानी रखनी चाहिए और भविष्य के साइबर खतरों के लिए तैयार रहना चाहिए। वित्तीय क्षेत्र में बढ़ते डिजिटलीकरण के बीच वित्त मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई नियमित अंतराल पर बैंकों को इस बारे में जागरूक करते रहे हैं। पिछले हफ्ते सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक में तत्काल भुगतान सेवा आईएमपीएस के माध्यम से कुछ लोगों के खातों में गलत तरीके से 820 करोड़ रुपए चले गए थे। आईएमपीएस मंच का संचालन नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया एनपीसीआई द्वारा किया जाता है। आईएमपीएस दो बैंकों के बीच तत्काल धन हस्तांतरण वाली प्रणाली है।

मारुति के शेयरधारकों ने दी एसएमजी के अधिग्रहण की मंजूरी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया के शेयरधारकों ने सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन से सुजुकी मोटर गुजरात एसएमजी का पूर्ण अधिग्रहण करने के लिए शेयर खरीद समझौते पर आगे बढ़ने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने पिछले महीने एसएमजी के पूर्ण अधिग्रहण के लिए दो विशेष प्रस्तावों पर डाक मतपत्र के माध्यम से अपने शेयरधारकों से मंजूरी मांगी थी। बता दें कि पिछले महीने कंपनी के बोर्ड ने 12841.1 करोड़ रुपए की कुल खरीद पर एसएमजी के अधिग्रहण को मंजूरी दी थी। कंपनी के 5 रुपए फेस वैल्यू वाले 1.23 करोड़ से अधिक इक्विटी शेयरों को एसएमसी को 10420.85 रुपए प्रति इक्विटी शेयर की कीमत पर जारी करने और आवंटित करने का प्रस्ताव था। संबंधित पक्ष के लेन-देन को मंजूरी देने और तरजीही आधार पर इक्विटी शेयर जारी करने से संबंधित डाक मतपत्र में निर्धारित प्रस्तावों को कंपनी के सदस्यों ने अपेक्षित बहुमत के साथ मंजूरी दे दी।

अपनी नई कंपनी खोलेंगे ऑल्टमैन

नई दिल्ली। चैटजी पीटी डेवलपर ओपनएआई के निकाले गए सीईओ सैम ऑल्टमैन अपना नया एआई स्टार्टअप ला सकते हैं। उन्होंने कथित तौर पर निवेशकों को बताया है कि वे एक नया एआई स्टार्टअप शुरू करने की योजना बना रहे हैं। रविवार को उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि उन्हें ओपनएआई टीम बहुत पसंद है। ओपनएआई के पूर्व को-फाउंडर और चेयरमैन ग्रेग ब्रॉकमैन भी इस स्टार्टअप के साथ आ सकते हैं। ब्रॉकमैन ने ऑल्टमैन की बर्खास्तगी के बाद कंपनी से इस्तीफा दे दिया था। यह प्रोजेक्ट अभी डेवलप हो रहा है। इस रिपोर्ट में कहा गया, स्टार्टअप की सटीक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इस बीच एआई डेवलप करने में ऑल्टमैन की व्यापक महत्वाकांक्षाओं के बारे में अधिक विवरण भी सामने आए हैं। वे चिप डिजाइनर आर्म सहित सेमीकंडक्टर अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं।

कोल इंडिया और ओएनजीसी इस सप्ताह देंगी निवेशकों को लाभांश

नई दिल्ली। सोमवार 20 नवंबर से शुरू हो रहे सप्ताह के दौरान एक्स-डिविडेंड हो रहे शेयरों की लिस्ट लंबी है। सप्ताह के दौरान अरबिंदो फार्मा, कोचिन शिपयार्ड, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स, कोल इंडिया, जिलेट इंडिया, ओएनजीसी, सन टीवी नेटवर्क, नालको, ऑयल इंडिया, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन समेत कई बड़े शेयरों के एक्स-डिविडेंड होने की बारी है। सप्ताह के दौरान एक्स-डिविडेंड होने वाले शेयरों की पूरी लिस्ट देख सकते हैं।

सोमवार : अुपम रसायन इंडिया, अरबिंदो फार्मा, बलरामपुर चीनी मिल्स, बेला कासा फैशन एंड रिटेल, कोचीन शिपयार्ड, डोलट अल्गोटेक, जीएमएम फॉडलर, जीएम पॉलीप्लास्ट, कावेरी सीड कंपनी और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स,

मंगलवार : कोल इंडिया, ईआईडी पैरी इंडिया, ईपीएल लिमिटेड, जिलेट इंडिया, गुजरात पिपावाव पोर्ट, नेशनल पेरोक्साइड, ओएनजीसी, आरएमपीसी स्विचगियर्स, सेनको गोल्ड, सन टीवी नेटवर्क, टैलब्रोस इंजीनियरिंग और टाइड वॉटर ऑयल।

बुधवार : क्रिसिल लिमिटेड, आईपीसी, लेबोरेटरीज लिमिटेड, नाल्को, ऑयल इंडिया लिमिटेड, पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज लिमिटेड और टीडी पावर सिस्टम्स।

गुरुवार : मृतांजन हेल्थ केयर, प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ और प्रेमको ग्लोबल।

शुक्रवार : बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्रीज, करियर प्वाइंट, डीदेव प्लास्टिक इंडस्ट्रीज, ईएमएस लिमिटेड, ईएसएवी इंडिया, गोल्डियम इंटरनेशनल, जीपीटी इंफ्राप्रोजेक्ट्स, इंडैग रबर लिमिटेड, मणप्पुरम फाइनेंस, मॉर्गनाइट क्रूसिबल इंडिया, नैटको फार्मा, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन, सर्विसेज, शरत इंडस्ट्रीज, यूनिपार्ट्स इंडिया और एक्सट ग्लोबल इन्फोटेक लिमिटेड।

अक्टूबर में भारत का रत्न आभूषण निर्यात बढ़ा

11.49 फीसदी घटकर 22873 करोड़ रहा

मुंबई । भारत का रत्न और आभूषण निर्यात अक्टूबर में 11.49 प्रतिशत घटकर 22873.19 करोड़ रुपए रह गया। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद जीजेईपीसी ने यह जानकारी दी। आंकड़ों के मुताबिक कटे और पॉलिश किए गए हीरे सीपीडी के निर्यात में पिछले महीने 32.70 प्रतिशत की गिरावट हुई।

इनका निर्यात घटकर 10495.06 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 15594.49 करोड़ रुपए था। प्रयोगशाला में बने पॉलिश किए गए हीरे एलजीडी का सकल निर्यात अक्टूबर में 23.01 प्रतिशत गिरकर 1135.16 करोड़ रुपए हो गया। जीजेईपीसी के चेयरमैन विपुल शाह ने बताया, अक्टूबर में कुल रत्न और आभूषण निर्यात में गिरावट आई। अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में मांग में कमी और हीरे की आपूर्ति में बाधा के चलते यह कमी हुई। हमें उम्मीद है कि क्रिसमस के दौरान बाजार में तेजी आएगी।

अगले सप्ताह आईपीओ से 7300 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी

आटा, इरेडा समेत पांच कंपनियां लाएंगी आईपीओ

नई दिल्ली। नवंबर महीने में कंपनियों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम आईपीओ में तेजी रहने के बीच अगले सप्ताह टाटा टेक्नोलॉजीज और भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी इरेडा समेत पांच कंपनियां आईपीओ के जरिये 7300 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में हैं।

आईपीओ लाने वाली इन कंपनियों में टाटा टेक्नोलॉजीज और इरेडा के अलावा फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज, फ्लेयर राइटिंग इंडस्ट्रीज और गांधार ऑयल रिफाइनरी इंडिया भी शामिल हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक इन पांच कंपनियों को मिलकर आईपीओ के जरिये 7300 करोड़ रुपए से अधिक राशि जुटाए जाने की उम्मीद है। इससे पहले तीन कंपनियों एएसके ऑटोमोटिव, प्रोटीन ईगॉव टेक्नोलॉजीज और ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक ने महीने की शुरुआत में अपने सार्वजनिक निर्गम पेश किए थे।

विशेषज्ञों ने कहा कि हालिया सार्वजनिक निर्गमों को निवेशकों से मिली अच्छी प्रतिक्रिया और मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद के कारण नए आईपीओ लाने की तैयारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि निर्गम संबंधी कई मसौदा दस्तावेज बाजार नियामक सेबी के समक्ष मंजूरी के लिए दाखिल किए गए हैं।

बना रहेगा आईपीओ बाजार में तेजी का सिलसिला

इससे संकेत मिलता है कि कंपनियां आने वाली तिमाहियों में अपने आईपीओ लाने की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि आम चुनाव से पहले आईपीओ बाजार में तेजी का सिलसिला बना रहेगा। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में भारतीय बाजार में 31 आईपीओ जारी किए गए हैं, जिनसे 26300 करोड़ रुपए जुटाए गए। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 14 आईपीओ के जरिये 35456 करोड़ रुपए जुटाए गए थे।

छठ पूजा के चार दिनों में आठ हजार करोड़ रुपए का व्यापार

नई दिल्ली। 17 नवंबर को नहाय-खाय से शुरू होकर तथा 20 नवम्बर तक चलने वाले चार दिवसीय छठ पूजा महोत्सव के दौरान बिहार और झारखंड के अलावा अन्य राज्यों में बसे बिहार के लोगों ने बेहद उत्साह एवं उमंग के साथ छठ पूजा पर विभिन्न राज्यों के रिटेल बाजारों से लगभग आठ हजार करोड़ रुपए से अधिक के सामान की खरीदी की। आंकड़े के अनुसार देश भर में लगभग 20 करोड़ से अधिक लोग छठ पूजा कर रहे हैं जिनमें स्त्री, पुरुष के अलावा युवा तथा बच्चे सभी शामिल हैं। कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) जो इस वर्ष हर त्योहार के बिक्री के आंकड़े जारी कर रहा है, ने छठ पूजा की बिक्री के आंकड़े आज जारी करते हुए कहा कि छठ पूजा भारत की लोक संस्कृति का सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है। बिहार और झारखंड के अलावा यह त्योहार पूर्वी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भी जोर शोर से मनाया जाता है क्योंकि इन सभी राज्यों में बिहार के लोग बड़ी संख्या में काम करते हुए अपनी आजीविका अर्जित करते हैं।

इन सामग्रियों की हुई जमकर बिक्री

छठ पूजा के लिए जहां फल एवं फूल तथा सब्जी की बिक्री बड़े पैमाने पर हुई वहीं वस्त्र, साड़ियां, गारमेंट, श्रृंगार की वस्तुएं, खाद्यान, आटा, चावल, दालें जाहिद खाद्यान वस्तुएं, सिंदूर, सुपारी, छोटी इलायची एवं सहित पूजा का सामान, नारियल, आम की लकड़ी, मिट्टी के चूल्हे, देसी घी सहित अन्य सामान की जबरदस्त बिक्री हुई।

घाट पर छठ व्रतियों ने दिया सूर्य को अर्घ्य

भोपाल। भेल कॉलेज के पास बरखेड़ा स्थित छठ घाट पर रविवार को बड़ी संख्या में छठ व्रतियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। छठ पूजा सांस्कृतिक उत्सव समिति के अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी बड़ी संख्या में छठ घाट को बेहतर साज-सज्जा और रंग-बिरंगी लाइटिंग के साथ सजाया गया था। संध्या काल में यहां पर भोजपुरी गायकों द्वारा छठ मैय्या के भजनों की शानदार प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस मौके पर भोपाल महापौर मालती राय, गोविंदपुरा विधायक कृष्णा गौर ने छठ घाट पहुंचकर लोगों को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भोजपुरी अभिनेत्री गुंजन पंत, समिति के विरेन्द्र तिवारी, अभिजीत सिंह, उमेश दुबे, विकास मेहरा, विकास, प्रिया यादव, विनय सिंह, जेपी प्रसाद, विनोद सिंह, कनेश्वर सिंह सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

खटलापुरा छठ घाट पर हुआ सांस्कृतिक आयोजन

भोपाल। भोपाल के सबसे पुराने छठ घाट खटलापुरा पर हजारों छठ व्रतियों ने डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। इस अवसर पर भोजपुरी महोत्सव समिति खटलापुरा द्वारा सांस्कृतिक आयोजन भी कराया गया। भोजपुरी के गायक कल्पनाथ यादव और गायिका गीतांजली राज ने छठ मैया के भजनों की प्रस्तुति देकर समस्त श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर एडीजी अनुराधा शंकर सिंह ने कहा कि छठ महापर्व है और छठ में विशुद्ध रूप से प्रकृति की पूजा होती है। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुरेंद्र नाथ सिंह, एमआईसी सदस्य रविन्द्र यति, आभा सिंह, पार्षद पप्पू विलास घाड़गे, कृष्णा घाडगे, राहुल दुबे, राम प्रताप सिंह, अंजनी सिंह, मिथिलेश राय आदि लोग उपस्थित रहे। समिति के सचिव पंकज ठाकुर ने बताया कि सोमवार को सुबह में उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर महापर्व का समापन होगा। इस मौके पर भव्य आतिशबाजी और 1100 दीपदान आकर्षण का केन्द्र रहा।

सेल की क्षमता 1.5 करोड़ टन बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात विनिर्माता सेल के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश ने कहा है कि स्थापित क्षमता में 1.5 करोड़ टन के विस्तार की योजना पर काम शुरू कर दिया गया है। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड सेल की मौजूदा स्थापित क्षमता लगभग दो करोड़ टन प्रति वर्ष है। प्रकाश ने सेल की विस्तार योजनाओं के बारे में पूछे गए एक सवाल पर कहा, इसे शुरू कर दिया गया है। योजना के पहले चरण में हम इसे 3.5 करोड़ टन तक ले जाने वाले हैं। इस तरह विस्तार का पहला चरण 1.5 करोड़ टन का है। विस्तार योजना पर खर्च की जाने वाली राशि और इसमें लगने वाले समय के बारे में सेल चेयरमैन ने कहा कि कंपनी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट डीपीआर पर सक्रियता से काम कर रही है और फिलहाल कोई भी संख्या बता पाना मुश्किल है। विस्तार योजना के लिए वितपोषण मॉडल के बारे में प्रकाश ने कहा कि सेल इसके लिए अपने कोष का इस्तेमाल करेगी और बाजार से भी फंड जुटाएगी। उन्होंने कहा, वित्तापोषण आंतरिक संसाधनों और बाजार दोनों का मिश्रण होगा। इस्पात उद्योग एक बड़े पूंजीगत व्यय वाला उद्योग है। हम फंड के लिए बाजार में रहेंगे।

म्यूचुअल फंड का एनएफओ कलेक्शन 4 गुना बढ़ा

दूसरी तिमाही में 22000 करोड़ रुपए पर पहुंचा आंकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यू फंड ऑफरिंग एनएफओ के माध्यम से म्यूचुअल फंड कलेक्शन में मौजूदा वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में उछाल आया है। इस दौरान यह पिछली तिमाही की तुलना में करीब चार गुना बढ़कर 22000 करोड़ रुपए हो गया।

जुलाई-सितंबर अवधि के दौरान 48 नई स्कीम बाजार में आई है। विशेषज्ञों ने कहा कि आगे बढ़ते हुए आने वाली तिमाहियों में और अधिक एनएफओ की उम्मीद की जा सकती है। कई एएमसी चालू हो गए हैं और इक्विटी और डेट निवेशकों को समान और अलग प्रोडक्ट्स पेश करते हैं।

सितंबर 2023 में समाप्त तिमाही के दौरान 48 स्कीम लॉन्च की गई, जो एनएफओ पीरियड में कुल 22049 करोड़ रुपए जुटा पाई। मॉर्निंगस्टार इंडिया के आंकड़ों के अनुसार यह उन 25 एनएफओ से कहीं अधिक है, जिन्होंने जून तिमाही में अपनी एनएफओ अवधि के दौरान 5539 करोड़ रुपए कलेक्ट किए थे। आमतौर पर एनएफओ बाजार में तेजी के दौरान तब आते हैं जब निवेशकों का सेंटीमेंट हाई होता है और उन्हें तेजी की उम्मीद होती है। एनएफओ निवेशकों के मूड को भुनाने और उनके निवेश को आकर्षित करने के लिए जारी किए गए।

इक्विटी के चलते एनएफओ में भारी निवेश

एनएफओ में यह भारी निवेश मुख्य रूप से इक्विटी के प्रति ओवरऑल सेंटीमेंट के कारण है। एसआईपी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान में निवेश बढ़कर 16900 रुपए प्रति माह हो गया है। इस साल की शुरुआत से म्यूचुअल फंड में कुल निवेश 80000 करोड़ रुपए रहा हैए इसलिए इक्विटी की ओर मोमेंटम के चलते एनएफओ को भी अच्छा निवेश मिल रहा है। निवेशकों को भारत की ग्रोथ स्टोरी और ऑर्गेनाइज्ड स्पेस में नए सेगमेंट्स की शुरुआत पर भरोसा होने के कारण अधिक से अधिक कंपनियां प्राइमरी और सेकेंडरी मार्केट ऑफरिंग के माध्यम से फंड की तलाश कर रही हैं।

इंजीनियरों ने लिया हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प

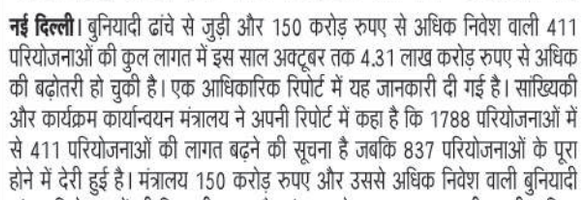

भोपाल। जैन इंजीनियर्स सोसायटीए भोपाल चैप्टर द्वारा जैन इंजीनियर्स सोसायटी का 16वां राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार को भोपाल में संपन्न हुआ। इस मौके पर देशभर के इंजीनियरों ने हरित भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया है। अधिवेशन की थीम इंजीनियरिंग के माध्यम से एक हरित भविष्य का निर्माण थी। कार्यक्रम में देश भर के 22 चैप्टर के 160 से अधिक सदस्यों से भागीदारी की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीव वार्ष्णेय आईआरएस प्रधान आयकर आयुक्त भोपाल ने राजेंद्र सिंह, संतोष कुमार जैन, भोपाल चैप्टर अध्यक्ष सुनील जैन, आयोजन समिति के अध्यक्ष देवेंद्र कुमार जैन, सचिव भोपाल चैप्टर संदीप जैन, शरतचंद्र सेठी के साथ दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आरएन सुनकर आईआरएसई सदस्य अवसंरचना, रेलवे बोर्ड और नेशनल हाईस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम से जुड़कर अपने विचार साझा किए। विशिष्ट अतिथि डॉ. अमोघ गुप्ता, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर विजयवाड़ा आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष ने सस्टेनेबल अर्बन प्लानिंग पर अपने विचार प्रस्तुत किए। राजीव वार्ष्णेय ने देश भर से आए 22 चैप्टर्स के सदस्यों को आयकर विभाग की फेसलेस असेसमेंट स्कीम के बारे में विस्तार से बताया। टेक्निकल सत्र में देश भर से आए इंजीनियर्स ने इस वर्ष की थीम क्रिएटिंग ए ग्रीनर फ्यूचर विथ इंजीनियरिंग पर अपने विचार व्यक्त किए। टेक्निकल सत्र ऊर्जा दक्षता और नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण और जल प्रबंधन, वायु प्रदूषण नियंत्रण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और शहरी विकास और पर्यावरण पर केंद्रित रहे।

ढांचागत क्षेत्र की परियोजना लागत में इजाफा

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचे से जुड़ी और 150 करोड़ रुपए से अधिक निवेश वाली 411 परियोजनाओं की कुल लागत में इस साल अक्टूबर तक 4.31 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बढ़ोतरी हो चुकी है। एक आधिकारिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 1788 परियोजनाओं में से 411 परियोजनाओं की लागत बढ़ने की सूचना है जबकि 837 परियोजनाओं के पूरा होने में देरी हुई है। मंत्रालय 150 करोड़ रुपए और उससे अधिक निवेश वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय ने अक्टूबर 2023 की अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा, सभी ढांचागत परियोजनाओं की सम्मिलित मूल लागत 2478446.60 करोड़ रुपए थी लेकिन अब उनके पूरा होने पर आने वाली कुल लागत 2909526.63 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। यह लागत में 431080.03 करोड़ रुपए की वृद्धि को दर्शाता है जो कि मूल लागत का 17.39 प्रतिशत अधिक है।

इंटेग्रा एसेंशिया का परिचालन राजस्व 17 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। लाइफ एसेंशियल्स के कारोबार में लगी कंपनी इंटेग्रा एसेंशिया का 30 सितंबर को समाप्त तिमाही के लिए परिचालन राजस्व 17.11 फीसदी बढ़ गया, जो वित्तवर्ष 2023 की दूसरी तिमाही में 5712.55 लाख रुपए से वित्तवर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 6689.71 लाख रुपए रहा। तिमाही में कंपनी का एबिटा 420.98 फीसदी बढ़कर वित्तवर्ष 2023 की दूसरी तिमाही में 211.11 लाख रुपए से बढ़कर वित्तवर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 1099.84 लाख रुपए पहुंच गया। तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 248.71 फीसदी बढ़ा, जो वित्तवर्ष 2023 की दूसरी तिमाही में 215.88 लाख रुपए से वित्तवर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में 752.79 लाख रुपए हुआ। वहीं 30 सितंबर को समाप्त छमाही के लिए ऑपरेशनल रेवेन्यू 7.79 फीसदी बढ़ गया और वित्तवर्ष 2023 की पहली छमाही में 11309.01 लाख रुपए से बढ़कर वित्तवर्ष 2024 की पहली छमाही में 12189.55 लाख रुपए हुआ। छमाही में कंपनी का टैक्स के बाद शुद्ध लाभ 217.68 फीसदी बढ़ गया, जो वित्तवर्ष 2024 की पहली छमाही में 871.09 लाख रुपए हुआ।

आरबीआई लाएगा जुर्माने का नया मानदंड

रडार पर आएंगे प्रबंधन स्तर के प्रमुख अधिकारी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई अपने जुर्माना ढांचे की संपूर्ण समीक्षा कर सकता है। इसमें जुर्माना रा?शि को बढ़ाने, विनियमित इकाइयों, खास तौर पर प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण संस्थाओं के आकार से इसे जोड़ने की व्यवहार्यता पर विचार किया जा सकता है। इसके साथ ही नियमों का बार-बार उल्लंघन और मुख्य कार्या?धिकारियों एवं प्रबंधन स्तर के प्रमुख अधिकारियों केएमपी से भुगतान वापस लेने जैसे उपाय किए जा सकते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मामले में केएमपी पर आरबीआई के वरिष्ठ पर्यवेक्षी प्रबंधक द्वारा की गई टिप्पणी से यह तय हो सकता है कि वे अपने करियर में कैसी प्रगति करेंगे। यह विनियमित इकाइयों आरई पर अति?रिक्त पूंजी शुल्क लगाने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। यह समीक्षा विनियमित इकाइयों में कारोबार संचालन के मानकों में सुधार लाने और उस पर प्रीमियम बढ़ाने के केंद्रीय बैंक के कदम का हिस्सा है। यह विचार 22 और 20 मई को सार्वजनिक और निजी बैंकों के बोर्डों के साथ आरबीआई गवर्नर श?क्तिकांत दास की बैठक के बाद आया है। इस बैठक में कारोबारी संचालन, बोर्डों की भूमिका और पर्यवेक्षी अपेक्षाओं से संबं?धित मुद्दों पर चर्चा की गई थी। वित्त वर्ष 2024 के लिए अपनी प्रवर्तन पहल के तहत आरबीआई द्वारा निर्धारित प्रमुख एजेंडा इस मुद्दे पर व्यापक दृ?ष्टिकोण की व्यवहार्यता को परखना था।

2023 में 40.39 करोड़ का जुर्माना

वित्त वर्ष 2023 में 211 मामलों में कुल 40.39 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया था। इसी तरह वित्त वर्ष 2022 में 189 मामलों में 65.32 करोड़ रुपए और 2021 में 61 मामलों में 31.36 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया था। इसमें तकनीकी पहलू की भी भूमिका होती है और जुर्माना थोड़े-थोड़े अंतराल पर लगाया जाता है। विनियमित इकाइयों पर जुर्माना लगाने की प्रमुख वजह बैंकिंग विनियमन अ?धिनियम 1949 की धारा 26 एए साइबर सुरक्षा का उल्लंघन, निवेश में नियम का अनुपालन नहीं करना और आय पहचान और संप?त्ति वर्गीकरण आईआरएसी नियमों का उल्लंघन, अपने ग्राहक को जानें दिशानिर्देश का उल्लंघन, धोखाधड़ी वर्गीकरण और उसकी रिपोर्ट करना, बड़ी उधारी की केंद्रीय सूचना रिपॉजिटरी में सूचना देना आदि में नियमों का पालन न करना शामिल है।

मिर्गी संबंधों, करियर, सामाजिक स्थिति पर डालती है असर

कोच्चि, (वार्ता)। केरल में विशेषज्ञों ने बताया कि मिर्गी संबंधों, करियर, वित्त और सामाजिक स्थिति को प्रभावित करती है। कोच्चि के अमृता अस्पताल के प्रमुख न्यूरोलॉजिस्टों में से एक ने मिर्गी के बढ़ते रोग पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मिर्गी की समग्र घटनाओं और व्यापकता में वृद्धि की आशंका जताते हुए बढ़ती उम्र की आबादी की वर्तमान प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला है। मिर्गी के लगभग 80 प्रतिशत मरीज निम्न और मध्यम आय वाले देशों में रहते हैं, खासकर गरीब सामाजिक-आर्थिक तबके में। कई नव निदान मिर्गी रोगी वृद्ध व्यक्ति हैं। अमृता अस्पताल में मिर्गी रोग विशेषज्ञ और न्यूरोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. सिबी गोपीनाथ ने भारत में मिर्गी की स्थिति पर हाल के निष्कर्षों पर विचार करते हुए कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा,'मिर्गी आम न्यूरोलॉजिकल विकारों में से एक है, और भारत में ही, हमारे पास एक करोड़ से अधिक मरीज मिर्गी से प्रभावित है। भारत को इलाज में भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे शहरी क्षेत्रों में 22 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 90 प्रतिशत का इलाज नहीं किया जा रहा है।''

उन्होंने कहा कि मिर्गी में हाथ और पैर का मरोड़ना, गिरना, और मुंह से झाग निकलना सहित कई लक्षण पाए जाते है। विशेष रूप से, दौरे अलग-अलग हो सकते हैं, जिनमें से कुछ बोलने में अचानक रुकावट और खाली घूरना, आंखों का तेजी से झपकना और भ्रम, अस्पष्ट भय, दृश्य मतिभ्रम के रूप में प्रकट होते है। डा़ गोपीनाथ भ्रांतियों को दूर करते हुए इस बात पर जोर देते हैं कि मिर्गी एक तंत्रिका संबंधी विकार है, मानसिक विकार नहीं। मिर्गी किसी भी उम्र में विकसित हो सकती है और दौरे विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकते हैं।

उन्होंने कहा,'मिर्गी का प्रबंधन मुख्य रूप से दौरे-रोधी दवाओं पर निर्भर करता है, जिसमें 70-75 प्रतिशत रोगियों में सकारात्मक प्रतिक्रिया देखी गई है। मिर्गी के प्रकार, उम्र और लिंग, रोगी के व्यवसाय जैसे कारकों के आधार पर दवाओं को अनुकूलित किया जाता है।'' उन्होंने कहा कि शेष 30 प्रतिशत के लिए, सर्जिकल विकल्प संभव है। अफसोस की बात है, देखभाल करने वालों को अक्सर मिर्गी से पीड़ित परिवार के सदस्य की देखभाल में मदद करने के लिए ज्ञान की कमी होती है। आम जनता में शिक्षा और जागरूकता की उल्लेखनीय कमी है कि मिर्गी से पीड़ित लोगों का समर्थन कैसे किया जाए।'

हमारे पास एक करोड़ से अधिक मरीज मिर्गी से प्रभावित हैं। भारत को इलाज में भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे शहरी क्षेत्रों में 22 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 90 प्रतिशत का इलाज नहीं किया जा रहा है।''

72 वर्ष की हुईं जीनत अमान

मुंबई (वार्ता) बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री जीनत अमान आज 72 वर्ष की हो गईं। जीनत अमान का जन्म 19 नवम्बर 1951 को जर्मनी में हुआ। उनके पिता अमानउल्लाह ने मुगलेआजम और पाकीजा जैसी सुपरहिट फिल्मों में बतौर लेखक काम किया था । महज 13 वर्ष की उम्र में जीनत के सिर से पिता का साया उठ गया। तब उनकी मां उन्हें जर्मनी लेकर चली गईं। लगभग पांच वर्ष तक जर्मनी में रहने के बाद महज 18 साल की जीनत मुंबई आ गईं। मुंबई आने के बाद जीनत ने सेंट जेवियर कालेज से स्नातक की शिक्षा पूरी की

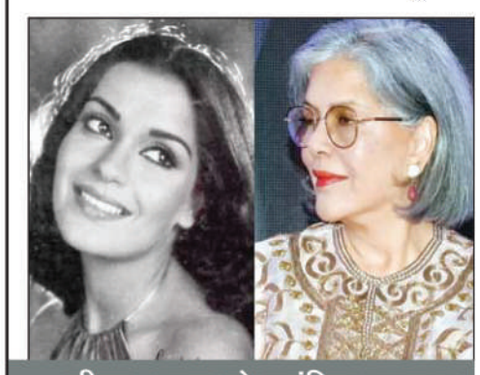

जीनत अमान को प्रारंभिक सफलता वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' से मिली। इस फिल्म में जीनत अमान ने देवानंद की बहन की भूमिका निभाई थी

और आगे की पढ़ाई के लिए अमरीका के मशहूर कालेज कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में दाखिला लिया। जीनत अमान ने अपने करियर की शुरूआत मशहूर पत्रिका 'फेमिना' से बतौर पत्रकार के रूप में की लेकिन जल्द ही उनका मन इससे उचट गया और वह मॉडलिंग के क्षेत्र में उतर गईं। इसके बाद जीनत अमान ने मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसमें वह दूसरी उप विजेता रहीं और बाद में उन्हें मिस इंडिया पैसिफिक प्रतियोगिता का खिताब जीता। जीनत अमान ने अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1971 में ओ.पी.रल्हन की फिल्म 'हलचल' से की ।

वर्ष 1971 में ही जीनत को एक बार फिर से ओ.पी.रल्हन के साथ फिल्म ..हंगामा में काम करने का मौका मिला । दुर्भाग्य से उनकी दोनों फिल्में टिकट खिड़की पर विफल रहीं। जीनत अमान को प्रारंभिक सफलता वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' से मिली। इस फिल्म में जीनत अमान ने देवानंद की बहन की भूमिका निभाई थी। फिल्म में दमदार अभिनय के लिये जीनत अमान को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार भी मिला। जीनत अमान के अभिनय का सितारा निर्माता.-निर्देशक नासिर हुसैन की 1973 में प्रदर्शित फिल्म 'यादों की बारात' से चमका। बेहतरीन गीत-संगीत और अभिनय से सजी इस फिल्म की कामयाबी ने जीनत अमान को स्टार के रूप में स्थापित कर दिया। फिल्म में उन पर फिल्माया यह गीत 'चुरा लिया है तुमने जो दिल को 'आज भी श्रोताओं को मांमुग्ध कर देता है। वर्ष 1978 में जीनत अमान को महान शो मैन राजकपूर की फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' में काम करने का मौका मिला।

इंजेक्टेबल ग्लूकोज मॉनिटर बनाने के प्रयास

न्यूयॉर्क (आईएएनएस)। अमेरिका में टेक्सास एएंडएम विश्वविद्यालय के शोधकर्ता पूरी तरह से इंजेक्टेबल निरंतर ग्लूकोज मॉनिटर (सीजीएम) बनाने पर काम कर रहे हैं। यह इतना छोटा होगा कि यह चावल के एक दाने को टक्कर दे सकता है। शुगर के स्तर को मापने के लिए बाहरी ऑप्टिकल रीडर के साथ इसका उपयोग किया जा सकता है। विश्वविद्यालय में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के दो फैकल्टी मेंबर को एक इंजेक्शन, चावल के दाने के आकार के ग्लूकोज बायोसेंसर और पहनने योग्य उपकरण विकसित करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन (एनएसएफ) से अनुदान प्राप्त हुआ है। सह प्रमुख अन्वेषक और रीजेंट्स प्रोफेसर डॉ. जेरार्ड कोटे ने कहा, सतत ग्लूकोज मॉनिटर व्यावसायिक रूप से उपलब्ध हैं, लेकिन उनमें से अधिकतर अंतर्निहित हैं, जिसका अर्थ है कि बांह पर एक पैच से जुड़ी त्वचा में एक सुई होती है। उन्होंने कहा, एक सीजीएम है जो पूरी तरह से प्रत्यारोपित किया जा सकता है। इसे चीरा लगाकर शल्य चिकित्सा द्वारा प्रत्यारोपित करने के लिए डॉक्टर की आवश्यकता होती है। कोटे और उनकी लैब इंजेक्टेड सेंसर की केमिस्ट्री डिजाइन कर रहे हैं और वॉच-टाइप रीडर डिवाइस विकसित कर रहे हैं। सेंसर को त्वचा के नीचे लगाया जाता है और ग्लूकोज एकाग्रता निर्धारित करने के लिए घड़ी जैसी डिवाइस से प्रकाश का उपयोग करके विश्लेषण किया जाता है। रीडर सेल फोन पर सिग्नल भेजता है और मरीज अपने स्वास्थ्य प्रदाता के साथ परिणाम साझा कर सकता है। कोटे ने समझाया, इंजेक्टेबल सेंसर में रासायनिक परख का उपयोग टिश्यू के भीतर ग्लूकोज की एकाग्रता को निर्धारित करने के लिए किया जाता है, जहां घड़ी उपकरण प्रकाश भेजती है। सेंसर और पहनने योग्य रीडर एक ऑप्टिकल सेंसिंग तकनीक का उपयोग करते हैं, जो गहरे रंग की त्वचा वाली आबादी के लिए बायोसेंसिंग से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करती है।

भारत की जीत पर अमेठी का चाट वाला खिलाएगा फ्री चाट

अमेठी (वार्ता)। देश में क्रिकेट को लेकर जबरदस्त दीवानगी देखने को मिलती है और बात अगर विश्वकप की हो तो खुमार कितने चरम पर होता है इसकी एक बानगी अमेठी के एक चाट विक्रेता की घोषणा में नजर आ रही है जिसने आज खेले जाने वाले आईसीसी विश्वकप मुकाबले में भारत की जीत होने पर सभी लोगों को फ्री में चाट खिलाने की घोषणा कर दी है।

क्रिकेट के जबरदस्त फैन इस चाट विक्रेता ने शनिवार से ही बाकायदा अपने ठेले पर फ्री का बोर्ड लगा दिया है। चाट विक्रेता ने बताया कि हमारी इंडिया टीम विश्वकप फाइनल खेल रही है। हम चाहते है कि हमारी इंडिया टीम फाइनल मैच जीते हमारे इंडिया वाले बहुत खुश होंगे। हम भी बहुत खुश होंगे क्योंकि हम भी बहुत मैच खेलते थे। इस खुशी के पल में हम अपनी दुकान पर सोमवार के सुबह 10:30 बजे से जब तक हमारी दुकान में सामान रहेगा हम फ्री में सबको चाट खिलाएंगे।

'जिया जले' पर जाह्नवी कपूर के डांस की तुलना श्रीदेवी से

मुंबई (आईएएनएस)। बॉलीवुड दिवा जाह्नवी कपूर को शास्त्रीय नृत्य से बेहद प्रेम है। अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला वीडियो साझा किया है, जिसमें वह सफेद अनारकली सूट में शास्त्रीय नृत्य करती देखी जा सकती हैं। वीडियो में जाह्नवी को बिना मेकअप के लुक में दिखाया गया है, उनके बाल बंधे हुए हैं और उन्होंने झुमके पहने हुए हैं। वह प्रतिष्ठित ट्रैक 'जिया जले' पर परफॉर्म कर रही हैं। इस गाने को लता मंगेशकर और एम.जी. श्रीकुमार ने गाया है। यह गाना 1998 की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'दिल से' का है, जिसमें शाहरुख खान, मनीषा कोइराला और प्रीति जिंटा ने अभिनय किया है।

जाह्नवी ने अपने रील वीडियो को कैप्शन दिया, त्आखिर कार क्रिकेट की चोटों के बाद डांस क्लास में वापस आ गई। अभिनेत्री ने शायद उन चोटों का जिक्र किया है जो कथित तौर पर उन्हें अपनी फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की शूटिंग के दौरान लगी थीं। एक फैन ने टिप्पणी की, कितना सुंदर एक अन्य दर्शक ने लिखा, खूबसूरत डांस और मूव्स... ऐसा लग रहा है जैसे श्रीदेवी मैम डांस कर रही हैं।

साइको थ्रिलर फिल्म में नजर आएंगी कंगना रनौत

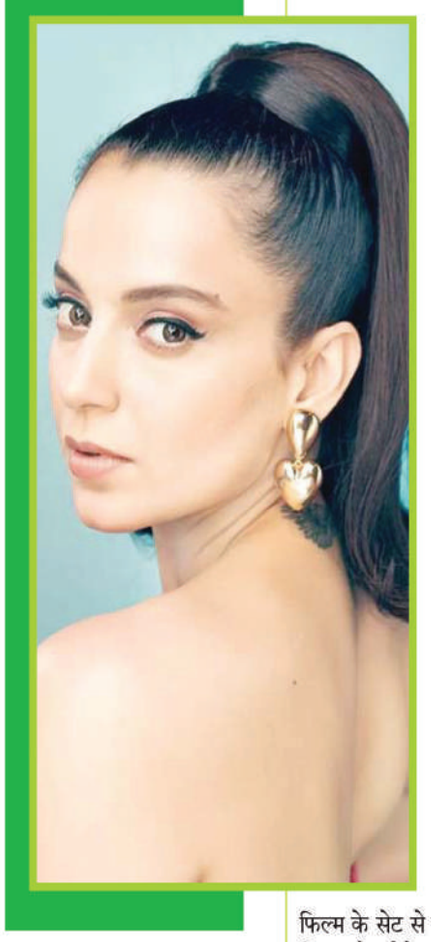

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत साइको थ्रिलर फिल्म में काम करती नजर आएंगी। कंगना रनौत ने अपनी आने वाली फिल्म का ऐलान कर दिया है। कंगना ने चेन्नई में इस फिल्म शूटिंग भी शुरू कर दी है। यह फिल्म साइकोलॉजिकल थ्रिलर जॉनर की होगी। कंगना ने एक्स (ट्विटर) पर पूजा की तस्वीर शेयर की है। फोटो में देखा जा सकता है कि फिल्म स्लेट में प्रोडक्शन नंबर 18 लिखा हुआ है। साथ ही प्रोड्यूसर और डायरेक्टर का नाम लिखा है। इस फिल्म का निर्देशन विजय कर रहे है, जबकि प्रोड्यूसर आर. रविंद्रन हैं। कंगना रनौत ने फिल्म के सेट से फोटो शेयर करते हुए लिखा, चेन्नई में हमने अपनी नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी। यह एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। अन्य डिटेल्स जल्द ही बताऊंगी।

वर्ष 1999 सुष्मिता सेन के करियर के लिये अहम साल साबित हुआ। इस वर्ष उनकी बीबी नंबर वन और सिर्फ तुम जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुई। बीबी नंबर वन के लिए सुष्मिता सेन को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया

48 वर्ष की हुईं सुष्मिता सेन

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री और पूर्व यूनिवर्स सुष्मिता सेन आज 48 वर्ष की हो गईं। सुष्मिता सेन का जन्म आंध्रप्रदेश के हैदराबाद में 19 नवम्बर 1975 को हुआ था। सुष्मिता सेन के पिता सुबीर सेन एयर फोर्स में विंग कमांडर थे, जबकि मां शुभरा सेन ज्वैलरी व्यवसाय से ताल्लुक रखती थीं। सुष्मिता सेन ने वर्ष1994 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया, जिसमें वह प्रथम चुनी गईं। इसके बाद वर्ष 1994 में सुष्मिता सेन मिस यूनिवर्स चुनी गईं। सुष्मिता सेन ने अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 1996 में प्रदर्शित फिल्म दस्तक से की, लेकिन यह फिल्म कोई खास कमाल नहीं दिखा सकी।इसके बाद सुष्मिता सेन को वर्ष 1997 में सन्नी देओल के अपोजिट जोर में काम करने का अवसर मिला, लेकिन यह फिल्म भी टिकट खिड़की पर असफल रही।

वर्ष 1999 सुष्मिता सेन के करियर के लिये अहम साल साबित हुआ। इस वर्ष उनकी बीबी नंबर वन और सिर्फ तुम जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुई। बीबी नंबर वन के लिए सुष्मिता सेन को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं, सिर्फ तुम के लिये इसी श्रेणी में नामांकित किया गया। वर्ष 2002 में सुष्मिता सेन को मेघना गुलजार निर्देशित फिल्म फिलहाल में काम करने का अवसर मिला। इस फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये सुष्मिता सेन को एक बार फिर से सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया। वर्ष 2004 में प्रदर्शित फिल्म मैं हूँ ना सुष्मिता सेन के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में शुमार की जाती है।

'धूम' के निर्देशक संजय गढवी का 56 साल की उम्र में निधन

मुंबई (भाषा)। फिल्म 'धूम' के निर्देशक संजय गढवी का रविवार सुबह यहां उनके आवास पर निधन हो गया। उनकी बड़ी बेटी संजीना ने यह जानकारी दी। वह 56 वर्ष के थे। गढवी तीन दिन बाद अपना 57वां जन्मदिन मनाते। उन्हें यशराज फिल्म्स की 'धूम' सीरीज की फिल्मों 'धूम' (2004) और 'धूम 2' (2006) के निर्देशन के लिए जाना जाता है। गढवी की बेटी के अनुसार निर्देशक 'पूरी तरह स्वस्थ' थे। संजीना ने बताया, 'आज सुबह साढ़े नौ बजे अपने आवास पर उनका निधन हो गया। हमें यकीन नहीं हो रहा है कि यह कैसे हो गया, लेकिन इस बात की आशंका अधिक है कि उन्हें दिल का दौरा पड़ा होगा। वह अस्वस्थ नहीं थे, वह पूरी तरह से स्वस्थ थे।' फिल्म 'हम तुम' और 'फना' के निर्देशक कुणाल कोहली समेत कई फिल्मी हस्तियों ने सोशल मीडिया पर गढवी के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

पंडित नेहरू की कथित 'पत्नी' बुधनी ने दुनिया को अलविदा कहा

रांची (आईएएनएस)। पिछले 70 सालों से अपने ही जाति-समाज के बहिष्कार का दंश झेल रही झारखंड की बुधनी मंझियाईन बीते शुक्रवार की रात दुनिया से रुखसत हो गईं। यह बुधनी ही थीं, जिन्होंने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की मौजूदगी में दामोदर वैली कॉरपोरेशन के पंचेत डैम और हाईडल पावर प्लांट का उद्घाटन किया था। लेकिन, इसी दिन के बाद उनके जाति-समाज ने उनके माथे पर तिरस्कार की एक ऐसी लकीर चिपका दी थी, जिसे वह ताजिंदगी ढोती रहीं। बुधनी मंझियाईन की पूरी कहानी अजीबोगरीब है। वह 6 दिसम्बर 1959 की तारीख थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू झारखंड के धनबाद जिले में डीवीसी (दामोदर वैली कॉरपोरेशन) की ओर से निर्मित पंचेत डैम और हाईडल पावर प्लांट का उद्घाटन करने पहुंचे थे। तय हुआ कि नेहरू जी का स्वागत झारखंड के संथाली आदिवासी समाज की लड़की बुधनी मांझी करेगी। बुधनी इस डैम के निर्माण के दौरान मजदूर के तौर पर काम करती थीं। उस वक्त उनकी उम्र करीब 15 साल थी।

पारंपरिक आदिवासी परिधान और जेवरात से सजी बुधनी ने नेहरू जी का स्वागत करते हुए उन्हें माला पहनाई। नेहरू जी ने बुधनी का सम्मान करते हुए अपने गले की माला उतारकर उसके गले में डाल दी। नेहरू जी ने पनबिजली प्लांट का उद्घाटन भी बुधनी के हाथों बटन दबाकर कराया। लेकिन, तब 15 साल की इस लड़की को कहां पता था कि प्रधानमंत्री की मौजूदगी में मिला सम्मान उसके अपने ही समाज में उसके तिरस्कार और बहिष्कार की वजह बन जाएगा ? दरअसल, संथाल आदिवासी समाज में उस वक्त तक परंपरा थी कि कोई लड़की या स्त्री किसी पुरुष को माला नहीं पहनाएगी। लड़का-लड़की या स्त्री-पुरुष एक-दूसरे को माला पहना दें तो इसे विवाह मान लिया जाएगा। सो, नेहरू जी ने सम्मान के साथ जो माला बुधनी के गले में डाली थी, वह उसके लिए जी का जंजाल बन गई। बुधनी के हाथों पंचेत डैम और पनबिजली प्लांट के उद्घाटन की खबरें और तस्वीरें अगले रोज देश के तमाम अखबारों में प्रमुखता के साथ छपीं, लेकिन संथाल आदिवासी समाज में इस घटनाक्रम को लेकर उल्टी प्रतिक्रिया हुई।

समाज ने बकायदा पंचायत बुलाई और ऐलान कर दिया कि बुधनी की शादी नेहरू के साथ हो गई है। वह पूरी जिंदगी नेहरू की पत्नी मानी जाएगी। चूंकि, नेहरू संथाल-आदिवासी समाज के बाहर के व्यक्ति हैं, इसलिए बुधनी का संथाल समाज का कोई संबंध-सरोकार नहीं रहेगा।

समाज ने बकायदा पंचायत बुलाई और ऐलान कर दिया कि बुधनी की शादी नेहरू के साथ हो गई है। वह पूरी जिंदगी नेहरू की पत्नी मानी जाएगी। चूंकि, नेहरू संथाल-आदिवासी समाज के बाहर के व्यक्ति हैं, इसलिए बुधनी का संथाल समाज का कोई संबंध-सरोकार नहीं रहेगा। पंचायत के ऐलान के बाद बुधनी के लिए घर-परिवार-समाज में जगह नहीं रही। उनका पैतृक गांव भी पंचेत डैम के डूब क्षेत्र में आ गया था और उनका परिवार विस्थापित होकर दूसरी जगह जा चुका था। बुधनी को डीवीसी में श्रमिक के तौर पर नौकरी मिली थी, लेकिन, 1962 में उसे अज्ञात वजहों से नौकरी से निकाल दिया गया। कहते हैं कि आदिवासी समाज के आंदोलन और विरोध की वजह से डीवीसी ने उसे हटा दिया था। इसके बाद वह काम की तलाश में बंगाल के पुरुलिया जिले के सालतोड़ गई तो वहां उसकी मुलाकात सुधीर दत्ता नामक शख्स से हई। सुधीर उन्हें अपने घर ले गए, जहां दोनों पति-पत्नी की तरह रहने लगे। हालांकि, दोनों की औपचारिक तौर पर शादी नहीं हुई। दत्ता से बुधनी को एक बेटी भी हुई। बरसों बाद भी संथाल समुदाय ने बुधनी और उसके परिवार का बहिष्कार वापस नहीं लिया। सुधीर और बुधनी की बेटी का नाम रत्ना है। उनकी शादी हो चुकी है।

बुधनी एक बार फिर चर्चा में तब आई, जब किसी कांग्रेसी नेता ने नेहरू जी और बुधनी से जुड़े प्रसंग की चर्चा 1985 में तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी से की। राजीव गांधी ने बुधनी को अपने पास बुलवाया। उनके निर्देश पर डीवीसी ने बुधनी को वापस नौकरी में बहाल कर लिया। यहां नौकरी करते हुए वह रिटायर हुई तो सालतोड़ा में ही एक छोटे से घर में रहने लगीं। बुधनी कहती थीं कि डीवीसी के प्लांट और डैम की वजह से उसके पुरखों का घर उजड़ा, इसलिए डीवीसी को उन्हें एक मकान बनाकर देना चाहिए। वह चाहती थीं कि उनकी बात अगर राहुल गांधी तक पहुंच जाए, तो उनका मकान जरूर बन जाएगा। बीते शुक्रवार (17 नवंबर) को पंचेत हिल हॉस्पिटल में बुधनी ने आखिरी सांस ली। कुछ दिन पहले तबीयत खराब होने के बाद उन्हें यहां दाखिल कराया गया था। उनके निधन की खबर सुनकर इलाके के मुखिया और कई मानिंद लोग हॉस्पिटल पहुंचे थे। उनकी बेटी रत्ना भी आखिरी वक्त में उनके पास थीं।

रामायण

भगवान कहां हैं?

उसने कहा, ''मुझे भगवान के दर्शन करने हैं।'' महर्षि रमन बोले, ''मेरे पीछे चलो।'' महर्षि रमन बहुत कम बोलते थे। जिसकी ओर दृष्टि फेंकते थे उसका समाधान हो जाता था। कोई बोल नहीं सकता था। कितनी ऊंची साधना थी। दोनों एकाध मील चले होंगे। फिर एक झोंपड़ी आई। झोंपड़ी में महर्षि रमन गये। वह जर्मन व्यक्ति बाहर खड़ा रहा। पांच-दस मिनट हो गये पर महर्षि रमन नही आये। तब वह अंदर आया और बोला, ''बाबा मुझे भगवान के दर्शन करने हैं।'' महर्षि रमन बोले, ''तू बाहर क्यों खड़ा है? भीतर आ जा!'' वह बोला, 'बाबा भगवान कहां हैं?'' महर्षि रमन एक रक्तपित्त रोगी की ओर इशारा करते हुए बोले, ''यही मेरा भगवान है।'' उसे महर्षि नहला रहे थे। फिर बोले, ''यदि तू इसमें भगवान देख सकता है तो सारे जहां में भगवान हैं। यदि इसमें भगवान नहीं देख सकता तो कहीं पर भी जाकर सिर पटक ले। तूझे भगवान नहीं मिलेगा।'' छोटे से छोटे व्यक्ति को बुलाओ। महानता उसी में है पर हमारे यहां सब विपरीतावस्था में होता है। आप देखना। व्यक्ति बेटे का विवाह कराता है, फिर पन्द्रह दिन बाद सबके घर बैठने जाये। बड़ा परिवार है। सबको उसे खिलाना पड़े। इतना खर्च करना पड़े। इतने गहने...सबके यहां हिसाब करता है। सबके यहां चाय पीता है। अरे मानस! तू अपने बेटे का विवाह करने लगा तो कौन-सी नई ख्यात है? जो सबको कहने लगा? किसी विधवा का पुत्र, हल्दी लगाई हो और विवाह के दिन नदी किनारे रोते-रोते हल्दी उतारता हो उसे घोड़े पर बिठाकर ब्याह कर दे। उसका इतिहास लिखा जायेगा। यह तो सभी मानते हैं कि कौवे और कोयल का रंग एक सा होता है। कौआ बहुत चालाक होता है। वह एक दीवार पर बैठा हो और हम नीचे हों। हम खाली सिर खुजलायें तो वह यही समझेगा कि मुझे कोई कंकड़ मार रहा है। तुरंत उड़ जायेगा। इतना चतुर चपल प्राणी है।

मोरारी बापू जी

आनन्द का स्वरूप हैं भगवान

तुम भगवान को चाहते रहे, तुम भगवान का नाम जपते हो, जब कोई मुसीबत सिर आन खड़ी हो, जब कोई संसार की इच्छा-कामना तुमको सताती है, बिलबिलाते हुए पहुंच जाते हो मंदिरों, गुरुद्वारों में। मैं कहती हूं, सच्चा परमात्मा प्रकट था तुम्हारे ही दिल के अंदर, उससे कुछ लेना-देना नहीं, पर भटकता फिरता है यहां-वहां। भगवान कहते हैं-मैं आनंद का स्वरूप हूं। भगवान कहता है-मैं रस का स्वरूप हूं। वेद का एक वचन है-'रसो वै सः' भगवान अपने मुख से कह रहे हैं। बोल तो ऋषि रहा है, पर वह कह रहा है कि परमात्मा रसस्वरूप है। जिसका मन रस नहीं चाहता? किसका मन आनंद नहीं चाहता? किसका मन सुख का भिक्षुक नहीं है? है इच्छा? अरे, तो फिर देर क्यों करता है? चल, आ न! प्रभु के दर बैठ न! जरा उसकी खोज तो कर! जरा उसके साथ प्रीत तो कर! तुम तो पाठ भी करोगे तब, जब कोई सुखना सुखी हो। तुम तो माला फेरोगे तब, जब कोई मांग लगी हो पीछे। तुम तो उसको याद भी करोगे तब, जब दुनिया तुमको सताए और दुख आए। कभी उसको सुख की घड़ी में याद किया? कभी उसको शांति और सुख के क्षणों में भी खोजना चाहा? मैं फिर कह दूं-भले मैं जानती हूं, तुममें से बहुत थोड़े लोग होंगे जिनके दिल में यह तमन्ना, यह आरजू हो कि वे जानें कि वे कौन हैं? वे जानें कि वे कहां से आए हैं? कि वे जाने कि वे मरने के बाद कहां जाएंगे? कि वे जानें कि क्या सच में कोई भगवान है और अगर है तो क्या उससे मेरी मुलाकात हो सकती है? और अगर मुलाकात हो सकती है तो क्या वह इदम् रूप से होगी कि अहम् रूप से होगी? इदम् माने वह, अहम् माने मैं। कैसे मिलेगा वह? सामने आकर खड़ा हो जाता है? कि वह मेरी 'मैं' में प्रकट हो जाता है? कैसे मिलाप होता है परमात्मा का? क्या है उसका मिलना? क्या है आत्मसाक्षात्कार? मुझे मालूम है, भलीभांति मालूम है।

गुरु मां

बाइबल की कहानियां

ईश्वर का प्रतीक चिन्ह

आहाज किसी और ईश्वर को मानने को राज़ी नहीं था। इसीलिए यशायाह ने उसे एक चीन मांगने को कहा। एक ऐसा चिन्ह जो ईश्वर का प्रतिक होगा। आहाज बहुत कि चालक था वह जनता था कि अगर वह ऐसा कोई चिन्ह मांगता है तो इसके बाद वह असीरिआ के राजा से मदद नहीं मांग पाएगाऔर असीरिआ का राजा मूर्ति पूजा किया करता था। इसीलिए वह ऐसा करने से मना कर देता है और यशायाह को वहाँ से भगा देता है। इसके बाद आहाज असीरिआ के राजा के पास अपने दूत को मदद के लिए भेजता है और असीरिआ का राजा दो शर्तो पर राज़ी हो जाता है। जिसमे से पहली शर्त यह थी कि जदह को हर साल ढेर सारा पैसा देना होगा और दूसरी शर्त यह थी कि जुडाह में जगह-जगह युद्ध के देवता कि मूर्ति लगानी होगी। आहाज असीरिआ कि शर्तों पर राज़ी हो गया। इसके बाद असीरिआ ने अपनी सेना आहाज को दी जिससे आहाज युद्ध जीत गया। अब जुडाह युद्ध जीत चूका था लेकिन अब वह देश आज़ाद नहीं था। जुडाह में जगह जगह मुर्तिया लगी थी जिससे जुडाह के लोग पसंद नहीं करते थे। इसके बाद यशायाह ने भविष्यवाणी कि एक ऐसे राजा के बारे में जो इजराइल के ईश्वर से प्रेम करेगा। वह न्यायपूर्ण राजा होगा और पुरे जुडाह को आज़ाद करवाएगा और जुडाह से पूरी मूर्तियों को हटाएगा।

पर्स में फिटकरी का महत्व बहुत ज्यादा है

वास्तु शास्त्र हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और ये जीवन में समृद्धि लाने का एक आसान तरीका माना जाता है। हमारे आस-पास मौजूद गर एक वस्तु यदि वास्तु के नियमों के अनुसार रखी जाती है तो आपके घर में हमेशा सकारात्मकता बनी रहती है। ऐसे ही आपको कुछ ऐसी चीजें अपने आस-पास रखने की सलाह भी दी जाती है जिससे आपके घर में धन के योग बनते हैं।

आपके पर्स में रखी गयी कुछ चीजें धन के स्रोत बनाती हैं और आपकी आर्थिक स्थिति को ठीक बनाए रखती हैं। ऐसी ही चीजों में से एक है फिटकरी। वास्तु में फिटकरी को एक ऐसी सामग्री माना जाता है जो घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकती है और घर में खुशहाली बनाए रखती है। इसी वजह से फिटकरी घर के कुछ विशेष स्थानों पर रखने की सलाह दी जाती है। आइए ज्योतिषाचार्य डॉ आरती दहिया जी से जानें कि पर्स में फिटकरी रखने के फायदे क्या हैं।

वास्तु के अनुसार फिटकरी का महत्व

फिटकरी को वास्तु में एक ऐसी सामग्री माना जाता है जो आपके घर में सकारात्मक वातावरण को बढ़ावा देती है। यह एक ऐसी सामग्री है जो शुद्धिकरण के गुणों के लिए प्रसिद्ध है और वास्तु शास्त्र में एक विशेष स्थान रखती है। इसका उपयोग कई औषधीय चीजों में होने के साथ वास्तु और ज्योतिष में भी इसका बहुत अधिक महत्व है। उसमें ऊर्जा को सकारात्मक तरीके से प्रभावित करने की शक्ति होती है। ऐसा माना जाता है कि जब पर्स में फिटकरी रखने से इन ऊर्जाओं को संतुलित किया जाता है जो धन के मार्ग बनाने में मदद करती है। जब हम पर्स में फिटकरी रखने की बात करते हैं तब यह आर्थिक लाभों को आकर्षित करती है और सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है जिसकी वजह से आपकी पर्स हमेशा पैसों से भरी रहती है और कभी भी आपका धन व्यर्थ के कामों में खर्च नहीं होता है। वास्तु एक्सपर्ट डॉ आरती दहिया जी बताती हैं कि फिटकरी वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए अनुकूल एक ऊर्जावान वातावरण बनाती है।

पर्स में फिटकरी रखने से मिलती है कर्ज से मुक्ति

यदि आपके ऊपर कुछ कर्ज है और आप इससे मुक्ति के उपाय खोज रहे हैं तो आप फिटकरी का एक टुकड़ा अपने पर्स में रखें। इससे आपको जल्द ही कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। फिटकरी को ऐसी सामग्री माना जाता है जो ऋणों में कमी को प्रभावित करने की क्षमता रखती है। पर्स में फिटकरी रखना वित्तीय रूप से आने वाली किसी भी समस्या से छुटकारा दिलाती है।

नकारात्मक ऊर्जाओं से सुरक्षा

फिटकरी अपने शुद्धिकरण और सुरक्षात्मक गुणों के लिए जानी जाने वाली सामग्री होती है। इसे पर्स में रखकर आप नकारात्मक ऊर्जाओं के खिलाफ सुरक्षा बनाए रख सकते हैं। यह किसी भी नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा प्रदान करने में मदद करती है।

आखिरकार क्या है सुख?

संतमत सिद्धांत

महान पवित्र पुस्तक 'गुरुमत सिद्धांत 84 विषयों वाला' के बाद 'सन्तमत सिद्धांत' श्री राधा स्वामी सत्संग ब्यास जी की ओर से इस पृथ्वी पर हर इंसान के लिए ऐसी अनूठी कृति है कि जीवन सुखी रह सकता है। महाराज सावन सिंह जी रचित 'सन्तमत सिद्धांत' के समर्पण में वरन सिंह जी महाराज ने लिखा है कि गुरुवाणी के गूढ़ विषयों को आसानी से समझना और पालन करने तक की विवेचना 'सन्तमत सिद्धांत' में की गई है। महाराज सावन सिंह जी ने 'सन्तमत सिद्धांत' में जो कुछ मानवता के लिए समर्पित किया, इस महान संकलन को हम अपने पाठक प्रेमियों की भारी मांग पर अक्षरशः प्रस्तुत कर रहे हैं ताकि वे व्यावहारिक जीवन में एक-दूसरे से प्यार कर सकें, परोपकार कर सकें, जोकि सन्तमत सिद्धांत का वास्तविक उद्देश्य है। -संपादक

हउमै मारि सदा सुखु पाइआ माइआ मोहु चुकावणिआ॥
-गुरु अमरदास जी (आदि ग्रंथ, पृ. 109-10)

जा कै मसतकि भाग सि सेवा लाइआ॥
ता की पूरन आस जिन्ह साधसंगु पाइआ॥
-गुरु अर्जुनदेव जी (आदि ग्रंथ, पृ. 457)

जि सतिगुरु सेवे सो परवाणु॥
काइआ हंसु निरमलु दरि सचै जाणु॥
हरि सेवे हरि मंनि वसाए सोहै हरि गुण गाइदा॥
बिनु भागा गुरु सेविआ न आइ॥ मनमुख भूले मुए बिललाइ॥
जिन कउ नदरि होवै गुर केरी हरि जीउ आपि मिलाइदा॥
-गुरु अमरदास जी (आदि ग्रंथ, पृ. 1065)

संसार के अनेक धर्म ग्रंथों में स्वर्गों और बैकुंठों आदि का वर्णन है। हिंदू धर्म ग्रंथों में सोलह स्वर्गों और इनमें प्राप्त अनेक प्रकार के अलौकिक सुखों का विस्तार से उल्लेख किया गया है। इन धर्म ग्रंथों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्वर्ग या बहिश्त जीव को मृत्युलोक में किए गए श्रेष्ठ पुण्य कर्मों के कारण मिलते हैं। संत-महात्मा समझाते हैं कि स्वर्ग या बैकुंठ एक तरह से मृत्युलोक का ही विस्तार हैं। यह पहले रूहानी मंडल सहसदल कंवल के नीचे स्थित ऐसे अर्धसूक्ष्म मंडल हैं, जिन्हें सूक्ष्म मंडलों की ड्योढी कहा जा सकता है। ये सब मंडल अस्थिर और नाशवान हैं। इनमें प्राप्त होने वाले सुख और भोग सूक्ष्म शरीर द्वारा भोगे जाते हैं। ये सुख और भोग स्थूल इंद्रियों के भोगों से सूक्ष्म लेकिन उन जैसे ही होते हैं। जीव का इनमें निवास निश्चित अवधि के लिए होता है। जब पुण्य कर्म क्षीण हो जाते हैं, तो जीव को फिर से मृत्युलोक में जन्म लेना पड़ता है। ठीक उसी तरह जिस तरह एक व्यक्ति अपने देश से बहुत सा धन कमाकर विदेश में स्थित किसी सुंदर मनोरंजक स्थान पर चला जाता है। वह वहां कुछ भी काम नहीं करता और अपने देश से लाए हुए धन के सहारे खूब ऐशो-इशरत करता है, परंतु जब उसका सारा धन खर्च हो जाता है तो उसे वापस अपने देश लौटना पड़ता है। उसी तरह स्वर्गों-बैकुंठों में इस मृत्युलोक में किए हुए शुभ कर्मों के अनुसार निश्चित अवधि के लिए सुख प्राप्त होते हैं। संत-महात्मा सावधान करते हैं कि मनुष्य जन्म का असल मकसद या उद्देश्य स्वर्गों-बैकुंठों की प्राप्ति नहीं है। स्वर्गों-बैकुंठों के भोग, सूक्ष्म रूहानी मंडलों में और प्रभु प्राप्ति से मिलने वाले परम आनंद के मुकाबले में तुच्छ हैं। नाम की कमाई और प्रभु प्राप्ति से मिलने वाला सुख आत्मिक है। यह आनंद सूक्ष्म और अविनाशी है। यही कारण है कि संतों-महात्माओं ने जीव के सामने सबसे ऊंचे रूहानी मंडल सतलोक की प्राप्ति का लक्ष्य रखा है। जीव को सच्चा और स्थायी सुख इस अमर, अविनाशी और पूर्ण मंडल में पहुंचकर ही मिल सकता है।

प्रभु के प्रति जरूरी है कृतज्ञता

हमारे पास बेशक सुख-साधन नहीं हैं लेकिन हे प्रभु, तुमने मुझे स्वस्थ शरीर का मालिक बनाया, क्या यह सोचकर परमात्मा की कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कभी हमारी आंखें भीगती हैं? कृतज्ञता का यह भाव ही वह सच्ची आराधना है जो हमें ईश्वर से जोड़ती है। जब हम दोनों हाथ फैलाते हैं और जब हम दोनों हाथ जोड़ते हैं इन दोनों का मतलब अलग-अलग है। हाथों का खुलना और इनका फैलना अर्थ बहुत गहरे हैं। हाथ जोड़ना एक अभिवादन है। सब जानते हैं कि भारत के ऋषि-मुनियों ने बहुत गहरे अर्थों से दोनों हाथों को जोड़ने की विद्या को जाना। दोनों हाथ जोड़ना जो हमारे यहां है यानी द्वैत से ऊपर उठ जाना। जहां दूरी नहीं, जहां द्वैत नहीं, जहां द्वंद्व नहीं, जहां चुनाव नहीं, जहां दोनों हाथ जुड़ गए। 'सारी प्रकृति ही ईश्वर है' कभी-कभी ऐसी भाव दशा बनते ही आपके दोनों हाथ जुड़ गए होंगे। कोई चाह नहीं है, कोई मांग नहीं है, कोई भय नहीं कि कहीं नर्क न चला जाऊं, वह केवल इसलिए हाथ नहीं जोड़ रहा। संसार में वैभव ज्यादा मिले या कम, हमारी बादशाहत में कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए, क्योंकि परमात्मा की कायनात की बादशाहत यदि आपके पास है तो उससे बड़ा तो कुछ है ही नहीं। यहां हम स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि हाथ जोड़कर चलने की परंपरा कायम रहनी चाहिए हाथ फैलाने की नहीं। अगर किसी के हाथ आपके आगे फैलते हैं तो उस जरूरतमंद की मदद जरूर कर देनी चाहिए यह भारतीय संस्कृति है। सामान्य से दिखने वाले के लिए धर्मराज ने अपने आसन से उठकर उसका अभिनंदन किया, दूसरे को बस एक दृष्टि भर देख लिया। दूसरे ने कहा, अरे धर्मराज, ये क्या! मैंने इतने मंदिर बनवाए, इतनी धर्मशालाएं बनवाईं, मंदिरों में असंख्य दीप प्रज्वलित किए लेकिन आपने इस सामान्य से व्यक्ति का उठकर सम्मान किया! ऐसा क्यों? धर्मराज ने मुस्कुराकर उसकी ओर देखते हुए कहा, महात्मा, तुमने असंख्य दीप वहीं प्रज्वलित किए, जहां पहले से ही अनेकों दीप जगमगा रहे थे।

दीदी मां ऋतंभरा

रमजानुल मुबारक खुवैद का काम देता है

रमजानुल मुबारक भी हम लोगों के लिए खुवैद का काम देता है। अल्लामा गज्जाली रह. लिखते हैं कि रोजे की गरज यानी कहरे इब्लीस और शहवते तफ्सानिया का तोड़ना कैसे हासिल हो सकता है, अगर आदमी इफ्तार के वक्त इस मिक्दार की तलाफी कर ले तो फौत हुई। हकीकतन हम लोग बजुज इसके कि अपने खाने के औकात बदल देते हैं, इसके सिवा कुछ कमी नहीं करते, बल्कि और ज्यादती मुख्तलिफ अन्वाअ की कर जाते हैं, जो बगैर रमजान के मयस्सर नहीं होती। लोगों की आदत कुछ ऐसी हो गई है कि उम्दा-उम्दा अश्या रमजान के लिए रखते हैं और नफ्स दिन भर के फाके के बाद जब उन पर पड़ता है तो खूब ज्यादा सेर होकर खाता है, तो बजाए कूवते शह्वानिया जईफ होने के और भड़क उठती है और जोश में आ जाती है और मकसद के खिलाफ हो जाता है। रोजे के अंदर मुख्तलिफ अग्राज और फवाइद और उसके मशरूअ होने से मुख्तलिफ मुनाफे मक्सूद हैं। वे सब जब ही हासिल हो सकते हैं, जब कुछ भूखा भी रहे। बड़ा नफा तो यही है जो मालूम हो चुका यानी शहवतों का तोड़ना, यह भी इसी पर मौकूफ है कि कुछ वक्त भूख की हालत में गुजारे। पैगंबर साहब का इर्शाद है कि शैतान आदमी के बदन में खून की तरह चलता है। इसके रास्तों को भूख से बंद करो। तमाम आजा का सेर होना नफ्स के भूखा रहने पर मौकूफ है। जब नफ्स भूखा रहता है तो तमाम आजा सेर रहते हैं और जब नफ्स सेर होता है, तो तमाम आजा भूखे रहते हैं। दूसरी गरज रोजे से फुकरा के साथ तशबुबुह और उनके हाल पर नजर है। वह भी जब ही हासिल हो सकती है, जब सहर में मेदे को दूध-जलेबी से इतना न भर ले कि शाम तक भूख ही न लगे।

हजारों साल पुराने हैं भारत के यह प्राचीन और फेमस मंदिर, दर्शन के लिए मीलों का सफर तय करते हैं श्रद्धालु

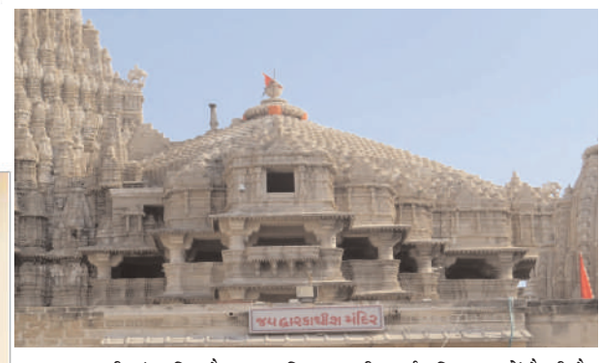

भारत की संस्कृति और आध्यात्मिकता की चर्चा दुनिया भर में फैली है। भारत विभिन्न धर्मों के संगम की धरती है। यहां पर एक से बढ़कर एक पुराने और भव्य कलात्मक मंदिर देखने को मिलेंगे। इन मंदिरों की सुंदरता देखने लायक होती है। भारत के विशाल इतिहास का अंदाजा हजारों साल पुराने इन मंदिरों की खूबसूरती व समृद्धि को देखकर लगाया जा सकता है। इन मंदिरों की नक्काशी में भारतीय संस्कृति, कला व सौंदर्य का अनूठा संगम देखने को मिलता है। इन मंदिरों में दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। आइए जानते हैं भारत के इन प्राचीन और फेमस मंदिरों के बारे में...

बृहदेश्वर मंदिर, तमिलनाडु- बृहदेश्वर मंदिर हिन्दुओं का एक प्रसिद्ध प्राचीन मंदिर है। यह मंदिर तमिलनाडु के तंजौर में स्थित है। भगवान भोलेनाथ को समर्पित इस मंदिर का निर्माण 1002 ईस्वी में चोल शासक राजाराज चोल प्रथम ने करवाया था। यह मंदिर द्रविड़ शैली का अनूठा उदाहरण पेश करता है। इस मंदिर की शीर्ष ऊंचाई 66 मीटर है। इस मंदिर में दर्शन के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु मीलों का सफर तय करते हैं। अपने समय में यह मंदिर विश्व की विशालतम संरचनाओं में गिना जाता था।

चेन्नाकेशव मंदिर, कर्नाटक- कर्नाटक के बैलूर में स्थित चेन्नाकेशव मंदिर होयलस काल में बनाया गया मंदिर काफी ज्यादा फेमस है। यह मंदिर भगवान श्रीहरि विष्णु को समर्पित है। इस मंदिर की दीवारों पर पौराणिक कथाओं के पात्रों का चित्रांकन किया गया है। इस मंदिर की संरचना का अंदाजा आप इस बात से भी लगा सकते हैं कि इसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा मान्यता दी गई है। इस मंदिर में तीन प्रवेश द्वार बने हैं। जिनमें पूर्वी प्रवेश द्वार सबसे अच्छा माना जाता है। विजयनगर के शासकों द्वारा चोलों पर उनकी विजय को दर्शाने के लिए इस मंदिर का निर्माण करवाया गया था।

दिलवाड़ा मंदिर, राजस्थान- बता दें कि राजस्थान के सिरोही जिले के माउंट आबू नगर में स्थित दिलवाड़ा मंदिर पांच मंदिरों का समूह है। इस मंदिर का निर्माण 11वीं और 13वीं शताब्दी के बीच किया गया था। यह मंदिर जैन धर्म को समर्पित है। इस मंदिर में कुल 48 स्तंभ बने हुए हैं और इन स्तंभों में नृत्यांगनाओं की आकृतियां बनी हैं। इस मंदिर की निर्माण कला लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने का काम करती है। दिलवाड़ा मंदिर जैन धर्म के सबसे सुंदर स्थलों में गिना जाता है।

द्वारकाधीश मंदिर- गुजरात में मौजूद द्वारकाधीश मंदिर को जगत मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित है। चार धाम यात्रा में भी इस मंदिर को शामिल किया गया है। इस मंदिर का इतिहास करीब 2500 साल पुराना है। पुरातात्विक तथ्यों में भी इस मंदिर का उल्लेख मिलता है। द्वारिकाधीश मंदिर पांच मंजिला बना है और इसमें करीब 72 खंबे हैं। द्वारिकाधीश मंदिर की विशालता काफी प्राचीन है।

श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर- तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में स्थित श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर भी काफी प्राचीन और फेमस है। यह मंदिर जगत के पालनहार श्रीहरि विष्णु को समर्पित है। श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर 108 दिव्य मंदिरों में से एक है। यह मंदिर दक्षिण भारत के सबसे खूबसूरत और भव्य मंदिरों में शामिल है। इसका निर्माण छठी और नौवीं शताब्दी के बीच किया गया था। श्री रंगनाथ स्वामी मंदिर को दुनिया का सबसे बड़ा हिंदू मंदिर माना जाता है।

सोमनाथ मंदिर गुजरात- गुजरात का सोमनाथ मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में सर्वप्रथम है। इस मंदिर को 7वीं शताब्दी में बनवाया गया था। सोमनाथ मंदिर का निर्माण खुद चंद्रदेव ने किया था। हांलाकि इस वैभवशाली मंदिर को कई बार तोड़ा व लूटा गया। लेकिन आज भी इस मंदिर की विशालता और भव्यता कायम है। सोमनाथ मंदिर का उल्लेख ऋग्वेद में भी देखने को मिलता है।

ब्रह्मा मंदिर, राजस्थान- भारत के राजस्थान के पुष्कर में ब्रह्माजी का इकलौता मंदिर बना है। इस मंदिर की संरचना 14 शताब्दी की बताई जाती है। इस मंदिर का इतिहास करीब 2000 साल पुराना है। मंदिर के बीचों-बीच ब्रह्मा और उनकी दूसरी पत्नी गायत्री की मूर्ति है। ब्रह्मा जी के इस मंदिर में हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। वहीं साल में दो बार मेले का भी आयोजन किया जाता है।

लिंगराज मंदिर, भुवनेश्वर- भारत के प्राचीन मंदिरों में ओडिशा के भुवनेश्वर में स्थित लिंगराज मंदिर भी शामिल है। इस मंदिर को सोमवंशी राजा जजति केशरि ने 11वीं शताब्दी में बनवाया था। यह मंदिर भगवान भोलेनाथ के एक रूप हरिहारा को समर्पित है। इस मंदिर की अनुपम स्थापत्य कला काफी ज्यादा अनूठी है। जिसको देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं।

कैलाश मंदिर, महाराष्ट्र- महाराष्ट्र के औरंगाबाद में स्थित कैलाश मंदिर दो मंजिला बना है। इस मंदिर को एक ही पत्थर काटकर बनाया गया है। यह मंदिर एलोरा की गुफाओं में स्थित है। इस मंदिर का निर्माण 12 हजार साल पुराने राष्ट्रकूट वंश के शासकों ने करवाया था। बताया जाता है कि इस मंदिर को बनाने में करीब 150 साल लगे थे। जिसके लिए 7000 मजदूरों ने लगातार काम किया था। कैलाश मंदिर प्राचीन भारतीय सभ्यता का जीवंत प्रदर्शन करता है। एक ही पत्थर की शिला से बनी हुई सबसे बड़ी मूर्ति के लिए यह मंदिर दुनिया भर में मशहूर है।

धागे की संरचना को ध्यान से देखेंगे तो जीवन के लिए कई संदेश मिल जाएंगे

हम गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा गाई व लिखी गई श्रीरामचरित मानस में संतों की महिमा को श्रवण कर रहे हैं। विगत अंक में हम परिचित हुए, कि संत निरस भी हैं, और विसद भी हैं। लेकिन संतों के गुणों को ऐसे ही गाने व लिखने के लिए, क्या किसी कलम में सामर्थ है? निःसंदेह नहीं है। क्योंकि संसार में संतों जैसा त्यागी व बलिदानी कोई भी नहीं है। आप स्वयं भी अपने चारों ओर दृष्टि घुमा कर देखेंगे, तो पायेंगे, कि कोई भी व्यक्ति स्वयं को कष्ट देकर, दूसरों को सुख देने की भावना से कोसों दूर है। स्वयं कष्ट सहकर दूसरों को सुख देना तो बहुत दूर की बात, मानव की वृति तो इस स्तर तक गिर चुकी है, कि वह दूसरों के सुख को देख कर ही दुखी हो जाता है। लेकिन गोस्वामी जी कहते हैं, कि संत तो ऐसे होते हैं, जैसे धागा होता है।

धागा--? निश्चित ही आप सोच रहे होंगे, कि संत की तुलना एक साधारण से धागे से करके, गोस्वामी जी ने भला कौन-सा बड़ा संदेश दे दिया? दिखने में भले ही गोस्वामी जी के शब्द बड़े साधारण व सरल से हों। लेकिन धागे से संतों की तुलना में उन्होंने मानों इस एक शब्द में ही पूरी संत चरित्र की गाथा लिख डाली। आप धागे की संरचना व कार्य को तनिक ध्यान से देखिए। क्या कोई धागा ऐसे सरलता से ही आकार ले लेता है? जी नहीं। धागे के निर्माण में अनंत संघर्ष, तपस्या व कष्टों की श्रृंखला है। धागा निःसंदेह कपास से ही बनता है। लेकिन कपास से धागा बनने के लिए, कपास को भयंकर पिसाई के अत्याचारों से गुजरना पड़ता है। खूब पिसने के पश्चात, जब वह कपास फूल जाती है और उसकी पौनियां बना ली जाती हैं, तो उन्हें चरखे की चरखी पर घूमने के लिए छोड़ दिया जाता है। पौनी को चरखे पर कसी एक तीखी लंखी सी कील पर लपेट दिया जाता है, जिसे हम तक्कला कहते हैं। जैसे-जैसे चरखी का पहिया घूमता है, वैसे-वैसे वह तक्कला, चरखी से भी कई गुणा तेजी से घूमता है। इस घूमने में कपास को मानों काल की पहिए पर घूमने जैसा प्रतीत होत है। तब कहीं जाकर उस कपास से धागा फूटना आरम्भ होता है। फिर वह धागा भला अकेला भी क्या करे। वह स्वयं तो किसी की नग्नता ढंकने में सक्षम नहीं होता। ऐसे में वह सहारा लेता है एक सूई का। धागा जब देखता है, कि सूई में छेद है। तो धागा सोचता है, कि संसार के लोगों के तन की नग्नता ढंकने का कार्य तो बाद में देखेंगे, पहले इस सूई की नग्नता तो ढंक ली जाये। कारण कि इसमें निहित छेद इसे अवश्य ही पीड़ा पहुँचाता होगा। तो क्यों न मैं इसके छेद में ही स्वयं को पिरो दूँ, और इसके छेद को हर लूँ। हाँ, इससे मुझे भले ही पीड़ा होगी, लेकिन यह भी सत्य है, कि सूई की नग्नता तो ढंक ही जायेगी।

अलग-अलग दुर्घटनाओं में तीन की मौत दो घायल

छठ पूजा में शामिल होने के लिए जा रहे पति की डिवाइडर से टकराकर मौत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर/खानपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के वाराणसी गाजीपुर राजमार्ग पर रविवार 19 नवंबर की रात्रि में सिधौना बाजार स्थित ईशोपुर के पास बाइक सवार युवक के डिवाइडर से टकराने से एक की मौत हो गई एक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि 20 नवंबर की सोमवार की सुबह भोर में टहलने निकले युवक की अज्ञात वाहन के धक्के से मौके पर ही मौत हो गई।वही थानाक्षेत्र के विक्रमपुर ऊंचौरी के बीच बाइक मोपेड की टक्कर में एक अधेड़ की मौत हो गई मोपेड सवार गंभीर रूप से घायल हो गया खानपुर पुलिस ने सभी तीन शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा।वाराणसी जनपद के चौबेपुर थाना अंतर्गत उमरहां गांव निवासी पारस नाथ खरवार के पुत्र राहुल खरवार उम्र 28 वर्ष रविवार उन्नीस नवंबर को देर शाम अपने चचेरे भाई अंकुश खरवार पुत्र शामू खरवार के साथ अपने पत्नी विनिता खरवार के बुलावे पर ससुराल जौनपुर जनपद के केराकत थाना अंतर्गत नदौली गांव स्थित राजेंद्र खरवार के यहां छठ मैया के पूजन में सम्मिलित होने के लिए जा रहे थे।सिधौना बाजार में उनकी बाइक डिवाइडर से टकरा गई जिसमें राहुल की मौके पर ही मौत हो गई बाइक पर बैठे अंकुश जायसवाल गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका इलाज ट्रामा सेंटर में चल रहा है। राहुल अपने दो भाइयों में सबसे छोटा है मौत की खबर मिलते ही पत्नी विनीता माता माला खरवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। एक वर्ष पूर्व ही उसकी शादी हुई थी।वही खानपुर क्षेत्र के हथौड़ा निवासी राम मूरत के पुत्र पीयूष राम उम्र 28 वर्ष सोमवार को भोर में वाराणसी गाजीपुर राजमार्ग पर टहलने के लिए निकले थे। की ईशोपुर के पास वाराणसी से गाजीपुर जा रही अज्ञात वाहन के चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई।सुबह टहलने निकले ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा। पीयूष अपने दो भाइयों में सबसे छोटा था।वही तीसरी घटना थानाक्षेत्र के ऊंचौरी विक्रमपुर मार्ग पर मोपेड और बाइक की टक्कर में बाइक सवार अधेड़ अज्ञात की मौके पर मौत हो गई । जबकि मोपेड सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर पहुंचे घायल के परिजन उसे वाराणसी स्थित ट्रामा सेंटर ले गए जहां उसका इलाज चल रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बाइक नंबर सहित अन्य आधार पर मृतक की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।जवाहिर यादव के पुत्र रोली यादव उम्र 18 वर्ष निवासी छपरा थाना खानपुर घर के आवश्यक कार्य से भीमापार बाजार जा रहे थे। की सामने से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई जिससे बाईक सवार की मौके पर मौत हो गई और ये गंभीर रूप से घायल हो गए। जिनका वाराणसी स्थित ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है।थानाध्यक्ष खानपुर प्रवीण यादव ने बताया सभी घटनाएं संज्ञान में है तीनों शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेजा गया है।

त्रिपदा पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने राज्यस्तरीय योग प्रतियोगिता में बढ़ाया विद्यालय का मान

प्रखर पिंडरा (वाराणसी) । रमईपुर स्थित त्रिपदा पब्लिक स्कूल की कक्षा 7 की छात्रा किंजल विश्वकर्मा (शाखा - रमईपुर, पिंडरा) एवं एकता सिंह (शाखा - गंगकला,) ने विगत रविवार को संपन्न हुए उत्तर प्रदेश मिनी ओलंपिक योगासन खेल प्रतियोगिता में आयु वर्ग - 14 व 19 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया। ज्ञात हो की वाराणसी मण्डल की 20 सदस्यों की टीम राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे भाग लेने के लिए शामिल हुई जिसमें त्रिपदा पब्लिक स्कूल गाँगकला और पिंडरा की 2 छात्राएं इस 20 सदस्यों की टीम का हिस्सा थी। उत्तर प्रदेश के 18 मण्डल से कुल लगभग 360 खिलाडियों ने भाग लिया था। प्रबंध निदेशक कन्हैया लाल पटेल ने खिलाडियों को आगामी राष्ट्रीय स्तरीय प्रितियोगिता में सफलता के लिए उत्साहवर्धन करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की। प्रबंधक सुरिंदर पाल ने खिलाडियों का सम्मान करते हुए मैडल पहनाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेंद्र पटेल ने एक मार्गदर्शक, कोच, ट्रेनर, रेफरी के रूप मे बच्चों का पूरा सहयोग किया। खिलाड़ियों की सफलता का श्रेय उनके सभी अध्यापकों को दिया जो तैयारी में लगे थे।

संक्षिप्त खबरें

उगते सूर्य भगवान को अर्घ देकर छठ पूजा समाप्त

प्रखर चौबेपुर वाराणसी। तीनों दिनों का यह पवित्र त्यौहार आज सूर्य भगवान का अर्घ्य देकर छठ पूजा समाप्त हो गया।मिश्रपुरा बलुआघाट बर्थराकला गौराकला चारों तरफ गंगा घाट पर भारी भीड़ छठ पूजा मे उमड़ी आस्था का यह पर्व बहुत कठिन होता है।हर जगह गांव में इस त्यौहार को लोग मनातें है।

वाराणसी के पांडेपुर पंचकोशी रोड स्थित अशोकनगर में एक्सिस बैंक की शाखा का हुआ उद्घाटन

प्रखर वाराणसी। शिव सर्जिकल एंड मेडिकल सेंटर के एमडी डॉक्टर एसपी यादव एवं डॉक्टर नीतू यादव के कर कमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर ब्रांच मैनेजर अभिषेक सिंह ने बताया कि वाराणसी में यह हमारी 16 वीं शाखा है हम अपने कस्टमर को बेहतर सुविधा देते हैं जिससे कस्टमर हमारे ऊपर विश्वास करते हुए अपना प्यार और स्नेह देते हैं जिसको देखते हुए आज हम लोगों ने अपनी या 16वीं शाखा का शुभारंभ आज वाराणसी में किया है।

उगते हुये सूर्य को अर्घ्य देकर हुआ छठ का समापन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। भगवान सूर्य की उपासना के महापर्व छठ का त्योहार सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ तीन दिवसीय छठ त्योहार का समापन हो गया। इस दौरान उत्सव जैसा माहौल दिखा और छठ मइया के गीत तालाबो पर सुनाई दे रहे थे। सम्पूर्ण सृष्टि के लिए सुख समृद्धि तथा आरोग्यता के होने वाले पूजन में व्रती महिलाओं गजब का उत्साह दिखा । रविवार को डूबते सूर्य को अर्घ्य और सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ तीन दिवसीय तोहार का समापन हुआ। महिलाएं गीत गाते हुए घर आई। क्षेत्र के पिंडरा, सिंधोरा, फूलपुर, रामपुर, कठिराव व मंगारी समेत अनेक गावो व बाजारों के घाटों पर उत्सव जैसा माहौल दिखा।

एन एच 124 डी सड़क पहली बार जिले में बनेगी 10 मीटर चौड़ी

प्रखर दुल्लहपुर (गाजीपुर)। जिले में बनी फोरलेन सड़क को अगर छोड़ दिया जाए तो पहली बार जिले में एन एच डी 10 मीटर चौड़ी सड़क बनेगी। इसकी कुल लंबाई 56 किलोमीटर होगी। यह सड़क सैदपुर से लेकर मरदह तक बनेगी। एनएच 124 डी के नाम से इस मार्ग को जाना जायेगा। जनपद के पूर्व सांसद केंद्रीय रेल राज्य मंत्री मनोज सिन्हा जी के प्रयास से सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की प्रक्रिया तो काफी पहले पूरी हो चुकी थी। लेकिन 2018 में इस सड़क को राष्ट्रीय राजमार्ग को सौंप दिया गया। 56 किलोमीटर लंबा तथा 10 मीटर चौड़ा सड़क को बनाने के लिए 370 करोड़ रुपए का टेंडर भी पास हो चुका है। गाजीपुर पीडब्ल्यूडी विभाग के जेई अनिल वर्मा ने बताया कि एनएच 124डी के निर्माण में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के द्वारा कुल 800 करोड रुपए का बजट पास किया गया है। जिसमें ?390 करोड़ रूपया मार्ग में पड़ने वाले किसानों के भूमि का मुआवजा देने के लिए प्रस्तावित है।शेष पैसे से राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कराया जाएगा। यह सड़क गाजीपुर जनपद की सबसे बेहतरीन सड़क में से एक होगी। वर्तमान में इस सड़क का गाजीपुर के पीडब्ल्यूडी विभाग से कोई लेना-देना नहीं है। पहले इस सड़क का कार्य गाजीपुर द्वारा संचालित किया जाना था लेकिन उसके बाद उसे देवरिया जिले को स्थानांतरित कर दिया गया। अब एनएच वाराणसी डिवीजन के द्वारा इसका निर्माण किया जाएगा। वाराणसी के कार्यदाई संस्था द्वारा 15 नवंबर से कार्य शुरू करने की घोषणा की गई थी।

गांगकला में एंटी करपशन की टीम ने लेखपाल को घुस लेते हुए रँगे हाथ पकड़ा

प्रखर वाराणसी। बड़ागाँव थाना क्षेत्र के गंगकला में ग्राम सभा की नाली व रास्ते की पैमाइस करने के मामले को लेकर 20 हजार की रिश्वत लेते वाराणसी एंटी करप्शन टीम ने लेखपाल विकास गुप्ता को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। घटना के संदर्भ में गंगकला के ग्राम प्रधान शशिकांत वर्मा ने बताया कि दो दिन पूर्व एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा ने लेखपाल को ग्रामसभा की नाली व रास्ते पर अवैध कब्जे को लेकर नापी का आदेश लेखपाल को दिया था लेकिन प्रधान का आरोप है कि लेखपाल उनसे लगातार रुपयों की मांग कर रहा था और अंत मे वह किसी तरह 20000 रुपये पर नापी करने को तैयार हुआ और उक्त प्रकरण की जानकारी प्रधान द्वारा एंटी करप्शन टीम को दे दी गई । एंटी करप्शन टीम ने प्रधान के साथ मिलकर गांगकला स्थित अमृत सरोवर के पास लेखपाल को तय रुपयों को लेने के लिये बुलाया था और जैसे ही प्रधान ने लेखापाल को एंटीकरप्सन द्वारा दिये गए रुपयों को लेखपाल को सौंपा वैसे ही टीम ने उसे रँगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

सारंगनाथ वाराणसी में छठ महापर्व का पूजन हुआ संपन्न

प्रखर वाराणसी। छठ महापर्व के अवसर पर वाराणसी मे इस व्रत को करने वाले लोगों का जन्म सैलाब प्रत्येक नगर व क्षेत्र में देखने को मिला। वाराणसी के शास्त्री घाट एवं सारनाथ में श्रद्धालु बड़ी ही श्रद्धा से इस व्रत का पूर्ण किया। वाराणसी सारनाथ सारंगनाथ मंदिर के पास सन 2005 से छठ पूजा समिति के लोगों द्वारा प्रत्येक वर्ष बड़े ही हर्ष उल्लास एवं बिना किसी सरकार की मदद की संपन्न कराया जाता है प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सारनाथ मैं श्रद्धालु का जन सैलाब एवं लोगों में हर्षोल्लास, छठ माता आदित्य सूर्य नारायण की यह अद्भुत एवं पौराणिक व्रत कथा केवल एक कथा ही नहीं एक प्रकार से यह एक कठिन तपस्या भी है। पौराणिक कथाओं के बारे में बताते हुए छठ पूजा समिति के सेवा में लगे हुए क्षेत्रीय निवासी सुभाष सिंह बिहार निवासी ने इस व्रत का आरंभ किस प्रकार और कथाओं के अनुसार सर्वप्रथम इस व्रत का प्रचलन कैसे हुआ इसके बारे में बताते हुए। उन्होने भगवन राम जुड़ी कथा को बताया,जब चौसर के खेल में पांडव सब कुछ अपना हार गए थे। द्रोपती ने अपने परिवार के कल्याण के लिए छठ माता और आदित्य सूर्य नारायण जी की इस व्रत कथा को किया था। पौराणिक कथाओं के अलावा धार्मिक महत्व के साथ-साथ इसका वैज्ञानिक महत्व ही भी है इस पर्व में बनने वाले पुए पकवान सभी की भांति ही ऊजार्वान एवं कैल्शियम युक्त होते हैं। इस व्रत को मुख्य रूप से पुत्र प्राप्ति के लिए किया जाता है इस व्रत को करने वाली भर्ती न केवल अपने परिवार एवं पूरे समाज एवं कुटुंब की रक्षा के लिए प्रार्थना करती हैं।

आमेलित शिक्षकों की एक आपात बैठक हुई सम्पन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार आमेलित शिक्षकों की एक आपात बैठक भारत माता मंदिर स्थित परिसर में हुई बैठक में उपस्थित शिक्षकों और शिक्षिकाओं ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन द्वारा 1 अप्रैल 2005 के पूर्व हुए विज्ञापन के आधार पर चयनित शिक्षकों की सूची मांगी गई है विषय विशेषज्ञों के पदों का विज्ञापन अगस्त 2001 में हुआ था जिस आधार पर विषय विशेषज्ञ चयनित हुए थे जिन्हें एक निश्चित मानदेय दिया जाता था अक्टूबर 2003 में लखनऊ खंडपीठ न्यायालय ने स्पष्ट आदेश दिया था कि 60 दिनों के अंदर इन विषय विशेषज्ञों को प्रदेश में रिक्त पदों पर समायोजित किया जाए यदि चयन बोर्ड के नियमों में कोई आवश्यक परिवर्धन परिवर्तन करना हो तो सरकार नियमों में परिवर्तन करते हुए इन्हें समायोजित कर न्यायालय को अवगत कराये लेकिन न्यायालय के इस आदेश के अनुपालन में शासन द्वारा समायोजन करने की प्रक्रिया पूरी होते होते 2007 का वर्ष आ गया 2007 में सभी विषय विशेषज्ञ समायोजित आमेलित कर दिए गए। लेकिन समायोजन के समय दोबारा कोई आवेदन नहीं लिया गया 2001 के आवेदन पर चयनित विषय विशेषज्ञ जिन्हें ट्रेजरी से मानदेय का भुगतान होता था उन्हें पुरानी पेंसन स्कीम में शामिल होने का पूरा हक है बैठक में निर्णय लिया गया की शिक्षा विभाग के उच्च अधिकारियों से प्रतिनिधि मंडल मिलकर मांग करेगा की विषय विशेषज्ञ से आमेलित शिक्षकों को भी पुरानी पेंशन के अन्तर्गत शामिल किया जाए। बैठक में प्रमुख रूप से दिनेश कुमार तिवारी, विनोद कुमार यादव, अवधेश कुमार सिंह, डॉ सुषमा श्रीवास्तव, बृजेश कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह, डॉ मुकेश कुमार सिंह, वंदना चौबे ,डॉ मीना श्रीवास्तव अनामिका मिश्रा, ममता सिंह, विद्या भूषण मिश्रा, सिद्धार्थ त्रिपाठी, जीवन चंद्र मौर्य, रणजीत सिंह, दुर्गा प्रसाद सिंह, बाल गोविंद, अशोक कुमार कुशवाहा, अलकनंदा सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद थे।

आस्था का महा पर्व छठ का हुआ समापन, उगते सूर्य को अर्घ्य देकर महिलाओं ने खोला व्रत

प्रखर संतकबीरनगर। लोक आस्था और सूर्य उपासना के छठ महापर्व पर उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने व्रत खोला। 36 घंटे से निर्जला व्रत रखने वाले श्रद्धालु छठ पूजा घाट पर सुबह से ही हजारों की संख्या में सपरिवार पहुंच गए थे। सुबह-सवेरे दीयों की रोशनी से जगमग छठ पूजा घाट की छटा देखते ही बनती थी। छठ मैया के गीतों और जयकारों से घाट गूंज रहे थे। लोगों ने एक दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दी। बाद में आतिशबाजी से छठ पूजा घाट गूंज उठे। सोमवार सुबह-सवेरे खलीलाबाद शहर स्थित पक्के पोखरे के घाट और शुगर मिल चौराहे के पास बने कित्रिम घाट पर व्रती महिला श्रद्धालुओं का सपरिवार पहुंचना आरंभ हो गया था। पूजा घाट पर छठ मैया के जयकारों और भोजपुरी छठ गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो रहा था। गीतों पर झूमते श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था। सूर्यदेव के निकलने से काफी पहले ही श्रद्धालुओं ने घाट पर पहुंचकर पूजा सामग्री के साथ तैयारी आरंभ की।व्रती महिलाओं ने नदियों के पानी में खड़े होकर संतान की दीघार्यु और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। घाट पर हजारों की संख्या मे पहुंचे श्रद्धालुओं ने सूर्योदय के साथ ही उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। दीयों की रोशनी से छठ पूजा घाट जगमगा रहे थे। दीयों की रोशनी में घाटों की सुंदरता देखते ही बनती थी। सूर्यदेव को अर्घ्य देने के साथ ही घाट छठ मैया के जयकारों से गूंज उठे और 36 घंटे से चल रहा निर्जला व्रत पूर्ण हुआ। महिलाओं ने एक-दूसरे को सिदूर लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दी।महापर्व छठ पूजा के समापन के अवसर पर खलीलाबाद पक्के पोखरे तथा मगहर के आमी घाट में उगते हुए सूर्य देव को अर्थ देने के लिए भोर में 3 बजे से ही तलाब नदी के घाटों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगने लगी थी जहां कोसी भरने के लिए रात भर नदी तट पर जमी रहीं महिलाओं के लिए सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया गया था। संतकबीरनगर पुलिस के द्वारा गोताखोर व पुलिस के जवान बराबर नदी और धाटो पर निगरानी बनाए रहे। इस दौरान जिला अधिकारी महेंद्र सिंह तंवर तथा पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता, अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह, कोतवाली थाना प्रभारी ब्रजेन्द्र पटेल, महिला थाना प्रभारी मंजू सिंह, उप जिला अधिकारी शैलेश दुबे आदि सभी शासन प्रशासन के अधिकारी तथा कर्मचारी लगे रहे।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का हुआ समापन

प्रखर पूर्वांचल न्यूज महराजगंज। नगर पंचायत बृजमनगंज के ठाकुरद्वारा पोखरे व शिवालय पोखरे पर व्रती महिलाओं द्वारा उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ पारण कर लोक आस्था का महापर्व छठ व्रत का हुआ समापन। चार दिवसीय लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा सोमवार सुबह उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही संपन्न हो गया। घाटों पर छठ पूजा की अद्भुत छटा दिखी। लोक आस्था के इस महापर्व पर आस्था का जनसैलाब उमड़ा नजर आया। चार दिवसीय पर्व छठ पूजा बृहस्पतिवार सुबह उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही संपन्न हो गया। घाटों पर छठ पूजा की अद्भुत छटा दिखी। लोक आस्था के इस महापर्व पर आस्था का जनसैलाब उमड़ा नजर आया। ठाकुरद्वारा पोखरे, शिवालय पोखरे छठ घाट सहित विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में व्रतियों और श्रद्धालुओं ने सूर्यदेव को अर्घ्य दिया और छठी मैया से अपनी मनोकामना पूर्ण करने की मन्नत भी मांगी। व्रतियों व उनके परिवार ने भगवान सूर्य से समाज व देश के हित की कामना की। नहाय-खाय से शुरू हुआ यह चार दिवसीय पर्व सुबह के अर्घ्य देने के साथ ही संपन्न हो गया। व्रतियों ने 36 घंटे के निर्जला व्रत के बाद पारण किया। भाजपा के पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश जायसवाल प्रखर पूर्वांचल के ब्यूरो चीफ जगदंबा जायसवाल व समाजसेवी दिलीप चौधरी विनोद जायसवाल किशन जायसवाल सभासद मनोज जायसवाल सहित छठ घाट पर पहुंचकर छठ पूजा में शामिल हुए व लोगों को शुभकामनाएं दीं। सोमवार की सुबह तड़के तीन बजे से ही व्रतियों ने घाटों पर पहुंचकर सूर्य देवता और छठी मैया की उपासना शुरू कर दी। इसके बाद सूर्योदय होते ही अर्घ्य देने का सिलसिला शुरू हो गया। पूजा स्थल के नजदीक बज रहे छठ गीतों पर जहां युवा थिरकते नजर आए, वहीं बच्चों ने आतिशबाजी की।धार्मिक गीत-संगीत की धुनों पर थिरके कलाकार। सुंदर झांकी की मनोरम दृश्य ने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही।नगर पंचायत अध्यक्ष राकेश जायसवाल सहित उनके सहयोगी सभी सभासद नगर पंचायत के सभी कर्मचारी सफाईकर्मी आयोजन को सफल बनाने में जुटे रहे। पुलिस प्रशासन भी काफी चुस्त दुरुस्त दिखाई दिया हर तरफ महिला पुलिस तैनात दिखाई दी।

हलाल प्रमाणित' उत्पाद की बिक्री को बंद करने के विषय में कार्यवाही हेतु वाराणसी व्यापार मण्डल एवं हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिनंदन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हलाल प्रमाणित' उत्पाद की बिक्री को बंद करने के विषय में कार्यवाही हेतु वाराणसी व्यापार मंडल व हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा वाराणसी के लहुराबीर स्थित चंद्रशेखर आजाद पार्क में अभिनंदन पर कार्यक्रम किया गया। इस समय वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा, हिन्दू जनजागृति समिति के राजन केशरी, वाराणसी व्यापार मंडल के महामंत्री कविंद्र जायसवाल, विशेश्वरगंज व्यापार मंडल के भगवान दास जायसवाल, डॉक्टर अजय जायसवाल, संजय निरंकारी, शिव प्रकाश, प्रभाकर सिंह, सुनील चौरसिया, घनश्याम चौरसिया, आरती शर्मा , प्रमिला पांडे, अनुभव, सुनील, रिंकू, सुनील गुप्ता, संगीता चौबे, राजीव वर्मा, प्रिंस, जितेंद्र गुप्ता, रमेश निरंकारी, सत्यप्रकाश शर्मा, सत्यप्रकाश राय, शशिकांत आदि पदाधिकारी उपस्थित थे सभी ने उत्साहपूर्ण अभिनंदन किये। आरंभ में क्रांतिकारक चंद्रशेखर आजादजी की प्रतिमा को माल्यार्पण किया गया इस अवसर पर हिन्दू जनजागृति समिति के राजन केशरी ने संबोधित करते हुए बताया कि हिन्दू जनजागृति समिति के राष्ट्रीय प्रवक्ता रमेश शिंदे ने हलाल अर्थव्यवस्था का तीन वर्ष रिसर्च करके हलाल जिहाद यह पुस्तक लिखी और इसके माध्यम से संपूर्ण भारत में व्यापक रूप से इसका जागरण हुआ जिसका परिणाम आज यह सफलता मिल रही है। वाराणसी व्यापार मंडल अध्यक्ष अजीत सिंह बग्गा ने बताया की समिति और वाराणसी व्यापार मंडल संयुक्त रूप से लंबे समय से हलाल सर्टिफिकेशन को रद्द करने की मांग को लेकर समाज में जागृति करती आ रही है। इस कार्यक्रम में वाराणसी व्यापार मंडल के संजय निरंकारी , शिव प्रकाश, प्रभाकर सिंह, सुनील चौरसिया, घनश्याम चौरसिया, आरती शर्मा, प्रमिला पांडे, अनुभव, सुनील, रिंकू, सुनील गुप्ता, संगीता चौबे, राजीव वर्मा, प्रिंस, जितेंद्र गुप्ता, रमेश निरंकारी, सत्य प्रकाश शर्मा, सत्यप्रकाश राय, शशिकांत आदि का उत्साहपूर्ण सहभाग था। धर्म के आधार पर चल रही हलाल प्रमाणपत्र व्यवस्था को बंद करके हिंदू समाज पर हो रहा अन्याय दूर किया इसलिए पुनः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सहहृदय से धन्यवाद व्यक्त करती है।

व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ घाट और तालाबों पर भीड़ देखने को मिली

राहुल चौबे

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर दानगंज तालाब पर भदवा के सरेपुर घाट और नियर घाट पर कार्तिक मास के महाआस्था सूयोर्पासना व्रत में रविवार को गंगा घाट व तालाब पर पहुंचकर भगवान का पूजन अर्चन की। इसके लिए व्रतियों के परिजन फलो व ठेकुआ से भरी दऊरा को अपने कंधे पर लेकर पूजा घाट तक पहुंचाए। व्रती महिलाएं हाथ में कलश लिए घाट तक पहुंची। घाटों को सजाया गया था और गाने बजे के साथ लोगों में खूब उत्साह देखने को मिला वहीं सुरक्षा व्यवस्था देखने के लिए चोलापुर दानगंज चौकी की पुलिस घाटों पर दिखाई दी एक तरफ छठ का उत्साह और दूसरी तरफ वनडे वर्ल्ड कप फाइनल का उत्साह देखने को मिल रहा था जगह-जगह लोग मोबाइल में वनडे सीरीज का अपडेट ले रहे थे वहीं दूसरी तरफ महिलाएं नदी और तालाब में खड़ी थी तो दूसरे तरफ डूबते हुए हुए सूर्य को अर्घ देने के लिए उत्सुता दिखाई दे रहे थे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं